● वर्ष : 17 ● अंक : 176 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928
www.loktantrakishaan.com

LKS दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित गुरुवार 16 अप्रैल 2026

भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक परंपराएं हमारी ताकत: प्रधानमंत्री

एजेंसी। मांड्या (कर्नाटक)

पीएम ने कर्नाटक में श्री गुरु भैरवैक्य मंदिर का किया भव्य उद्घाटन, सांस्कृतिक विरासत को मिला नया आयाम

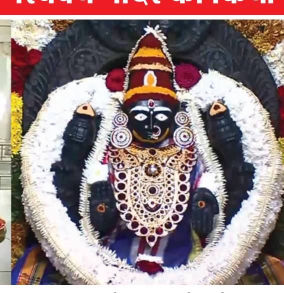

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत हजारों वर्षों से चलती आ रही एक जीवंत सभ्यता है, जहां परंपराओं की निरंतरता दुनिया में अद्वितीय है। बहुत कम देशों में इतनी लंबी अवधि तक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराएं निरंतर बनी रहती हैं। प्रधानमंत्री कर्नाटक के मांड्या जिले में स्थित आदिचुंचनगिरि महासंस्थान मठ में श्री गुरु भैरवैक्य मंदिर के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उनके साथ पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा भी मौजूद रहे। दोनों नेताओं ने मिलकर 'सौंदर्य लहरी और शिव महिम्न स्तोत्रम' नामक पुस्तक का विमोचन भी किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय समाज में समय-समय पर ऐसे महान संत और व्यक्तित्व जन्म लेते रहे हैं, जिन्होंने केवल आध्यात्मिक मार्गदर्शन ही नहीं दिया, बल्कि समाज के बीच रहकर लोगों के दुख-दर्द को समझा और उन्हें कठिनाइयों से बाहर निकलने का मार्ग दिखाया। उन्होंने कहा कि यही भारत की परंपरा और ताकत है। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर देशवासियों के सामने नौ प्रमुख आग्रह भी रखे। उन्होंने लोगों से जल संरक्षण को अपनाने और पानी के बेहतर प्रबंधन का संकल्प लेने का आह्वान किया। इसके साथ ही 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण करने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता को केवल सरकारी कार्यक्रम न मानकर जन आंदोलन बनाना होगा। धार्मिक स्थलों, सार्वजनिक स्थानों, गांवों और शहरों में स्वच्छता बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने 'वोकल फॉर लोकल' को अपनाने और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की बात कही। प्रधानमंत्री ने घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि देशवासियों को भारत के विभिन्न हिस्सों की यात्रा करनी चाहिए, ताकि देश की विविधता को समझा जा सके। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने का भी आग्रह किया। स्वास्थ्य के विषय में उन्होंने कहा कि मोटापा देश के सामने एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। इससे निपटने के लिए लोगों को अपने भोजन में तेल की मात्रा कम करने और मिलेट्स (श्री अन्न) को शामिल करने की सलाह दी। उन्होंने योग और खेल को जीवन का हिस्सा बनाने पर भी बल दिया। प्रधानमंत्री ने अपने नौवें आग्रह में कहा कि जरूरतमंदों की सेवा समाज को मजबूत बनाती है और इससे जीवन को एक उद्देश्य मिलता है।

पीएम मोदी ने पारंपरिक नववर्ष और फसल पर्वों की देशवासियों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को विभिन्न पारंपरिक नववर्ष और फसल पर्वों के अवसर पर शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री ने विशु के पावन अवसर पर सभी को बधाई देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि विशु के शुभ अवसर पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह त्योहार आशा और खुशी के बारे में है। यह सकारात्मकता और सभी के प्रति कृतज्ञता पर जोर देता है। आने वाला वर्ष आनंद, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य से भरा हो। यह वर्ष नए अवसर, सफलता और चारों ओर शांति लेकर आए। प्रधानमंत्री ने रोंगाली बिहू के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि यह जीवंत त्योहार नई शुरुआत, समृद्धि और एकजुटता की भावना का जश्न मनाता है। यह त्यौहार असमिया संस्कृति को खूबसूरती से प्रदर्शित करता है, जो हर जगह लोकप्रियता हासिल कर रही है। उन्होंने सभी के लिए सफलता, खुशी और अद्भुत स्वास्थ्य से भरे वर्ष के लिए प्रार्थना की। प्रधानमंत्री ने देशवासियों को पोइला बोइशाख के मौके पर बधाई देते हुए लिखा, "शुभो नोबोबोरशो! पोइला बोइशाख पर शुभकामनाएं।" प्रधानमंत्री ने सभी के लिए प्रार्थना करते हुए कहा कि आने वाला वर्ष आपकी सभी इच्छाओं की पूर्ति का प्रतीक हो। खुशी और भाईचारे की भावना सदैव बनी रहे। आपके अच्छे स्वास्थ्य और ढेर सारी खुशियों की कामना करता हूं। यह पश्चिम बंगाल की संस्कृति की शाश्वत समृद्धि का जश्न मनाने का भी एक अवसर है जिसने देश की सभ्यतागत भावना को आकार दिया है।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

हंगरी के नागरिक तानाशाही से मुक्त

दुनिया के जिन देशों में लोकतांत्रिक सरकारों पर लोकतांत्रिक तरीके से तानाशाहों का कब्जा हो गया है, वह कब्ज़ा अब बड़ी तेजी के साथ खत्म होता जा रहा है। हंगरी में 2010 के चुनाव में आर्बॉर्न की पार्टी फिदेस ने दो तिहाई बहुमत लोकतांत्रिक ढंग से चुनाव जीता था। चुनाव जीतने के बाद पिछले 15 सालों से वह शासन को एक तानाशाह की तरह संचालित कर रहे थे। उन्होंने न्याय पालिका की स्वतंत्रता और मीडिया को सरकारी नियंत्रण में लाकर खड़ा कर दिया था। संविधान और चुनाव के नियमों में लगातार परिवर्तन किए जाते रहे। एक तरह से सरकार जो चाहती थी, सभी संवैधानिक संस्थाओं को वही करना अनिवार्य हो गया था। पिछले 15 वर्षों में हंगरी में क्रॉनिव कैपिटलिज्म बड़ी तेजी के साथ बढा। भ्रष्टाचार भी तेजी के साथ बढ़ना शुरू हो गया।

हंगरी की सरकार ने विपक्ष को पूरी तरह से आपस में लड़ाकर उन्हें कमजोर कर दिया। जनता के ऊपर टेक्स एवं शुल्क बढ़ाकर आर्थिक बोझ बढ़ाया गया। सरकार और पूंजीपतियों को भारी कमाई होने लगी। सरकार में भ्रष्टचार एवं रिश्वतखोरी बड़ी तेजी के साथ बढ़ी, जिससे आम जनता पेरशान थी। विरोध करने पर लाठियों से पीटा जाता था। आम जनता पर मुकदमें थोपकर उन्हें परेशान किया जाने लगा। न्यायालयों से आम जनता को न्याय नहीं मिल रहा था। लोग डर और भय के मध्य जी रहे थे। वोटों के बंटवारे और समय-समय पर चुनाव आयोग के नियमों में परिवर्तन कराकर पिछले 16 साल से विक्टर आर्बन सत्ता में जमें हुए थे। इनके कार्यकाल में सबसे ज्यादा खराब हालत नागरिक अधिकारों की रही। मीडिया पूरी तरह से सरकारी नियंत्रण और प्रभाव में था। मीडिया में जनता की समस्याएं एवं समाचारों का अभाव हो गया। सरकार जो चाहती थी, वही मीडिया गुणगान करता था। आम जनता के विरोध प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगा दिया गया। विरोध प्रदर्शन पर भारी बल प्रयोग किया जाता था। सरकार के लिए अलग कानून और विपक्ष के लिए अलग कानून एवं नियम बना दिए गए। जिसके कारण पिछले कई वर्षों से सरकार के खिलाफ आम नागरिकों का गुस्सा बढ़ता ही जा रहा था।

एकाधिकार वाली इस शासन व्यवस्था के कारण हंगरी में महंगाई और बेरोजगारी बड़ी तेजी के साथ बढ़ी। स्वास्थ्य, शिक्षा तथा आम आदमी से जुड़ा हुआ बजट लगातार कम होता रहा। जिसके कारण वर्तमान सरकार का विरोध बढ़ता ही चला गया। मध्यम और युवा वर्ग सड़क पर उतर कर विरोध जताने लगा था। जिस तरह से प्रधानमंत्री विक्टर आर्बन सरकार का भय संवैधानिक संस्थाओं, मीडिया और आम जनता पर था। सरकार जिसके कारण स्थिति बड़ी तेजी के साथ खराब होने लगी थी, उसके खिलाफ इस चुनाव के पहले सभी विपक्षी दल एकजुट हो गए। उन्होंने एक जुटता के साथ प्रधानमंत्री आर्बन के खिलाफ चुनाव लड़ा। जनता नाराज थी। इस चुनाव में 78 फ़ीसदी मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग करते हुए दो तिहाई बहुमत के साथ विपक्ष को चुनाव जिता दिया।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

अंडमान सागर में मलेशिया जा रही नाव पलटी, 250 यात्री लापता

श्री विजयपुरम। अंडमान सागर में मलेशिया जा रही एक नाव के समुद्र में पलटने से कम से कम 250 लोग लापता हो गए हैं। लापता लोगों में म्यांमार के रोहिंग्या शरणार्थी और बांग्लादेशी नागरिक हैं। यह घटना एक बार फिर उन जोखिमों को उजागर करती है, जिन्हें बेहतर भविष्य की तलाश में मजबूर लोग हर साल उठाते हैं। इस घटना के बाद किसी खोज अभियान की स्थिति बुधवार तक स्पष्ट नहीं हो सकी और न ही यह पता है कि नौका कब डूबी। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र की शरणार्थी और प्रवासन एजेंसियों ने दी है । संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) और अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि यह नाव टेकनाफ से रवाना हुई थी, जो बांग्लादेश के दक्षिणी जिले कॉक्स बाजार में स्थित है और इसमें बड़ी संख्या में यात्री सवार थे जो मलेशिया जा रहे थे। एजेंसियों के मुताबिक ज्यादा भीड़, तेज हवाओं और उफनते समुद्र के कारण नाव का नियंत्रण बिगड़ गया और वह डूब गई। यूएनएचसीआर और आईओएम ने कहा कि यह घटना रोहिंग्या लोगों के लंबे समय से चले आ रहे विस्थापन और स्थायी समाधान के अभाव को दर्शाती है। उन्होंने बताया कि म्यांमार के रखाइन प्रांत में जारी हिंसा के कारण रोहिंग्या शरणार्थियों की देश में सुरक्षित वापसी अनिश्चित बनी हुई है।

जंग में ईरान को हुआ 270 अरब डॉलर का नुकसान, संयुक्त राष्ट्र में उठाई मुआवजे की मांग

जेनेवा। मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच ईरान ने बड़े पैमाने पर आर्थिक नुकसान का दावा करते हुए करीब 270 अरब डॉलर के मुआवजे की मांग की है। यह मांग संयुक्त राष्ट्र में उठाई गई, जहां ईरान के प्रतिनिधि ने आरोप लगाया कि हमलों में न केवल अमेरिका और इजराइल, बल्कि कुछ क्षेत्रीय देशों की भी भूमिका रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईरान सरकार की प्रवक्ता फातमेह मोहाजेरानी ने कहा कि 28 फरवरी से शुरू हुए संघर्ष के बाद देश को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया कि युद्ध के कारण बुनियादी ढांचे, व्यापार और तेल निर्यात पर गंभीर असर पड़ा है, जिससे नुकसान का आंकड़ा 270 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के दूत ने दावा किया कि पांच क्षेत्रीय देशों की जमीन का इस्तेमाल ईरान पर हमले करने के लिए किया गया। ऐसे में इन देशों को भी इस नुकसान की भरपाई करनी चाहिए। हालांकि, इन देशों के नाम सार्वजनिक रूप से नहीं बताए, जिससे क्षेत्र में कूटनीतिक तनाव और बढ़ सकता है। इस बीच ईरान ने मुआवजा वसूलने के लिए एक नया प्रस्ताव रखा है। इसके तहत होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले अंतरराष्ट्रीय जहाजों पर टैक्स लगाने की योजना है। यह जलडमरूमध्य वैश्विक तेल आपूर्ति का एक प्रमुख मार्ग है, इसलिए इस प्रस्ताव के लागू होने से अंतरराष्ट्रीय व्यापार और ऊर्जा बाजार पर व्यापक असर पड़ सकता है।

पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से झटका, तेलंगाना हाईकोर्ट की जमानत पर लगी रोक

एजेंसी। नई दिल्ली

असम सरकार की अपील पर सुनवाई

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने बुधवार को सुनवाई करते हुए तेलंगाना हाईकोर्ट द्वारा दी गई ट्रांजिट अग्रिम जमानत पर रोक लगा दी। यह मामला असम पुलिस द्वारा दर्ज मानहानि और जालसाजी के आरोपों से जुड़ा है। दरअसल, असम के मुख्यमंत्री हेमंता विस्व सरमा की पत्नी रिनीकी भुइयां शर्मा ने पवन खेड़ा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। खेड़ा पर आरोप है कि उन्होंने रिनीकी भुइयां के पास कई देशों के पासपोर्ट होने का दावा किया था, जिसे लेकर विवाद खड़ा हुआ। संभावित गिरफ्तारी से बचने के लिए पवन खेड़ा ने तेलंगाना हाईकोर्ट का रुख किया था, जहां से उन्हें एक सप्ताह की ट्रांजिट अग्रिम जमानत मिल गई थी। हालांकि, इस फैसले को असम सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, जिस पर अब शीर्ष अदालत ने रोक लगा दी है। मामले की सुनवाई जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस अतुल एस. चंदुरकर की पीठ ने की। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि यदि पवन खेड़ा असम के सक्षम न्यायालय में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन करते हैं, तो सुप्रीम कोर्ट के इस अंतरिम आदेश का उस पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

एआई केवल तकनीकी नहीं, मानव क्रांति है : उपराष्ट्रपति

एजेंसी। नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने बुधवार को कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) केवल एक तकनीकी क्रांति नहीं बल्कि एक "मानव क्रांति" है, जिसे अच्छे शासन और समावेशी समाज निर्माण के लिए जिम्मेदारी और दूरदृष्टि के साथ अपनाया जाना चाहिए। उपराष्ट्रपति भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) के 72वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उहोंने 'सुशासन के लिए एआई' विषय पर 5वां डॉ. राजेंद्र प्रसाद वार्षिक स्मृति व्याख्यान भी दिया। उन्होंने प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनका जीवन सादगी, ईमानदारी और सार्वजनिक सेवा के मूल्यों का प्रतीक था। उन्होंने कहा कि सच्चा शासन सत्ता नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम होता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि दुनिया आज एआई के युग में प्रवेश कर चुकी है, जहां मशीनें सीख रही हैं और सिस्टम सोचने लगे हैं। एआई सरकारों को नागरिकों की जरूरतों को बेहतर समझने और सेवाएं अधिक प्रभावी ढंग से प्रदान करने की क्षमता दे रहा है। उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में एआई महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। एआई से शासन अधिक तेज, पारदर्शी और जवाबदेह बन रहा है तथा योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में मदद मिल रही है। देश की प्रगति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश समावेशी शासन के लिए एआई का प्रभावी उपयोग कर रहा है। उन्होंने 'भाषिणी' जैसे एआई आधारित भाषा प्लेटफॉर्म का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे भाषाई बाधाएं दूर हो रही हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि टीबी स्क्रीनिंग, पोर्टेबल एक्स-रे और टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म 'ई-संजीवनी' के माध्यम से दूर-दराज क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच रही हैं। उन्होंने युवाओं से एआई और नई तकनीकों को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि एआई के उपयोग में नैतिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना आवश्यक है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि एआई का उपयोग समाज को अधिक न्यायपूर्ण, समावेशी और संवेदनशील बनाने के लिए किया जाना चाहिए। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री और आईआईपीए की कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र सिंह, आईआईपीए के महानिदेशक डॉ. सुरेंद्र कुमार बागडे, तथा विशिष्ट अतिथि, संकाय सदस्य और प्रतिभागी उपस्थित थे।

सांसद राघव चड्ढा को केंद्र से मिली जेड श्रेणी की सुरक्षा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आम आदमी पार्टी (आआपा) के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा को जेड श्रेणी की सुरक्षा देने का फैसला किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार खुफिया विभाग की जानकारी और उन्हें खतरे के आकलन के बाद यह फैसला लिया गया है। सूत्रों ने बताया कि राघव को दिल्ली और पंजाब में अर्धसैनिक बलों द्वारा सुरक्षा प्रदान की जाएगी। फिलहाल दिल्ली पुलिस को उनकी सुरक्षा का जिम्मा सौंपा गया है और बाद में केंद्रीय व्यवस्था उनकी सुरक्षा देखेगी। इससे पहले पंजाब की आआपा सरकार ने राघव चड्ढा को दी गई जेड प्लस सुरक्षा वापिस ले ली। वे पंजाब से ही राज्यसभा के सदस्य हैं। उल्लेखनीय है कि हाल ही में आआपा ने राघव चड्ढा को राज्यसभा में पार्टी के उपनेता पद से हटाकर उनके स्थान पर अशोक मित्तल को जिम्मेदारी दी। आआपा ने राज्यसभा सचिवालय को भी सूचित कर दिया था कि चड्ढा को अब पार्टी कोटे से बोलने का समय न दिया जाए।

धर्मांतरण पर प्रभावी रोक के लिए राष्ट्रव्यापी कानून जरूरी : विहिप

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने पढ़े-लिखे मुस्लिम युवक-युवतियों के माध्यम से टीसीएस जैसी अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियों तक फैले धर्मांतरण एवं लव जिहाद की लगातार आती खबरों पर चिंता व्यक्त करते हुए बुधवार को अवैध धर्मांतरण पर प्रभावी रोक के लिए एक राष्ट्रव्यापी कठोर कानून की मांग की। विहिप के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ सुरेंद्र जैन ने बुधवार को एक बयान में कहा कि टीसीएस नासिक में षड्यंत्र के उजागर होने के बाद पूरी दुनिया अचंभित है। उच्च पद पर एक मुसलमान के बैठते ही किस प्रकार वह अधिक संख्या में अपने मुस्लिम सहयोगियों को भर्ती कर लेता है और उसके बाद बीसियों हिंदू लड़के-लड़कियों को अपने षड्यंत्र का शिकार बनाता है। यह अत्यंत गंभीर एवं आश्चर्यजनक है। उनको मुस्लिम तौर-तरीका सिखाना, नमाज पढ़ने के लिए मजबूर करना, गौ मांस खिलाना और जबरन धर्मांतरण करना घोर आपत्तिजनक है। उन्होंने कहा कि विहिप बधाई देता है उन सात महिला पुलिसकर्मियों को जिन्होंने टीसीएस में ज्वाइन करके इस षड्यंत्र का पता लगाया और अधिक युवाओं को इस षड्यंत्र का शिकार होने से रोका।

शहरों को वित्तीय रूप से सक्षम बनाने को केंद्र ने जारी की अर्बन चैलेंज फंड की गाइडलाइंस

एजेंसी। नई दिल्ली

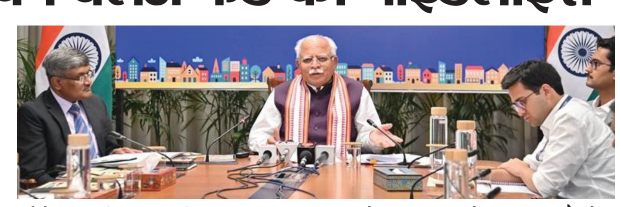

देश में तेजी से बढ़ते शहरीकरण और बुनियादी ढांचे की बढ़ती मांग को देखते हुए केंद्र सरकार ने शहरों को आत्मनिर्भर और वित्तीय रूप से सक्षम बनाने के लिए 'अर्बन चैलेंज फंड' (यूसीएफ) की गाइडलाइन्स की शुरुआत की। जो शहरों को पारंपरिक अनुदान आधारित मॉडल से बाहर निकाल कर उन्हें बाजार आधारित वित्त पोषण की दिशा में ले जाएगी, ताकि वे दीर्घकालिक रूप से टिकाऊ और विकास के नए केंद्र बन सकें। केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने बुधवार को राजधानी स्थित कर्तव्य भवन में इस फंड की गाइडलाइन्स और इसके अंतर्गत क्रेडिट रिपेमेंट गारंटी सब-स्कीम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, जिनमें प्रमुख सचिव श्रीनिवास कटिकिथाला और सचिव डी थारा सहित राज्यों के शहरी विकास विभागों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। मनोहर लाल ने कहा कि अर्बन चैलेंज फंड भारत के शहरी विकास दृष्टिकोण में बड़ा बदलाव है। यह केवल अनुदान देने की योजना नहीं है बल्कि सार्वजनिक धन का उपयोग कर बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित करने और शहरों को वित्तीय रूप से मजबूत बनाने का प्रयास है। देश के शहर आर्थिक विकास, नवाचार और रोजगार सृजन के इंजन बन रहे हैं और 'विकसित भारत 2047' की परिकल्पना तभी साकार होगी जब शहरों की योजना, वित्त और शासन प्रभावी ढंग से किया जाए। उन्होंने कहा कि अमृत, स्वच्छ भारत मिशन और स्मार्ट सिटीज मिशन जैसी पहल ने शहरी ढांचे को मजबूत किया है, लेकिन अब अगला चरण शहरों को निवेश आकर्षित करने योग्य और वित्तीय रूप से टिकाऊ बनाने का है।

तेल कंपनियों को हो रहा नुकसान, क्या चुनाव के बाद लोगों को लग सकता बढ़ी कीमत का झटका

नुकसान की भरपाई के लिए पेट्रोल 125 रुपये प्रति लीटर जा सकता

नई दिल्ली। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव के बीच भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर बड़ा झटका लगने की आशंका जाहिर की जा रही है। हालांकि देश में बीते चार वर्षों से ईंधन की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन इसका भारी वित्तीय दबाव सरकारी तेल कंपनियों पर पड़ रहा है। सरकारी कंपनियां जैसे इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) अप्रैल 2022 से पेट्रोल-डीजल की कीमतों को स्थिर रखे हुए हैं। जबकि भारत में ईंधन मूल्य निर्धारण को एक दशक पहले ही सरकारी नियंत्रण से मुक्त कर बाजार आधारित कर दिया गया था, इसके बावजूद इन कंपनियों ने उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए कीमतें नहीं बढ़ाईं। दूसरी ओर, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई थीं, फिर कुछ समय के लिए गिरकर लगभग 70 डॉलर तक आईं, और हाल ही में अमेरिका-इजराइल द्वारा ईरान पर हमलों के बाद फिर से करीब 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गईं। इस अस्थिरता का सीधा असर भारतीय तेल कंपनियों की लागत पर पड़ा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, कंपनियों को पेट्रोल पर करीब 18 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 35 रुपये प्रति लीटर तक का नुकसान हो रहा है। वैश्विक वित्तीय संस्था की रिपोर्ट के मुताबिक, यदि कच्चे तेल की कीमत 135 से 165 डॉलर प्रति बैरल के बीच रहती है, तब यह नुकसान और बढ़ सकता है। साथ ही, हर 10 डॉलर प्रति बैरल की वृद्धि से प्रति लीटर करीब 6 रुपये का अतिरिक्त घाटा जुड़ जाता है। वित्तीय नुकसान का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पिछले महीने ये कंपनियां रोजाना करीब 2,400 करोड़ रुपये का नुकसान उठा रही थीं। हालांकि मोदी सरकार द्वारा उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती के बाद यह घाटा घटकर करीब 1,600 करोड़ रुपये प्रतिदिन बचा है।

पंजाब के फतेहगढ़ साहिब में श्रद्धालुओं से भरी बस पलटी, छह की मौत और 15 घायल

फतेहगढ़ साहिब। पंजाब के फतेहगढ़ साहिब जिले में बैसाखी मेला देखकर लौट रहे श्रद्धालुओं के साथ एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। देर रात श्रद्धालुओं से भरी एक निजी बस अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकराने के बाद पलट गई। इस भीषण दुर्घटना में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि लगभग 15 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों में महिलाएं और छोटे बच्चे भी शामिल हैं, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, फतेहगढ़ साहिब क्षेत्र से करीब 40 श्रद्धालुओं का एक जत्था बैसाखी के पावन पर्व पर श्री आनंदपुर साहिब में मत्था टेकने और मेले में शामिल होने गया था। देर रात जब सभी लोग बस से वापस लौट रहे थे, तभी रास्ते में यह हादसा हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों और शुरुआती जांच के मुताबिक, चलती बस में अचानक कोई तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा। बेकाबू हुई बस सड़क किनारे लगे बिजली के एक खंभे से जा टकराई और पलट गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का एक हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और भीतर चीख-पुकार मच गई।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

खास खबर

रोहिणी की झुग्गियां में आग लगने से तीन की मौत

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। रोहिणी के बुध विहार में मंगलवार देर रात झुग्गियां में आग लगने से पति-पत्नी और उनकी दो साल की बच्ची की मौत हो गई। दमकल की छह गाड़ियों से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। जानकारी के मुताबिक, रोहिणी के बुध विहार इलाके में मंगलवार देर रात 1.25 मिनट पर एक कबाड़ का सामान रखे प्लॉट में बनी झुग्गियां में आग लगने की सूचना दिल्ली अग्निशमन सेवा विभाग को मिली। घटना स्थल पर छह दमकल गाड़ियां भेजी गईं। इस हादसे में पति-पत्नी और उनकी दो साल की बच्ची की मौत हो गई है। मृतकों की पहचान मुसीब

साध्वी निरंजन ज्योति को मिली धमकी

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वर्तमान में पिछड़ा वर्ग आयोग की अध्यक्ष साध्वी निरंजन ज्योति को बम से उड़ाने की धमकी मिली। उनके आधिकारिक ईमेल पर मिली धमकी में कार्यालय एवं आवास को निशाना बनाने की बात कही गई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक आज पूर्वाह्न सवा 11 बजे के समय साध्वी निरंजन ज्योति अपने कार्यालय में थीं। इसी दौरान उनके आधिकारिक ईमेल पर धमकी भरा संदेश प्राप्त हुआ। फिलहाल मामले की जांच जारी है। उल्लेखनीय है कि साध्वी ने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की अध्यक्ष के रूप में हाल ही में कार्यभार संभाला है। र (25), मुरार (23) और मोइमोना (2) के रूप में हुई है। आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रॉबर्ट वाड्रा को समन, 16 मई को कोर्ट में पेश होने का आदेश

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रॉबर्ट वाड्रा को बतौर आरोपित समन जारी किया है। स्पेशल जज सुशांत चंगोट्रा ने रॉबर्ड वाड्रा समेत 11 आरोपितों को 16 मई को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया। कोर्ट ने रॉबर्ड वाड्रा के अलावा सत्यानंद याजी, केवल सिंह विर्क, मेसर्स स्काई लाईट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स स्काई लाईट रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स स्काई लाईट रियल अर्थ इस्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स ब्लू ब्रीज ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स आर्टेक्स, मेसर्स नॉर्थ इंडिया आईटी पार्क्स प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स लंबोदर आर्ड एंटरप्राइजेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और मेसर्स एसजीवाई प्रोपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड को समन जारी करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने 4 अप्रैल को फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुनवाई के दौरान रॉबर्ट वाड्रा ने कहा था कि उसके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का कोई मामला नहीं बनता है। रॉबर्ट वाड्रा की ओर से पेश वकील ने कहा था कि ईडी की ओर से दाखिल चार्जशीट पर कोर्ट को संज्ञान नहीं लेना चाहिए। कोर्ट ने दो अगस्त, 2025 को वाड्रा समेत सभी आरोपितों को समन जारी किया था। 17 जुलाई 2025 को ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ हरियाणा के शिकोहपुर भूमि से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें वाड्रा और 10 अन्य लोगों के नाम हैं। उनकी कंपनी मेसर्स स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड का नाम भी शामिल है। ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा और उनकी कंपनी की 37.64 करोड़ की 43 संपत्तियों को मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में जब्त किया है। इस मामले की शुरुआत 2008 में हुई थी। गुरुग्राम के शिकोहपुर में जमीन का सौदा हुआ था। स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी ने साढ़े तीन एकड़ जमीन मात्र साढ़े सात करोड़ रुपये में खरीदी थी। वाड्रा इस कंपनी में डायरेक्टर थे। यह जमीन ओंकारेश्वर प्रोपर्टीज से खरीदी गई थी। इस जमीन का मालिकाना हक सिर्फ 24 घंटे में ही वाड्रा की कंपनी के नाम पर हो गया। स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी ने 2012 में वही जमीन डीएलएफ को 58 करोड़ रुपये में बेच दी। इससे कंपनी को बहुत ज्यादा मुनाफा हुआ। इस मामले में 2018 में एक एफआईआर दर्ज की गई थी।

राजस्थान पेपर लीक मामले में हनुमाना राम की जमानत याचिका खारिज

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने राजस्थान के चर्चित पेपर लीक मामले में आरएएस में चयनित हनुमाना राम की जमानत याचिका खारिज कर दी है। जस्टिस दीपांकर दत्ता की अध्यक्षता वाली बेंच ने जमानत याचिका खारिज करने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान राजस्थान सरकार ने कहा कि अगर ये आरएएस अधिकारी नियुक्त होता तो राज्य बेच देता। कोर्ट ने कहा कि आरोप काफी गंभीर हैं। सुनवाई के दौरान जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा कि हनुमाना राम का आचरण बेहद गंभीर है। उसने तीन लोगों के लिए डमी अभ्यर्थी बनकर परीक्षा दी। इसके अलावा उसने कई अन्य परीक्षाओं में भी प्रॉक्सी के तौर पर हिस्सा लिया। इनमें पुलिस सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा 2021 और पटवारी भर्ती परीक्षा 2021 शामिल हैं। आरोपित हनुमाना राम पढ़ाई में तेज माना जाता था। उसने आरएएस 2018 में 22वीं रैंक हासिल की थी और एक दूसरी परीक्षा में दूसरी रैंक भी लाई थी। सुनवाई के दौरान राजस्थान सरकार ने कहा कि आरोपित के ऐसे कृत्य से प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता पर सीधा असर पड़ता है। अगर जिम्मेदार पद पर चयनित व्यक्ति ही ऐसा करे तो ये पूरे सिस्टम के लिए खतरा बन जाता है। अगर वह आरएएस अधिकारी नियुक्त हुआ तो वह राज्य को बेच देता।

केजरीवाल ने जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा पर लगाए नये आरोपों पर हलफनामा दाखिल किया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 13 अप्रैल को अदालत में खुद दलीलें रखते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय की जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा पर लगाए गए आरोपों पर एक हलफनामा दाखिल किया है। दिल्ली उच्च न्यायालय में बुधवार को दाखिल हलफनामे में उन्होंने जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा के विरुद्ध आरोप दोहराते सुनवाई से हटने की मांग की है। केजरीवाल ने हलफनामा में कहा है कि जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा के दोनों बच्चे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के अधीन काम करते हैं। तुषार मेहता उनके बच्चों को केस देते हैं। केजरीवाल के हलफनामा में कहा गया है कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की तरफ से तुषार मेहता ही वकील हैं। ऐसे में जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा तुषार मेहता के खिलाफ कैसे आदेश देंगी। इसके पहले 13 अप्रैल को अरविंद केजरीवाल ने खुद दलीलें रखते हुए जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच पर

सवाल उठाते हुए सुनवाई से हटने की मांग की थी। केजरीवाल ने जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा को मामले की सुनवाई से खुद को अलग करने की मांग करते हुए कहा था कि जिस तरह से अब तक इस मामले में अदालती कार्यवाही हुई है, उससे उन्हें निष्पक्ष न्याय की उम्मीद नहीं दिख रही है। केजरीवाल की अर्जी में 10 ऐसी दलीलें दी गई थीं जो जांच एजेंसियों की कार्यप्रणाली और न्यायिक प्रक्रिया पर भी सवालिया निशान खड़ा करती हैं। केजरीवाल ने जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा पर अविश्वास जताते हुए कहा कि बिना पक्ष सुने सेशन कोर्ट के आदेश को गलत बताया। उन्होंने कहा था कि 9 मार्च को जब उच्च न्यायालय में पहली सुनवाई हुई, तो वहां 23 में से एक भी आरोपित मौजूद नहीं था। कोर्ट में सिर्फ सीबीआई मौजूद थी, लेकिन जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने पहली ही सुनवाई में बिना दूसरी पक्ष की दलीलें सुने यह कह दिया कि 'प्रथम दृष्टया' सेशंस कोर्ट का आदेश गलत लगता है। बिना रिकॉर्ड मंगवाए और बिना दलीलें सुने कोर्ट इस नतीजे पर कैसे पहुंच गया। केजरीवाल ने कहा था कि बिना अर्जी के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्यवाही पर रोक लगाई। उन्होंने कहा था कि 9 मार्च को सीबीआई की अपील पर सुनवाई हो रही थी, लेकिन जस्टिस शर्मा ने ईडी की कार्यवाही पर भी रोक लगा दी। आरोपितों के मुताबिक, न तो केंद्र सरकार ने और न ही ईडी ने इसके लिए कोई प्रार्थना की थी। कानूनन, यदि मुख्य केस में अपराध साबित नहीं होता, तो ईडी का केस अपने आप कमजोर हो जाता है। सेशं कोर्ट ने सीबीआई केस खत्म कर दिया था, जिससे ईडी का मामला भी खत्म होने वाला था, लेकिन जस्टिस शर्मा ने खुद से ही इस पर रोक लगा दी। केजरीवाल ने कहा था कि इस मामले को 'पूर्व निर्धारित षड्यंत्र' करार देते हुए सीबीआई के जांच अधिकारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही का आदेश दिया था। लेकिन जस्टिस शर्मा ने इस कार्यवाही पर भी रोक लगा दी, जबकि संबंधित अधिकारी ने इसके लिए कोई आवेदन ही नहीं किया था। केजरीवाल का कहना था कि यह 'अस्वाभाविक' सक्रियता शंका पैदा करती है। केजरीवाल ने कोर्ट की टाइमिंग पर भी सवाल उठाते हुए कहा था कि जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा आमतौर पर अन्य केसों में 3 से 7 महीने तक की तारीख देती हैं। लेकिन इस मामले में उन्होंने आरोपितों को जवाब दाखिल करने के लिए महज एक हफ्ते का समय दिया। 600 पन्नों के लंबे आदेश और सीबीआई की जटिल अपील का जवाब इतने कम समय में देना लगभग नामुमकिन है। केजरीवाल ने अपनी अर्जी में कहा है कि जब पिछले साल पांच आरोपितों ने जमानत के लिए अर्जी लगाई थी, तब जस्टिस शर्मा ने जमानत खारिज करते हुए बहुत कठोर टिप्पणी की थी। कानूनन, बेल की स्टेज पर किसी को दोषी नहीं ठहराया जाता, यह काम ट्रायल के बाद होता है लेकिन जस्टिस शर्मा ने अपने आदेश में उन्हें पहले ही 'दोषी' बता दिया, जो उनकी 'पूर्व-निर्धारित राय' को दर्शाता है। केजरीवाल ने अर्जी में कहा कि जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा द्वारा पारित किए गए इन सभी जमानत के आदेश को उच्चतम न्यायालय ने बाद में रद्द कर दिया था। न केवल आदेश रद्द हुए, बल्कि आरोपितों को जमानत भी मिली और उच्चतम न्यायालय ने जस्टिस शर्मा के रुख पर सख्त टिप्पणियां भी की। अर्जी में यह गंभीर आरोप भी लगाया गया है कि जस्टिस शर्मा सीबीआई और ईडी की दलीलों को अक्षरशः मान लेती हैं। यहां तक कि सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता द्वारा मौखिक रूप से कही गई बातों पर भी तुरंत आदेश पारित कर दिए जाते हैं। आरोपितों का कहना है कि एजेंसियों की हर मांग को मान लेने से न्याय की उम्मीद धूमिल हो जाती है। न्यायिक निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए केजरीवाल ने दावा किया कि जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा के दोनों बच्चे केंद्र सरकार के वकील हैं। वे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के अधीन काम करते हैं, जो इस मामले में सरकार और एजेंसियों का पक्ष रख रहे हैं। अर्जी में कहा गया है कि ऐसे पारिवारिक संबंधों के चलते जस्टिस शर्मा से निष्पक्ष सुनवाई की उम्मीद करना कठिन है। अर्जी में जस्टिस शर्मा के वैचारिक झुकाव पर भी उंगली उठाई। अर्जी में कहा गया है कि जस्टिस शर्मा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की वकीलों वाली शाखा 'अधिवक्ता परिषद' की कम से कम चार मीटिंग्स में हिस्सा ले चुकी हैं। चूंकि इस केस के आरोपित आरएसएस की विचारधारा के मुखर विरोधी हैं, इसलिए उन्हें डर है कि जस्टिस शर्मा के पूर्वाग्रह उनके फैसले को प्रभावित कर सकते हैं। अर्जी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के एक हालिया साक्षात्कार का भी जिक्र किया गया है। शाह ने कहा था कि केजरीवाल को उच्च न्यायालय के आदेश के विरुद्ध उच्चतम न्यायालय जाना पड़ेगा। आरोपितों का कहना है कि गृह मंत्री को उच्च न्यायालय का फैसला आने से पहले ही यह कैसे पता चल गया कि फैसला केजरीवाल के खिलाफ ही आएगा? उनका आरोप है कि यह सीधे तौर पर इस बात का संकेत है कि फैसला पहले से ही तय है।

डॉ. राजेंद्र पाल गौतम ने कहा- नई जातिगत जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही परिसीमन तथा ओबीसी व एससी-एसटी महिलाओं की हिस्सेदारी सुनिश्चित हो

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः कांग्रेस पार्टी ने मोदी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए कहा है कि नवीनतम जातिगत जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही परिसीमन और ओबीसी-एससी-एसटी वर्ग की महिलाओं की हिस्सेदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। नई दिल्ली स्थित कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए पार्टी के अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम और ओबीसी विभाग के अध्यक्ष अनिल जयहिंद ने कहा कि मोदी सरकार जातिगत जनगणना को ठंडे बस्ते में डालकर ओबीसी महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित रखने के लिए षड्यंत्र रच रही है। इस अवसर पर पार्टी की राष्ट्रीय सचिव सुभाषिनी यादव और जितेंद्र बघेल के अलावा कांग्रेस नेता चित्रा बाथम भी उपस्थित रही। अनिल जयहिंद ने कहा कि महिला आरक्षण अब चर्चा का विषय नहीं रह गया है, अब

बात सिर्फ इसके क्रियान्वयन की है। उन्होंने कहा कि सरकार 16 अप्रैल से संसद का विशेष सत्र बुला रही है, जिसमें महिला आरक्षण से जुड़े कुछ संशोधन लाए जाएंगे। जबकि 2023 में महिला आरक्षण बिल पारित होते समय यह कहा गया था कि पहले जातिगत जनगणना होगी, उसके बाद परिसीमन और फिर महिला आरक्षण लागू किया जाएगा। इंडिया गठबंधन ने 2024 से ही इसे लागू करने की मांग की थी, लेकिन सरकार नहीं मानी। अब यू-टर्न लेते हुए मोदी सरकार 2027 की जगह 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन और महिला आरक्षण लागू करने की जो बात कर रही है, वह देश को गुमराह करने जैसा है।उन्होंने सवाल उठाया कि अगर 2011 जनगणना के आधार पर ही परिसीमन और महिला आरक्षण लागू करना था तो पहले क्यों नहीं किया? उन्होंने कहा कि 2011 के बाद देश की डेमोग्राफी में अब बहुत बदलाव आ चुका है, ऐसे में पुराने आंकड़ों पर परिसीमन और महिला आरक्षण बेमानी होगा।

डॉ. गिरिजा व्यास को पहली पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलिः बहुआयामी प्रतिभा और समर्पण की मिसाल

लोकतंत्र की शान

डॉ. गिरिजा व्यास जी की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। वे दो स्वतंत्रता सेनानियों की पुत्री थीं और उन्हीं के आदर्शों पर चलने वाली थीं। अत्यंत दयालु, वंचितों के प्रति संवेदनशील और हम सभी के लिए एक उत्कृष्ट व स्नेहमयी शिक्षिका थीं। ऐसे लोग बहुत कम मिलते हैं जो इतने विभिन्न क्षेत्रों में समान रूप से कुशल हों। अमेरिका के एक विश्वविद्यालय में "धर्म" विषय पढ़ाते समय (जिसके लिए उन्हें सभी प्रमुख धर्मों का गहन अध्ययन करना पड़ा), उनकी प्रतिभा को श्रीमती इंदिरा गांधी ने पहचाना और उन्हें भारत बुलाया। राजस्थान कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष से लेकर उन्होंने कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया और हर पद पर जनहितकारी योजनाओं की शुरुआत की। वे महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष, तीन बार कैबिनेट मंत्री और कांग्रेस विचार विभाग की राष्ट्रीय अध्यक्ष रहीं। अपने हर मंत्रालय में उन्होंने आवश्यक और महत्वपूर्ण संशोधन लागू करवाए, जिनकी योजनाओं

को आज भी वर्तमान सरकार बदले हुए नामों से चला रही है। यह उनकी दूरदर्शिता और समस्याओं को पहचानकर प्रभावी समाधान निकालने की क्षमता का परिणाम था। वे "कांग्रेस संदेश" की संपादक भी रहीं। एक बहुमुखी प्रतिभा की धनी, वे "वर्ल्ड फिलॉसॉफिक कॉन्फ्रेंस" की अंतरराष्ट्रीय महासचिव और "सार्क महिला सांसद सम्मेलन" की पहली अध्यक्ष भी थीं। एक प्रसिद्ध और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित कवयित्री के रूप में उन्होंने उर्दू, हिंदी और अंग्रेज़ी में लेखन किया, साथ ही कुछ रचनाएं अरबी में भी लिखीं। उनके कई दीवान प्रकाशित हो चुके हैं। वे अत्यंत मानवीय, ईमानदार, समर्पित और सच्ची देशभक्त थीं। मैं स्वयं को भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे उनसे कई क्षेत्रों में बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला। उनकी कमी हम सभी को गहराई से महसूस होती है।

— जया शुक्ला

दिल्ली में "श्री बाबा नीब करौरी महाराज" की भव्य प्रेस कॉन्फ्रेंस, 24 अप्रैल को रिलीज होगी फिल्म

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः आध्यात्मिक और प्रेरणादायक फिल्म "श्री बाबा नीब करौरी महाराज" की प्रेस कॉन्फ्रेंस राजधानी दिल्ली के द मेट्रोपॉलिटन होटल, गोल मार्केट में आयोजित की गई। इस मौके पर फिल्म की स्टार कास्ट और निर्माताओं ने मीडिया से बातचीत करते हुए फिल्म के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य रूप से सुबोध भावे, समिक्षा भटनागर, वर्षा मणिकचंद, अनिरुद्ध दवे और हितेन तेजवानी मौजूद रहे। सभी कलाकारों ने फिल्म में अपने किरदारों और अनुभवों को साझा किया। फिल्म "श्री बाबा नीब करौरी महाराज"

एक आध्यात्मिक यात्रा को बड़े पर्दे पर जीवंत करने का प्रयास है, जिसमें महान संत के जीवन, उनके चमत्कारों और उनके उपदेशों को दर्शाया गया है। फिल्म का निर्देशन शरद सिंह ठाकुर ने किया है। फिल्म में सुबोध भावे मुख्य भूमिका में श्री बाबा नीब करौरी महाराज के रूप में नजर आएंगे। समिक्षा भटनागर सिद्धि मां, वर्षा मणिकचंद भक्ति मां और अनिरुद्ध दवे जीवन दादा (बाबा जी के सेवक) की भूमिका निभा रहे हैं। हितेन तेजवानी भी फिल्म में अहम किरदार में दिखाई देंगे। इसके अलावा फिल्म में राजेश शर्मा, मिलिंद गुणाजी, हेमंत पांडे, मोहित गुप्ता, महेश शेट्टी, हार्दिक कौर, स्मिता तांबे, गरिमा अग्रवाल, आरती नागपाल, गौरीशंकर सिंह, शैलेंद्र गौर, शांतनु और श्यामलाल जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।फिल्म का निर्माण बलराम गर्ग, बलवीर सिंह, शरद सिंह ठाकुर, खड़क सिंह गौर और नीलम सिंह द्वारा किया गया है। यह फिल्म अनीशा फिल्म्स इंटरनेशनल के बैनर तले , पीसी ज्वेलर, बीएसआर फिल्म प्रोडक्शंस और एडवांस टेक्नोलॉजी के सहयोग से बनाई गई है, जबकि फर्स्ट फिल्म स्टूडियो इसके ऑल इंडिया डिस्ट्रीब्यूशन का जिम्मा संभाल रहा है। फिल्म की टीम के अनुसार, यह फिल्म दर्शकों को भक्ति, आस्था और आध्यात्मिकता से जुड़ी एक गहन और प्रेरणादायक यात्रा पर ले जाएगी। अपने सशक्त अभिनय और प्रभावशाली कहानी के साथ यह फिल्म सभी वर्गों के दर्शकों को जोड़ने का वादा करती है। "श्री बाबा नीब करौरी महाराज" फिल्म 24 अप्रैल 2026 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

एलपीजी, पीएनजी की सौ फीसदी आपूर्ति सुनिश्चित की गयी : सुजाता शर्मा

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण उत्पन्न ऊर्जा व्यवधानों के बीच केंद्र सरकार ने बुधवार को कहा कि घरेलू उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए उन्हें पाइप से आपूर्ति की जाने वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) और द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की 100 फीसदी आपूर्ति सुनिश्चित की गई। उन्होंने कहा कि देश में पेट्रोल पंपों के पास ईंधन के पर्याप्त स्टॉक मौजूद हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव (विपणन एवं तेल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने अंतर मंत्रालयी पत्रकार वार्ता में कहा कि ऊर्जा परिदृश्य को स्थिर करने और आवश्यक सेवाओं को बनाए रखने के लिए कई प्रभावी उपाय लागू किए हैं। पश्चिम एशिया संकट ने भारत की ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित किया, लेकिन भारत सरकार ने समय

पर उठाए गए कदमों के माध्यम से घरेलू आपूर्ति को बिना किसी रुकावट के जारी रखना सुनिश्चित किया। उन्होंने कहा कि घरेलू पीएनजी और एलपीजी उपभोक्ताओं को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दी गई है और 100 फीसदी की आपूर्ति निरंतरता बनाए रखी गई। शर्मा ने कहा कि परिवहन के लिए सीएनजी आपूर्ति भी जारी रखी गई। घरेलू रिफाइनरियों में एलपीजी उत्पादन बढ़ाया गया है। बुकिंग अंतराल को शहरी इलाकों में 25 दिन और ग्रामीण इलाकों में 45 दिन कर दिया गया है। व्यावसायिक एलपीजी आपूर्ति 70 फीसदी तक बहाल कर दी गई है, जिसमें अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों और फार्मा, स्टील, ऑटोमोबाइल, बीज और कृषि जैसे प्रमुख क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है। इसके साथ ही 5 किलोग्राम वाले सिलेंडरों की उपलब्धता दोगुनी की गई और मिट्टी का तेल एवं कोयला जैसे वैकल्पिक ईंधन भी उपलब्ध कराए गए। एलपीजी की आपूर्ति स्थिर बनी हुई है और किसी भी वितरक के पास कमी की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। ऑनलाइन बुकिंग 98 फीसदी पर मजबूत बनी हुई है और 93 फीसदी डिलीवरी प्रमाणीकरण-आधारित प्रणालियों के माध्यम से पूरी की जा रही हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि कल प्रधानमंत्री को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का फोन आया। दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका द्विपक्षीय सहयोग के तहत हुई महत्वपूर्ण प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष सहयोग के सभी क्षेत्रों में एक व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मज़बूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी चर्चा की और होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला और सुरक्षित रखने के महत्व पर जोर दिया। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने कहा कि खाड़ी क्षेत्र में मौजूद सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। पिछले 24 घंटों में भारतीय ध्वज वाले जहाजों से जुड़ी किसी भी घटना की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। डीजी शिपिंग के कंट्रोल रूम ने अब तक 6,449 कॉल और 13,343 से ज्यादा ईमेल संभाले हैं, जिनमें पिछले 24 घंटों के दौरान आए 157 कॉल और 215 ईमेल भी शामिल हैं। मंत्रालय ने डीजी शिपिंग के माध्यम से 2,337 भारतीय नाविकों की सुरक्षित वतन वापसी में मदद की है, जिनमें पिछले 24 घंटों में लौटे 75 नाविक भी शामिल हैं। इसके अलावा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव और विकास आयुक्त डॉ. रजनीश ने कहा कि फरवरी-मार्च में उद्यम पोर्टल पर 20 लाख से ज़्यादा नए एमएसएमई रजिस्टर हुए, जिससे कुल रजिस्टर्ड यूनिट्स की संख्या 8 करोड़ से ज़्यादा हो गई। क्रेडिट सपोर्ट मज़बूत बना हुआ है। उन्होंने कहा कि एमएसएमई को दिया गया बकाया लोन 36.7 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है और तिमाही क्रेडिट ग्रोथ 23.5 फीसदी रही। माइक्रो और छोटे उद्यमों के लिए बिना किसी गारंटी के लोन देने की सीमा 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दी गई है। यह नियम एक अप्रैल 2026 से लागू होगा। डॉ. रजनीश ने कहा कि क्रेडिट गारंटी सपोर्ट भी मजबूत बना रहा। फरवरी-मार्च में 92,000 करोड़ रुपये की 5.27 लाख से ज्यादा गारंटी दी गईं। लिक्विडिटी सपोर्ट के मामले में टी-रीडीएस प्लेटफॉर्म पर इनवॉइस डिस्काउंटिंग में काफ़ी बढ़ोतरी देखी गई है। यह 2022 में 4,300 करोड़ रुपये से बढ़कर अब 7 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है, जिसमें अकेले फरवरी-मार्च में 85,000 करोड़ रुपये शामिल हैं।

उपराज्यपाल ने एनडीएमसी अध्यक्ष संग प्रगति कार्यों की समीक्षा की

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने बुधवार को नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के अध्यक्ष केशव चंद्रा के साथ एक बैठक की। इस समीक्षा बैठक में राजधानी के प्रमुख कार्यों, नागरिक-केंद्रित सेवाओं में सुधार और वैश्विक मानकों को अपनाने की प्रगति पर चर्चा की गई। उपराज्यपाल ने एनडीएमसी को एक ऐसी संस्था बताया जो राजधानी के मूल प्रबंधन के लिए जिम्मेदार है और उसे बेहतर सेवाएं देने का निर्देश दिया। शहरी स्थानीय निकाय के रूप में जिसे राजधानी के मुख्य भाग का प्रबंधन सौंपा गया है, एनडीएमसी उन सेवाओं को प्रदान करने की जिम्मेदारी लेता है जो न केवल कुशल और नागरिक-केंद्रित हैं बल्कि वैश्विक मानकों और सर्वोत्तम प्रथाओं के मॉडल के रूप में भी अनुकरणीय हैं। इस बैठक में केंद्रित कार्रवाई के लिए कई प्रमुख क्षेत्रों पर प्रकाश डाला गया। कुशल अपशिष्ट प्रबंधन के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने की खोज करना, खान मार्केट और कनॉट प्लेस जैसे उच्च पैदल यात्री क्षेत्रों में पैदल यात्री-अनुकूल समाधान विकसित करना, एनडीएमसी निवासियों के वित्तीय बोझ को कम करने के लिए बिजली दरों को तर्कसंगत बनाने के उपायों की जांच करना और सहयोगात्मक दृष्टिकोण के माध्यम से शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने में वाणिज्य मंडलों, नागरिक समाज और स्वैच्छिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करना उपराज्यपाल ने बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि प्रभावी कचरा प्रबंधन, समय पर सड़क की मरम्मत, धूल शमन और नागरिकों और मीडिया द्वारा उठाए गए मुद्दों के त्वरित समाधान को निरंतर प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

स्मार्ट मीटर का विरोध, महिलाओं ने किया रोड जाम, पुलिस के आश्वासन पर हुई शांत

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुर : बुधवार को नगर में स्मार्ट मीटर को लेकर महिलाओं का गुस्सा भड़क गया गुस्साई महिलाओं ने सबसे पहले हसनपुर नगर के बिजली घर पर पहुंचकर स्मार्ट मीटर का विरोध जताते हुए जमकर प्रदर्शन किया उसके बाद हसनपुर गजरौला मार्ग पर पहुंचकर रोड जाम कर दिया, जिससे दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारे लग गई, प्रदर्शनकारी महिलाओं का कहना है कि जब से स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं तब से बिजली के बिलों में बेहताशा वृद्धि हुई है महिलाओं ने बताया कि पहले की तुलना में अत्यधिक कई गुना बिल बढ़कर आ रहा है जबकि बिजली की खपत में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है, वही बढ़ती महंगाई के बीच बिजली के इन भारी भरकम बिलों का भुगतान सम्भव नही है,जाम की सूचना पर पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंच गया कोतवाल राजेश कुमार तिवारी, वरिष्ठ उप निरीक्षक अमित कुमार, कस्बा इंचार्ज अंकुर मलिक, महिला उप निरीक्षक नेहा नेहरा ने मौके पर पहुंचकर महिलाओं को समझजा कर शांत कराया इसके बाद महिलाएं शांत हुई और यातायात बाहाल हो गया, प्रदर्शन करने वाली महिलाओं में मुख्य रूप से आसमा, प्रीति देवी, मूर्ति देवी, गेंदा देवी, कलवा प्रजापति आदि सहित भारी संख्या में महिलाएं मौजूद रही, महिलाओं ने चेतावनी दिए कि यदि जल्दी सुधार नहीं किया गया तो बड़ा आंदोलन होगा, वहीं विद्युत उपखंड अधिकारी ने कहा कि जांच कराई जाएगी और नियम अनुसार समाधान किया जाएगा, बताते चलेगी इस बार तो पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में कर लिया लेकिन स्मार्ट मीटर को लेकर जनता में भारी रोष पनप रहा है ऐसा ना हो कि जल्द ही एक बड़ा आंदोलन स्मार्ट मीटर के खिलाफ खड़ा हो जाए और सरकार को उसका खामियजा भुगतना पड़े ।

मिशन शक्ति 5.0 अभियान के दूसरे चरण में बच्चों को किया गया जागरूक

लोकतंत्र की शान : सैय्यद कुमैल ज़ैदी , संभल। जनपद में चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत थाना नखासा क्षेत्र के मौहल्ला रुकंदी सराय स्थित प्राथमिक विद्यालय नखासा में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को विभिन्न आवश्यक हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई तथा विशेष रूप से छोटी बच्चियों को 'गुड टच' और 'बैड टच' के बारे में विस्तार से समझाया गया। इस अवसर पर पुलिस टीम द्वारा बच्चों को महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई, ताकि वे आवश्यकता पड़ने पर उनका लाभ उठा सकें। साथ ही हेल्पलाइन नंबर 1076, 112, 1090, 1930 तथा एमएसके (आंतरिक संपर्क) नंबर के बारे में अवगत कराते हुए बताया गया कि किसी भी आपात स्थिति में इन नंबरों का तुरंत उपयोग करें। कार्यक्रम में मिशन शक्ति प्रभारी राखी सिंह के नेतृत्व में महिला आरक्षी नीतू, प्रियंका एवं शैली थाना नखासा की टीम मौजूद रही। इस दौरान थाना नखासा प्रभारी संजिव बालियान के निर्देशन में कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया, जिसमें पुलिस टीम ने बच्चों को जागरूक करते हुए सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। स्थानीय लोगों एवं विद्यालय स्टाफ ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम समाज में सुरक्षा के प्रति सकारात्मक संदेश देते हैं।

वार्ड संख्या 24 रायसत्ती में सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण, चेयरमैन पति चौधरी मुशीर अली खान की सराहना

लोकतंत्र की शान : सैय्यद कुमैल ज़ैदी ,संभल। नगर पालिका परिषद संभल के वार्ड संख्या 24 रायसत्ती में चल रहे सड़क निर्माण कार्य का आज औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान नगर पालिका चेयरमैन पति चौधरी मुशीर अली खान, सदस्य परवेज़ मोहम्मद परवेज़, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के ज़िलाध्यक्ष असद अब्दुल्लाह एवं नगर अध्यक्ष मोहम्मद मेहरान नौशाही सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रवासियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना गया तथा संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। स्थानीय लोगों ने भी सड़क निर्माण कार्य पर संतोष व्यक्त किया और उम्मीद जताई कि इससे क्षेत्र में आवागमन की सुविधा बेहतर होगी। इस अवसर पर वरिष्ठ ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन नेता ने चेयरमैन पति चौधरी मुशीर अली खान की कार्यशैली और जनहित के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि चौधरी मुशीर अली खान हमेशा क्षेत्र के विकास और जनता की समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर रहते हैं। उनके प्रयासों से नगर में लगातार विकास कार्यों को गति मिल रही है, जो सराहनीय है। अंत में सभी जनप्रतिनिधियों ने भरोसा दिलाया कि क्षेत्र के विकास में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी और जनता की हर समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा

कॉलेज की दोस्ती बनी मिसाल, उरूज आलम के घर पहुंचे पूर्व मंत्री अब्दुल मन्नान

लोकतंत्र की शान : संभल/सिरसी। नगर के पूर्व चेयरमैन चौधरी मोहम्मद उरूज आलम के आवास पर आज उत्तर प्रदेश के हरदोई जनपद से आए पूर्व मंत्री अब्दुल मन्नान का आत्मीय आगमन हुआ। यह मुलाकात किसी औपचारिक कार्यक्रम का हिस्सा नहीं थी, बल्कि वर्षों पुराने पारिवारिक संबंधों और कॉलेज के दिनों से चली आ रही गहरी दोस्ती की एक खूबसूरत झलक थी। पूर्व मंत्री अब्दुल मन्नान और चौधरी मोहम्मद उरूज आलम के बीच रिश्ते केवल पहचान तक सीमित नहीं, बल्कि पारिवारिक नज़दीकियों और भरोसे पर आधारित हैं। दोनों की मुलाकात के दौरान पुराने दिनों की यादें ताजा हुईं और आपसी अपनत्व साफ नजर आया। यह स्पष्ट दिखा कि समय बीतने के बावजूद उनके रिश्तों की गर्मजोशी में कोई कमी नहीं आई है। इस दौरान समाजसेवी एवं पूर्व चेयरमैन मार्केटिंग संभल चौधरी सैयद मोहम्मद फैज़ान अली नक़वी भी मौजूद रहे। उन्होंने इस मुलाकात को रिश्तों की मजबूती का प्रतीक बताते हुए कहा कि आज के दौर में भी ऐसी सच्ची दोस्ती और पारिवारिक संबंध समाज के लिए प्रेरणा हैं। चौधरी मोहम्मद उरूज आलम की मेहमाननवाजी, सादगी और सभी के प्रति सम्मानजनक व्यवहार की उपस्थित लोगों ने जमकर सराहना की। वहीं, पूर्व मंत्री अब्दुल मन्नान की विनम्रता और मिलनसार स्वभाव ने माहौल को और भी आत्मीय बना दिया। पूरी मुलाकात के दौरान यह साफ झलकता रहा कि यह रिश्ता केवल राजनीतिक या सामाजिक नहीं, बल्कि दिलों से जुड़ा हुआ एक मजबूत पारिवारिक संबंध है, जो वर्षों से उसी अपनत्व और विश्वास के साथ कायम है।

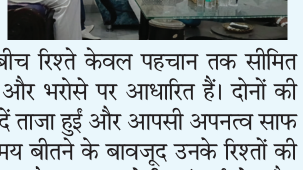

कुर्सी रोड महायोजना को लेकर केन्द्रीय रक्षामंत्री से मिलेंगे व्यापारी

महायोजना के पुर्नविंचार को लेकर एकजुट हुये व्यापारी

लोकतंत्र की शान, स्टेट व्यूरो अवनीत कुमार शर्मा

लखनऊ। कुर्सी रोड के व्यापारियों, उद्यमियों, शिक्षण संस्थानों व धार्मिक स्थलों के प्रतिनिधियों एवं भवन स्वामियों ने आज यहां बैठक कर कुर्सी रोड महायोजना-2031 के पुर्नविंचार की मांग को लेकर केन्द्रीय रक्षामंत्री व शहर के सांसद श्री राजनाथ सिंह से मुलाकात करने का निर्णय लिया है। इसके लिये मुलाकात करने के लिये अतिशीघ्र प्रतिनिधि मण्डल का गठन किया जायेगा। आज यहां कुर्सी रोड स्थित एसएस गैरण्ड होटल में हुयी बैठक में अंजनी कुमार पांडे, राष्ट्रीय अध्यक्ष, संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल, ऋषि त्रिवेदी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखंड आर्यावर्त आर्य महासभा कमलेश यादव, राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्रमिक जनशक्ति किसान यूनियन, , चन्द्रमौलि शुक्ला, पंकज तिवारी, अध्यक्ष जनविकास महासभा सहित उद्यमियों आराधना कुमार, मोहम्मद सलीम सहित काफी संख्या व्यापारी, शिक्षण संस्थानों, धार्मिक स्थलों के प्रतिनिधि व भवन स्वामी मौजूद थे। बैठक में कुर्सीरोड महायोजना-2031 को हजारों लोगों की रोजी-रोटी छिनने वाला बताते हुये कहा गया कि इस महायोजना-2031 को हर हाल में रोकने के लिये हर संभव प्रयास किये जायेगें और इसके लिये व्यापारियों व उद्यमियों का एक प्रतिनिधि मण्डल लखनऊ या दिल्ली स्थित आवास पर केन्द्रीय रक्षामंत्री एवं लखनऊ के सांसद श्री राजनाथ सिंह से मुलाकात इस मामले हस्तक्षेप की मांग करेंगे। मालूम हो कि इस महायोजना के अन्तर्गत कुर्सी रोड के चौड़ीकरण के अन्तर्गत टेढ़ी पुलिया से सिकन्दरपुर चौराहे तक 45 मीटर, सिकन्दरपुर चौराहे से कॉरपोरेशन बैंक, मिश्रपुर तक 80 मीटर और कॉरपोरेशन बैंक से बसहा तक 150 मीटर तथा बसहा से बेहटा तक 100 मीटर रोड चौड़ी करने का प्रस्ताव है, जिसके लागू होने से हजारों व्यापारी, गृह स्वामी, मल्टी स्टोरी, होटल, छात्रावास, धार्मिक स्थल पूर्णतः ध्वस्त होने की कगार पर है, जिससे लोगों की न सिर्फ पूरे जीवन की कमाई दांव पर लगी है बल्कि हजारों परिवारों के सामने जीवनयापन पर संकट खड़ा हो जाएगा संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंजनी कुमार पांडे ने कहा पूर्व में भी व्यापारियों की समस्याओं को डिप्टी सीएम बृजेश पाठक व प्रमुख सचिव ग्रह को लिखित में अवगत कराया जा चुका है

रामपुर में 18 अप्रैल को होगा ऑल इंडिया मुशायरा 'याद-ए-ताहिर फ़राज', किला मैदान में सजेगी शायरी की महफिल

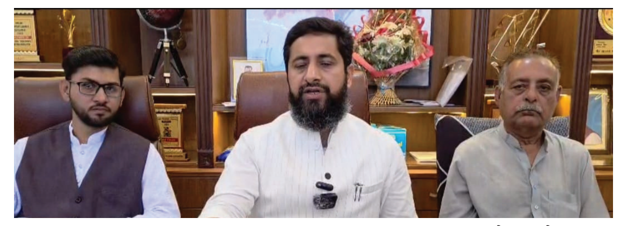

लोकतंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर। शहर में अदब और शायरी को समर्पित ऑल इंडिया मुशायरा 'याद-ए-ताहिर फ़राज' का आयोजन आगामी 18 अप्रैल 2026 को किला मैदान, रामपुर में किया जाएगा। इस भव्य मुशायरे की जानकारी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से दी गई। प्रेस कॉन्फ्रेंस में आयोजनकर्ता फैसल खान लाला ने बताया कि यह मुशायरा तालीम तरबियत वेलफेयर सोसाइटी के तत्वाधान में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम मशहूर शायर ताहिर फ़राज की याद में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देशभर से नामचीन शायर और कवि हिस्सा लेंगे। फैसल लाला ने बताया कि रामपुर हमेशा से अदब और शायरी की सरजमीं रहा है और इस आयोजन के जरिए रामपुर की सांस्कृतिक पहचान को और मजबूत किया जाएगा। उन्होंने शहरवासियों से अपील की कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस शायरी की महफिल को सफल बनाएं। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम में शायरी प्रेमियों के लिए बेहतरीन इंतजाम किए जाएंगे और यह मुशायरा रामपुर के इतिहास में एक यादगार आयोजन साबित होगा।

स्थानः किला मैदान, रामपुर
तारीखः 18 अप्रैल 2026
आयोजनः तालीम तरबियत वेलफेयर सोसाइटी
आयोजकः फैसल खान लाला (प्रबंधक)

महमूदाबादः डिग्री कॉलेज के पास मैदान में मिला नवजात का शव, इलाके में सनसनी

लोकतंत्र की शान,महमूदाबाद से अब्दुल्लाह खान ब्यूरो चीफ

तहसील क्षेत्र के मोहल्ला बीबीपुर में मंगलवार देर रात एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहाँ एक डिग्री कॉलेज के पास स्थित मैदान में एक नवजात शिशु का शव मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुँची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

घटना का विवरण- ग्रामीणों के अनुसार, मृत नवजात की उम्र करीब 15 दिन बताई जा रही है। शव की स्थिति अत्यंत दयनीय थी; उसके दोनों पैर बुरी तरह क्षत-विक्षत पाए गए हैं। आशंका जताई जा रही है कि मैदान में पड़े होने के कारण किसी जंगली जानवर ने नवजात के पैरों को अपना निवाला बनाया होगा।

पुलिस की कार्रवाई मामले की गंभीरता को देखते हुए इंस्पेक्टर अनिल सिंह ने बताया किः घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस आसपास के CCTV फुटेज खंगालने की योजना बना रही है ताकि यह पता चल सके कि शव वहां किसने और कब फेंका। "पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों और समय का स्पष्ट पता चल सकेगा। पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है।" — अनिल सिंह, इंस्पेक्टर

क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म- नवजात का शव मिलने के बाद से स्थानीय लोगों में गहरा रोष और दुख है। लोग इस बात को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं कर रहे हैं कि आखिर किन परिस्थितियों में एक मासूम को इस तरह लावारिस छोड़ दिया गया। पुलिस टीम अब यह पता लगाने में जुटी है कि हाल के दिनों में किन अस्पतालों या घरों में नवजात का जन्म हुआ था, ताकि दोषियों तक पहुँचा जा सके।

राहुल गांधी के सपनों को ले डूबेगी सांसद बनाम संगठन गुटबाजी

लोकतंत्र की शान, अब्दुल्लाह खान ब्यूरो चीफ

सीतापुर (उत्तर प्रदेश)ः खबर के अनुसार, सीतापुर में कांग्रेस पार्टी दो गुटों में बंटी नजर आ रही है एक तरफ सांसद का गुट है और दूसरी तरफ संगठन। यह गुटबाजी इतनी गहरी है कि सांसद और संगठन के पदाधिकारी एक मंच साझा करने से भी कतरा रहे हैं। 34 सालों का सूखा और वर्तमान स्थितिः बताया गया है कि करीब 34 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद कांग्रेस ने पिछले चुनाव में जीत दर्ज की थी। पार्टी को आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए मजबूत करने की जिम्मेदारी दी गई थी, लेकिन आंतरिक खींचतान ने राहुल गांधी के प्रयासों पर पानी फेरना शुरू कर दिया है।

होर्डिंग्स से गायब नेताः हाल ही में हरगांव में आयोजित 'संविधान बचाओ' कार्यक्रम में यह विवाद खुलकर सामने आया। कार्यक्रम की होर्डिंग्स से जिलाध्यक्ष की फोटो नदारद थी, जिसे लेकर काफी चर्चा रही। उम्मीदवारों की घोषणा पर विवादः आरोप है कि सांसद ने संगठन को भरोसे में लिए बिना ही आगामी विधानसभा सीटों के लिए अपने स्तर पर 'प्रभारी' या 'प्रत्याशी' घोषित करना शुरू कर दिया है, जिससे पार्टी के पुराने कार्यकर्ताओं और संगठन के पदाधिकारियों में नाराजगी है।

प्रमुख बयानः ममता वर्मा (जिलाध्यक्ष, कांग्रेस): "हम सभी कांग्रेस को मजबूत करने का काम कर रहे हैं, लेकिन पार्टी में कुछ लोग दूसरी विचारधारा के साथ शामिल हो गए हैं जिससे माहौल खराब हो रहा है। हम केवल राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देशों का पालन कर रहे हैं।" अजय राय (अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी): इन्होंने एकता का संदेश देते हुए कहा कि सांसद और जिलाध्यक्ष समेत सभी कार्यकर्ता एक परिवार के सदस्य हैं और सभी कांग्रेस को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। लेख में चेतावनी दी गई है कि यदि कांग्रेस ने समय रहते इस 'सांसद बनाम संगठन' की जंग को नहीं सुलझाया, तो 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है और वह जिले में हाशिये पर जा सकती है पार्टी के एक नेता ने नाम ना छापने की शर्त पर बताया की कांग्रेस जिला अध्यक्ष को भी सांसद ने बनवाया था, जबकि सांसद राकेश राठौर का कथन ये है की पार्टी को विधानसभा चुनाव मे कम वोट दिलाने वाले किसी भी चेहरे को अबकी प्रतियाशी नहीं बनाया जाएगा ना ही किसी को संगठन मे सुस्त और चापलूस टाईप आदमी को रखा जाएगा आगे पार्टी अपने दम पर मज़बूत चुनाव लड़ेगी और जनपद मे मज़बूत संगठन भी होगा राकेश राठौर सांसद सीतापुर

अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस पर शहीदों को नमन, नगर में निकाली गई जागरूकता रैली

» 1944 मुंबई अग्निकांड के 66 वीर अग्निशमन कर्मियों को श्रद्धांजलि, लोगों को आग से बचाव के उपाय बताए गए

लोकतंत्र की शान, खिज़्र अहमद

नजीबाबाद। 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक मनाए जा रहे अग्निशमन सेवा सप्ताह के अंतर्गत अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस के अवसर पर फायर स्टेशन नजीबाबाद में शहीद अग्निशमन कर्मियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान वर्ष 1944 में मुंबई बंदरगाह पर हुए भीषण अग्निकांड में शहीद हुए 66 अग्निशमन कर्मियों को याद करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी जनपद बिजनौर राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम के अंतर्गत नगर में एक जागरूकता रैली भी निकाली गई। प्रभारी अग्निशमन केंद्र नजीबाबाद के एस सिंह जादौन के नेतृत्व में फायर स्टेशन परिसर में परेड का आयोजन किया गया, जिसमें सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। रैली महावतपुर बिल्लौच, सब्जी मंडी, मालगोदाम तिराहा, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, पुलिस चौकी, विशाल मेगामार्ट, आजाद चौक, तीनकक्षीय न्यायालय तिराहा, मालन नदी, टैम्पू स्टैंड, कृष्णा टाकिज चौराहा, सीकेआई चौराहा होते हुए नगीना-बुंदकी रोड तक पहुंची। इस दौरान अग्निशमन विभाग की टीम ने आमजन को पंपलेट वितरित कर आग से बचाव के उपायों की जानकारी दी। साथ ही आग लगने की स्थिति में सतर्कता बरतने और तुरंत फायर सर्विस को सूचना देने की अपील की गई। लोगों को यह भी जागरूक किया गया कि आपातकालीन स्थिति में फायर ब्रिगेड के वाहनों को तुरंत रास्ता उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में बिजेन्द्र कुमार, सुधीर कुमार, संजीव, दीपक कुमार, राजू सागर, नीरज कुमार, राकेश राणा, नदीम, रोहताश, हिमांशु, अंकित, राहुल शर्मा, विजय कुमार एवं अमरनाथ सहित समस्त फायर स्टेशन स्टाफ उपस्थित रहा। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष अग्निशमन सेवा सप्ताह की थीम "सुरक्षित विद्यालय, सुरक्षित अस्पताल एवं अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक समाज" रखी गई है, जिसका उद्देश्य आमजन को आग से बचाव के प्रति जागरूक करना और सुरक्षा के प्रति जिम्मेदार बनाना है।

टाटा संस के चेयरमैन ने सीएम योगी के साथ किए गुरु गोरखनाथ के दर्शन

लोकतंत्र की शान

गोरखपुर। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ गुरु गोरखनाथ मंदिर में शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ के दर्शन किए। गोरखनाथ मंदिर आगमन पर गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दर्शन-पूजन कराने के बाद एन. चंद्रशेखरन को मंदिर परिसर का भ्रमण कराया और नाथपंथ तथा इसके महान संतों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में स्थापित पूर्वी उत्तर प्रदेश के पहले सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के लोकार्पण समारोह में शामिल होने गोरखपुर आए टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन बुधवार दोपहर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ गोरखनाथ मंदिर पहुंचे। उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ का दर्शन और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि विधान से पूजन किया। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ ने उन्हें शिवगोरक्ष नामाकृत अंगवस्त्र और मंदिर का प्रसाद भेंट किया।

समाजसेवी डॉक्टर नरेश कुमार ने बाबा साहब की 135वीं जयंती पर किया नमन

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

धनौराः मंगलवार को ग्राम वाजीदपुर में बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के उपलक्ष में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे समाजसेवी एवं समाजवादी पार्टी से भावी धनौरा लोकसभा प्रत्याशी डा नरेश कुमार ने बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया, वहीं भारी संख्या में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बाबा साहब के संविधान की बदौलत हम आज खुले आसमान में सास ले रहे हैं बाबा साहब की नीतियों को हमें जीवन में अपनाना चाहिए, उन्होंने कहा कि बाबा साहब के सिद्धांत शिक्षित बनो संघर्ष करो को हमें अपने जीवन में उतरना चाहिए, वहीं इस मौके पर उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव की नीतियों से संबंधित एक पत्रक भी लोगों को वितरित किया, इस मौके पर मयंक प्रताप सिंह, बुद्ध सिंह, अनिरुद्ध कुमार, दिनेश चंद्र, महेश चंद्र, सुरेश कुमार आदि सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे ।

न्यायिक सेवाओं के लिए जजों का अभिनंदन बार एसोसिएशन ने जताया आभार

» फूल-मालाओं और सम्मान समारोह के बीच बार एसोसिएशन ने जताया आभार, सैकड़ों अधिवक्ताओं की रही मौजूदगी

लोकतंत्र की शान, खिज़्र अहमद

नजीबाबादः तहसील परिसर में एक गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन कर सिविल जज (जूनियर डिवीजन) एकलव्य सरोज एवं अपर सिविल जज (जूनियर डिवीजन) शालिनी देवी को भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में नजीबाबाद बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं अधिवक्ताओं ने दोनों जजों के कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्हें फूल-मालाओं से सम्मानित किया। समारोह में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कसीम अहमद एडवोकेट व महासचिव नदीम अहमद अंसारी ने संयुक्त रूप से जजों का स्वागत करते हुए उनके न्यायिक योगदान को सराहा। उन्होंने कहा कि दोनों जजों ने अपने कार्यकाल में निष्पक्षता और ईमानदारी से न्यायिक दायित्वों का निर्वहन किया, जिसे हमेशा याद रखा जाएगा। इस अवसर पर आरिफ कफील, धर्मेंद्र यादव, मोहम्मद सुहेल, कुलदीप जाखेटिया, ज्ञानेंद्र सिंह जंघाला, अशोक तोमर, शाह फैसल, नवाब आलम, मोहम्मद इमरान, मोहम्मद सैफ, अनीस अहमद, जावेद कमर सिद्दीकी, विजय शर्मा, जाफिर हुसैन, विजेंद्र चौहान, नवाब शराफत, शादाब, योगेंद्र चौहान, मोहम्मद राशिद, खुर्शीद आलम, इरशाद अहमद, इफतेखार अहसन, मोहम्मद मोअज्जम खां, लेखराज, कुलवंत सिंह, कामेंद्र सिंह, अमरीक सिंह, मोहम्मद हारून, तेज प्रताप, देव प्रताप, धीरेंद्र सिंह, इंतजार कुरैशी, शकील अहमद, मोहम्मद इब्राहिम, अजय पाल सौदाई, इकराम अहमद कुरैशी, नसीम अहमद, फरमान अंसारी, रिजवान अंसारी, मोहम्मद असद मंसूब, महबूब आलम, कुलदीप कश्यप, आजम कुरैशी, कुलदीप शर्मा, रवि शंकर नायक, संजय कुमार, नसीम मंसूरी, अनुराग सलवान, जितेंद्र राजपूत, मोहम्मद आदिल, फहद मोहम्मद कलीम, मोहम्मद फैज अंसारी सहित सैकड़ों अधिवक्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान महिला अधिवक्ताओं गीता, शिवानी और राज किरण सहित अन्य ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। समारोह में सभी ने दोनों जजों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कसीम अहमद एडवोकेट ने की, जबकि संचालन जावेद कमर सिद्दीकी द्वारा किया गया। अंत में महासचिव नदीम अहमद अंसारी ने उपस्थित सभी अधिवक्ताओं एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

आर्यन गोलीकांड का आरोपी अरेस्ट, युवक को दोनों पैर में गोली मारी, लड़की का वीडियो वायरल करने की धमकी दी

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। पुलिस ने आर्यन गोलीकांड का खुलासा कर दिया है। दो दिन पहले नगर थाना क्षेत्र के गर्दनिया चौक पर एक युवक के दोनों पैरों में गोली मारने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, यह घटना एक लड़की का वीडियो वायरल करने की धमकी देने के कारण हुई थी। सदर एसडीपीओ सुबोध कुमार ने बताया कि इस मामले में प्रिंस नामक युवक को गिरफ्तार किया गया है। प्रिंस ने पूछताछ में अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए बताया कि घायल आर्यन कुमार, घटना में शामिल एक आरोपी के घर की लड़की का वीडियो वायरल करने की धमकी दे रहा था। इसी बात को लेकर आर्यन और लड़की के परिवार वालों के बीच विवाद हुआ था। घटना से लगभग एक घंटे पहले दोनों पक्षों के बीच एक पंचायत भी हुई थी, लेकिन बात नहीं बन पाई। इसके बाद राहुल कुमार और आदर्श कुमार ने आर्यन के दोनों पैरों में गोली मार दी और फरार हो गए। एसडीपीओ ने यह भी बताया कि आर्यन को गोली मारने का उद्देश्य उसे केवल डराना था, ताकि वह वीडियो वायरल न करे। गोली मारने का इरादा जान से मारने का नहीं था। फिलहाल, पुलिस राहुल कुमार और आदर्श कुमार सहित अन्य दो आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। घायल आर्यन कुमार का इलाज जारी है।

मध्याह्न भोजन में कीड़े मिले, बच्चों ने हंगामा किया, वैशाली में एनजीओ ने बिस्किट बांटे, मामले की जांच शुरू

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली जिले के बिदुपुर प्रखंड स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय खजब्बत्ता में मध्याह्न भोजन में कीड़े मिलने के बाद छात्रों ने जमकर हंगामा किया। घटना के बाद, मध्याह्न भोजन परोसने वाले एनजीओ ने बच्चों को वैकल्पिक भोजन के रूप में बिस्किट बांटे। इस घटना ने एनजीओ और शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह पहली बार नहीं है जब मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता पर सवाल उठे हैं। पूर्व में भी कई बार भोजन में कीड़े या छिपकली मिलने की शिकायतें सामने आई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बच्चों को परोसा जाने वाला भोजन अक्सर खाने योग्य नहीं होता, फिर भी बच्चे उसे किसी तरह खाते हैं। बुधवार को प्रतिदिन की तरह एनजीओ द्वारा मध्याह्न भोजन भेजा गया था। जब बच्चे दोपहर के भोजन के लिए बैठे, तो उन्हें अपने खाने में कीड़े दिखाई दिए। इसके बाद बच्चों में गुस्सा भड़क उठा और उन्होंने हंगामा शुरू कर दिया। स्कूल के शिक्षकों ने तुरंत बच्चों को शांत कराया और घटना की जानकारी मध्याह्न भोजन परोसने वाली शक्ति एकता फाउंडेशन (एनजीओ), बिदूपुर को दी। गर्मी के कारण बिहार के सभी शैक्षणिक संस्थान सुबह की पाली में चल रहे हैं। सरकारी स्कूल सुबह 06:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक संचालित होते हैं, जिसमें छात्रों का लंच टाइम सुबह 09:00 बजे से 09:40 बजे तक होता है। सूचना मिलने के बाद एनजीओ के प्रतिनिधि तुरंत स्कूल पहुंचे और सुबह 10:51 बजे बच्चों को बिस्किट बांटे, जिससे उन्होंने अपनी भूख मिटाई। इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी मनीष भारद्वाज ने बताया कि उन्हें घटना की सूचना मिली है और मामले की गहन जांच करवाई जा रही है।

वैशाली में बिजली तार पर मिला किसान का शव, परिजन बोले-करंट लगने से मौत दिखाने की कोशिश

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली में 45 वर्षीय किसान की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। हत्या के बाद आरोपियों ने शव को बिजली के तार से घिरे खेत में फेंक दिया, ताकि इसे करंट लगने से हुई मौत दिखाया जा सके। घटना मंगलवार की शाम पातेपुर थाना क्षेत्र के नीरपुर कुसाही गांव में हुई। मृतक की पहचान स्व. गेना राय के बेटे देवेंद्र राय (45) के रूप में हुई है। मंगलवार देर शाम तक जब देवेंद्र राय खेत से घर नहीं लौटे, तो

परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। ग्रामीणों ने परिजनों को बताया कि उनकी मौत करंट लगने से हुई है। परिजन जब घटनास्थल पर पहुंचे, तो उन्होंने शव को महेंद्र राय के खेत में पड़ा पाया। यह खेत बिजली के तारों से घिरा हुआ था। परिजनों ने इसे हत्या का मामला बताते हुए आशंका जताई है। मृतक देवेंद्र राय अपने दो भाइयों में सबसे बड़े थे और उनकी एक बेटी है। उनके भतीजे पवन कुमार ने बताया कि देवेंद्र राय भूसा लेने के लिए घर से करीब 4 किलोमीटर दूर अपने खेत गए थे। पवन कुमार ने यह भी बताया कि हाल ही में देवेंद्र राय ने जमीन खरीदी थी, जिसे लेकर गांव के कुछ लोगों से उनका विवाद चल रहा था। परिजनों ने इस जमीन विवाद को हत्या का संभावित कारण बताया है। पवन के अनुसार, मृतक के शरीर पर किसी प्रकार के बाहरी जख्म का निशान नहीं है। उन्हें आशंका है कि गला दबाकर हत्या की गई है और फिर शव को यहां फेंका गया है। घटना की सूचना मिलते ही पातेपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने की तैयारी की है। हालांकि, पातेपुर थानाध्यक्ष रौशन कुमार ने प्रारंभिक तौर पर बताया कि किसान की मौत करंट लगने से हुई है।

परिजन पर जबरन शादी और पति पर दुष्कर्म का आरोप, शादी के 2 महीने बाद घर से भागी

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में 18 वर्षीय युवती ने अपने ही परिजनों पर जबरन शादी कराने और पति पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। इसको लेकर पीड़िता ने अहियापुर थाने में आवेदन दिया है। पीड़िता के अनुसार, 1 फरवरी को उसके जीजा और मामा ने मां की सहमति लेकर उसे घूमाने के बहाने मंदिर ले गए, जहां उसकी मर्जी के खिलाफ सहदुल्हापुर राघोपुर निवासी युवक से जबरन शादी करा दी गई। युवती का आरोप है कि यह शादी मोटी रकम लेकर कराई गई। शिकायत में बताया गया है कि शादी के बाद 5 और 6 फरवरी को आरोपी पति ने उसे कमरे में बंद कर मारपीट की और जबरन शारीरिक संबंध बनाया। इसके बाद उसे लगातार घर में बंधक बनाकर रखा गया और प्रताड़ित किया जाता रहा। करीब दो महीने तक उत्पीड़न झेलने के बाद 31 मार्च को युवती किसी तरह मौका पाकर वहां से भाग निकली और अपनी दूसरी बहन के घर पहुंची। इसके बाद उसने अहियापुर थाने में आवेदन देकर पूरे मामले की जानकारी दी। मामले में अहियापुर थानाध्यक्ष रोहन कुमार ने बताया कि एक युवती ने आवेदन दिया है। आवेदन के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे लाइन के पास मिली लाश, घर से बिना बताए निकला था मैकेनिक, ट्रेन से कटने की आशंका

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के मिठनपुरा थाना क्षेत्र में आमगोला रेल ओवरब्रिज के पास एक व्यक्ति का शव मिला। आशंका जताई जा रही है कि ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हुई है। मृतक की पहचान मिठनपुरा दास कॉलोनी निवासी 45 वर्षीय सुरेश कुमार दास के रूप में की गई है। बुधवार सुबह रेल लाइन किनारे शव मिलने की सूचना पर रेल पुलिस मौके पर पहुंची और आगे की कार्रवाई में जुट गई। मृतक के परिजन मिथलेश दास ने बताया कि सुरेश कुमार दास मंगलवार रात घर से बिना बताए निकल गए थे। वे कहां जा रहे थे, इसकी जानकारी किसी को नहीं थी। उन्होंने बताया कि मृतक कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे और पहले गैरेज में काम करते थे, लेकिन फिलहाल कोई काम नहीं कर रहे थे। उनके दो बेटे हैं, जो बाहर रहते हैं। परिजनों के अनुसार, बुधवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे स्थानीय लोगों से सूचना मिली कि उनके परिजन का शव रेल लाइन के पास पड़ा है। मौके पर पहुंचने पर उन्होंने शव की पहचान की। स्थानीय निवासी किशन कुमार और राजा कुमार के अनुसार, ओवरब्रिज होने के बावजूद लोग अक्सर रेल लाइन पार करते हैं, जिससे यहां आए दिन हादसे होते रहते हैं। मामले में आरपीएफ के कांस्टेबल शिवचंद्र कुमार ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। प्रथम दृष्टया मामला ट्रेन से गिरने या ट्रेन की चपेट में आने का प्रतीत हो रहा है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

पटना में रिटायर्ड एसबीआई मैनेजर से 95 लाख की ठगी

फेसबुक पर लड़की ने इन्वेस्टमेंट के नाम पर फंसाया, फर्जी ट्रेडिंग ऐप से बनाया शिकार

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना में ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट के नाम पर ठगी का बड़ा मामला सामने आया है। साइबर थाना पटना में दर्ज शिकायत के मुताबिक एसबीआई के रिटायर्ड गृह ऋण शाखा के मुख्य प्रबंधक अमरेंद्र कुमार सिन्हा से इन्वेस्टमेंट के नाम पर 95 लाख रुपए की ठगी हुई है। आरोपी ने खुद को कंपनी की CEO बताकर फर्जी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के जरिए उन्हें जाल में फंसाया। उन्होंने साइबर थाना पटना में इसकी शिकायत दर्ज कराई है।

आवेदन के मुताबिक, अमरेंद्र कुमार सिन्हा 31 अगस्त 2024 को एसबीआई से रिटायर हुए थे। इस दौरान उन्हें अच्छी खासी रकम मिली। इस रुपए को किसी अच्छी जगह पर निवेश करने की उनकी मंशा थी। रिटायरमेंट के बाद वे सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहने लगे। इस दौरान फेसबुक पर आए "वेपलोग" नाम के ऐड पर उन्होंने क्लिक किया। इसके बाद उनकी बातचीत साक्षी अग्रवाल नाम की युवती से शुरू हुई। उसने खुद को मुंबई की VV कंस्ट्रक्शन की CEO

बताया। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। दोनों ने व्हाट्सएप नंबर, आधार कार्ड और एक दूसरे की तस्वीर आपस में शेयर किया।

एक दूसरे के बीच नजदीकी बढ़ाने के बाद साक्षी अग्रवाल ने अमरेंद्र कुमार सिन्हा को Polyus Finance Pic प्लेटफार्म में निवेश करने की सलाह दी। फिर 25.8.2025 को अमरेंद्र अग्रवाल ने साक्षी के जरिए पहले ट्रेडिंग में 43000 रुपए निवेश किया। इसके बाद पहली निकासी 2 सितंबर 2025 को 1978 रकम की निकासी भी कराई गई, जिससे भरोसा बढ़ता गया।

अमरेंद्र अब साक्षी अग्रवाल के बताए अनुसार ट्रेडिंग करते चले गए। अमरेंद्र के मुताबिक, दो बार साक्षी अग्रवाल ने वीडियो कॉलिंग के जरिए बातचीत की। इसके अलावा अधिकतर बातचीत व्हाट्सएप चैटिंग के जरिए हुई। इस दौरान ट्रेडिंग होती गई और 31 अक्टूबर 2025 को एसेट्स वैल्यू 3 लाख 50 हजार तक पहुंच गई। अमरेंद्र के मुताबिक, 1 नवंबर 2025 को अमरेंद्र ने अपने एसेट्स से 1 लाख निकासी के लिए प्रयास किया। इस दौरान Polyus Finance Pic प्लेटफॉर्म से उन्हें 2 नवंबर 2025 को मेल के जरिए बताया गया कि आपको 15%, यानि Rs.45 lacs एक्सचेंज एण्ड कमिशन के रूप में पहले जमा करना होगा। अमरेंद्र ने 16 नवंबर 2025 को रुपए जमा कर दिए। ट्रेडिंग से एक्सचेंज कमिशन के दरमियान साक्षी अग्रवाल के द्वारा भी Rs.15.20 lacs का ट्रैडिंग खाता में योगदान दिखाया गया था, जिससे साक्षी अग्रवाल के प्रति और विश्वास बढ़ गया। फिर उन्हें मेल आया और ऑडिट के लिए 5,33,114 जमा करने के लिए कहा गया, जिसे 20 नवंबर को उन्होंने जमा कर दिया।

पटना में विवाहिता पर गर्म दूध फेंका, बेहरमी से पीटा

लोकतंत्र की शान , पटना

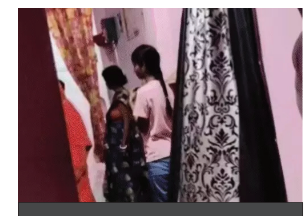

♦ दहेज के लिए छीने गहने, देवर समेत ससुरालियों पर दहेज उत्पीड़न का आरोप, 6 साल पहले हुई थी शादी

पटना जिले के नेउरा थाना क्षेत्र अंतर्गत नेउरागंज में एक विवाहिता के साथ दहेज उत्पीड़न का मामला सामने आया है। आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोगों ने महिला के साथ मारपीट कर उस पर गर्म दूध फेंककर जान से मारने की कोशिश की। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि हमलावरों ने उनके गले से मंगलसूत्र, कान का झुमका और पायल भी छीन लिया।

रात 1 बजे कमरे में घुसकर किया हमला: पीड़िता पूनम देवी के अनुसार, घटना बीती रात करीब 1 बजे की है। वह अपने पति निप्पू कुमार के साथ कमरे में सो रही थीं, तभी गोतनी ममता देवी, ससुर श्याम पुकार चौधरी, सास सीता देवी, ननद आरती कुमारी और प्रिया कुमारी तथा देवर गुड्डू कुमार ने मिलकर उन पर हमला कर दिया। आरोप है कि सभी ने मिलकर पूनम की बेरहमी से पिटाई की और उन पर गर्म दूध फेंक दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं।

पूनम ने बताया कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले उन पर मायके से पैसे लाने का दबाव बना रहे थे। विरोध करने पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी जाती थी। घटना के समय उनके पति भी मौजूद थे, लेकिन डर के कारण उन्होंने कोई विरोध नहीं किया। पीड़िता के पिता कमलेश चौधरी ने बताया कि दिसंबर 2020 में हिंदू रीति-रिवाज से बेटी की शादी की थी। शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष दहेज के लिए परेशान कर रहा था। कभी 50 हजार रुपए तो कभी मोटरसाइकिल के लिए डेढ़ लाख रुपए की मांग की जाती थी। उन्होंने बताया कि कई बार समझौते के बावजूद स्थिति नहीं सुधरी। पूनम के दो छोटे बच्चे भी हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने थाने पहुंचकर मामला दर्ज कराया।

रेलवे टीटी के घर दिनदहाड़े चोरी, 10 लाख से अधिक के जेवर-नकदी ले उड़े चोर

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना सिटी के अगमकुआं थाना क्षेत्र में मंगलवार को दिनदहाड़े चोरी की बड़ी वारदात सामने आई। चोरों ने रेलवे टीटी के बंद घर को निशाना बनाते हुए 10 लाख रुपये से अधिक के जेवरात और 20 हजार रुपये नकद उड़ा लिए। दिनदहाड़े हुई इस चोरी से इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए हैं।

2 घंटे में साफ कर दिया घर: पीड़ित रेलवे टीटी विनोद प्रसाद सिन्हा पटना जंक्शन पर कार्यरत हैं। उनकी पत्नी रीता देवी दोपहर में घर में ताला लगाकर बाहर गई थीं। करीब दो घंटे बाद जब वह लौटीं, तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला। घर के अंदर जाने पर देखा कि गोदरेज अलमारी का सेफ भी तोड़ा जा चुका था। उसमें रखे सोने-चांदी के जेवर और नकद गायब थे।

CCTV खंगाल रही पुलिस, FSL टीम कर रही पड़ताल: घटना की सूचना मिलते ही पुलिस

♦ सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

मौके पर पहुंची और एफएसएल टीम की मदद से जांच शुरू की। आसपास लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि चोरों की पहचान हो सके।

कुम्हरार के पास की घटना, केस दर्ज: थाना प्रभारी राजेश कुमार झा ने बताया कि घटना कुम्हरार के नजदीक हुई है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और पुलिस सभी पहलुओं से जांच में जुटी है।

पटना साहिब महोत्सव 2026, दर्शकों की कमी से चमक फीकी, लाखों खर्च के बाद भी खाली रहीं कुर्सियां

लोकतंत्र की शान , पटना

वैशाखी के मौके पर आयोजित पटना साहिब महोत्सव 2026 इस बार उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सका। बिहार पर्यटन विभाग और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम में लाखों रुपये खर्च किए गए, लेकिन दर्शकों की संख्या उम्मीद से काफी कम रही। कार्यक्रम स्थल पर सैकड़ों कुर्सियां खाली नजर आईं। यह महोत्सव 14 और 15 अप्रैल को पटना सिटी स्थित राजकीय उच्च विद्यालय के खेल मैदान में आयोजित किया गया था। देश-विदेश के कलाकारों ने मंच पर शानदार प्रस्तुतियां दीं, लेकिन दर्शकों की कमी ने आयोजन की चमक फीकी कर दी।

अधिकारियों ने बताया सफल, जमीनी हकीकत अलग: महोत्सव का उद्घाटन स्थानीय विधायक रत्नेश कुशवाहा और पटना की मेयर सीता साहू ने संयुक्त रूप से किया। पटना

के अपर समाहर्ता रविंद्र कुमार ने महोत्सव को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि आयोजन में लोगों का उत्साह देखने को मिला। साथ ही बताया कि इस महोत्सव की शुरुआत वर्ष 2008 में हुई थी और तब से हर साल इसका आयोजन किया जाता रहा है।

से लेकर सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम: कार्यक्रम की शुरुआत गुरुवाणी पाठ से हुई, जिसके बाद बिहार गौरव गान की प्रस्तुति दी गई। इसके बाद भांगड़ा, सूफी कव्वाली, भजन, सुगम संगीत और लोक नृत्य की प्रस्तुतियों ने मंच को रंगीन बनाया। बॉलीवुड गायिका ममता जोशी ने अपनी गायकी से माहौल बांधने की कोशिश की, लेकिन दर्शकों की कम मौजूदगी साफ झलकती रही। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रचार-प्रसार की कमी और समय प्रबंधन में खामियों के कारण लोग कार्यक्रम तक नहीं पहुंच सके। बड़े स्तर की तैयारियों के बावजूद अपेक्षित भीड़ नहीं जुट पाई।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम, पर

❒ बॉलीवुड गायिका ममता जोशी ने बांधा समां

नहीं हुई परीक्षा: कार्यक्रम में सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और पार्किंग के लिए व्यापक इंतजाम किए गए थे। 8 विशेष कोषांग भी बनाए गए थे, लेकिन कम भीड़ के कारण इन व्यवस्थाओं की ज्यादा परीक्षा नहीं हो सकी। महोत्सव का उद्देश्य वैशाखी के अवसर पर बिहार की सांस्कृतिक विरासत और पटना साहिब की ऐतिहासिक पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करना था। हालांकि कम उपस्थिति ने इस उद्देश्य की सफलता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल, यह आयोजन प्रशासन और पर्यटन विभाग के लिए आत्ममंथन का विषय बन गया है कि आखिर भव्य तैयारियों के बावजूद लोग कार्यक्रम से क्यों नहीं जुड़ पाए। आने वाले समय में बेहतर रणनीति और प्रभावी प्रचार की जरूरत साफ नजर आ रही है।

अंतरजिला लुटेरा गिरोह का पर्दाफाश: एक आरोपी गिरफ्तार, विधि विरुद्ध बालक निरुद्ध

लोकतंत्र की शान

सहरसा | मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता: सहरसा पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए अंतरजिला लुटेरा गिरोह का उद्भेदन किया है। इस कार्रवाई में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक विधि विरुद्ध बालक को निरुद्ध किया गया है। पुलिस के अनुसार यह गिरोह सहरसा एवं मधेपुरा जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से लूट की घटनाओं को अंजाम दे रहा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गिरोह द्वारा सदर थाना क्षेत्र के सुलिंदाबाद स्थित सीएसपी केंद्र, बैजनाथपुर थाना क्षेत्र के एक पेट्रोल पंप, बसनही थाना क्षेत्र के मंगवार डीह टोला तथा मधेपुरा जिले के भरही थाना अंतर्गत ग्रामीण बैंक में लूट की घटनाएं की गई थीं। इन मामलों में संबंधित थानों में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस उप-महानिरीक्षक कोशी क्षेत्र के निर्देशन एवं सहरसा व मधेपुरा पुलिस के संयुक्त प्रयास से एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने लगातार छापेमारी, तकनीकी अनुसंधान एवं सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण के आधार पर आरोपियों की पहचान की। कार्रवाई के दौरान घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, मोबाइल, टी-शर्ट, फुलपैंट और चप्पल बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अमर कुमार (पिता–सिकेंद्र साह, निवासी–धबौली वार्ड नंबर 01, थाना–पतरघट, जिला–सहरसा) के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने कई लूट की घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। उसकी

निशानदेही पर अन्य सामान भी जब्त किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। गिरोह के मास्टरमाइंड पर इनाम घोषित करने की प्रक्रिया भी जारी है। साथ ही, लूट से अर्जित संपत्ति से लाभान्वित लोगों पर भी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी से भविष्य में होने वाली लूट की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगेगा। वहीं, रिमांड पर लेकर पूछताछ के बाद और भी मामलों के खुलासे की संभावना जताई जा रही है।

पशुपति पारस अस्पताल में भर्ती चिराग को देखते ही गले लगाया

लोकतंत्र की शान , पटना

राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) के प्रमुख और पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस की तबीयत अचानक खराब हो गई। सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के बाद उन्हें पटना के कंकड़बाग में प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों की एक विशेष टीम उनका इलाज कर रहा है। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। चिराग पासवान अपने चाचा के बीमार होने की सूचना पर उनसे मिलने पहुंचे। अस्पताल के बेड पर लेटे पशुपति पारस ने जैसे ही चिराग को देखा वो भावुक हो गए। उन्होंने अपने भतीजे को गले लगा लिया।

चिराग बोले- वे मेरे पिता की तरह हैं: चिराग पासवान ने कहा कि 'पशुपति पारस उनके लिए पिता समान हैं। मैं यहां एक राजनेता के तौर पर नहीं, बल्कि एक बेटे के तौर पर अपने अभिभावक का हाल जानने

आया हूं। राजनीति अपनी जगह है, लेकिन परिवार में भले ही वैचारिक मतभेद रहे हों, सेहत और पारिवारिक रिश्तों के मामले में हम सब एक हैं। वे मेरे अभिभावक हैं और इस समय उनके साथ होना मेरा धर्म है।' चिराग पासवान ने अस्पताल में डॉक्टरों की टीम से भी चाचा की तबीयत को लेकर बात की। चिराग ने अपने X अकाउंट से चाचा से मुलाकात की तस्वीरें भी शेयर कर उनके स्वस्थ होने की कामना की है।

बता दें कि साल 2021 के बाद से लोक जनशक्ति पार्टी दो हिस्सों में बंट

♦ केंद्रीय मंत्री बोले- वो पिता की तरह हैं, राजनीति अपनी जगह रिश्तों में हम सब एक हैं

गई थी, जिसमें एक गुट की कमान पारस ने संभाली, जबकि चिराग पासवान ने अपनी अलग पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) बनाई। राम विलास पासवान के निधन के बाद चिराग पासवान और पशुपति पारस के रिश्तों में खटास आ गई थी।

चाचा और भतीजे का था पॉलिटिकल विवाद: 28 नवंबर 2000 को रामविलास पासवान ने लोक जनशक्ति पार्टी बनाई थी। 2020 में रामविलास का निधन हुआ। चिराग पासवान और पशुपति पारस पार्टी की कमान को लेकर आमने-सामने आ गए। 14 जून 2021 को लोक जनशक्ति पार्टी (LJP) टूट गई। पारस गुट ने राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग को सभी पदों से हटा दिया।

2552 हज यात्रियों का फ्लाइट शिड्यूल जारी

लोकतंत्र की शान ,पटना

बिहार के 2552 हजयात्रियों का फ्लाइट शेड्यूल जारी कर दिया गया है। उनकी रवानगी 18 अप्रैल से 21 मई के बीच देश के 8 एयरपोर्ट से होगी। इस बार गयाजी एयरपोर्ट से हजयात्रियों की रवानगी नहीं होगी, क्योंकि 97 लोगों ने ही यहां से जाने का ऑप्शन चुना था।

बिहार के 360 हज यात्रियों का पहला जत्था 18 अप्रैल को कोलकाता, दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट से रवाना होगा। इनमें पटना जिले के करीब 100 लोग हैं। कोलकाता से सुबह 8:20 बजे, मुंबई से सुबह 6:30 बजे और दिल्ली से 10:35 बजे विमान टेकऑफ करेगा। इससे

पहले हज यात्रियों के लिए बुधवार को हज भवन में सामूहिक दुआ होगी। बिहार में चल रही राजनीतिक हलचल की वजह से इसमें कौन नेता शामिल होंगे, यह तय नहीं हो सका है। पिछले 20 साल से नीतीश कुमार शामिल होते रहे हैं।

बिहार के 2552 में से 1698 हजयात्री मदीना जाएंगे और उनकी वापसी जेद्दाह एयरपोर्ट से होगी।

स्कूली बच्चों ने अग्नि सुरक्षा का दिया संदेश

लोकतंत्र की शान , मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर में जिला अग्निशमन विभाग ने 'अग्निशमन सेवा सप्ताह' के दूसरे चरण के तहत जन-जागरूकता अभियान चलाया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को आग से बचाव के उपायों और सुरक्षा मानकों के प्रति जागरूक करना था। यह कार्यक्रम जिला अग्निशमन पदाधिकारी के निर्देशन में आयोजित किया गया। अभियान में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, बड़ी संख्या में अग्निशमन कर्मियों और महिला शिल्प कला की छात्राओं ने भाग लिया। जागरूकता अभियान की शुरुआत मुजफ्फरपुर अग्निशमालय परिसर से एक प्रभात फेरी के साथ हुई। जिला अग्निशमन पदाधिकारी ने इसे हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में अधिकारी, अग्निशमन कर्मी और छात्राएं अग्नि सुरक्षा से संबंधित संदेश लिखी तख्तियां लिए हुए थे। अधिकारियों ने रास्ते में दुकानदारों, राहगीरों और स्थानीय निवासियों को अग्नि सुरक्षा का महत्व समझाया। इस दौरान विभाग

की ओर से विशेष पंपलेट भी वितरित किए गए। इन पंपलेट में आग लगने की स्थिति में क्या करें और क्या न करें, इसकी विस्तृत जानकारी दी गई थी।

अग्नि सुरक्षा-जीवन रक्षा के नारे लगाए: यह प्रभात फेरी शहर के प्रमुख मार्गों जैसे बनारस बैंक चौक, टावर चौक, गांधी चौक, बाबा गरीब नाथ मंदिर, साहू पोखर और पुरानी बाजार सब्जी मंडी से होते हुए वापस अग्निशमालय पहुंची। इस आयोजन में जिला अग्निशमन पदाधिकारी, सहायक जिला अग्निशमन पदाधिकारी, अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी और सहायक अनुमंडल अग्निशमालय पदाधिकारी प्रमुख रूप से मौजूद रहे। जागरूकता रैली में महिला शिल्प कला की छात्राओं की भागीदारी विशेष रही। छात्राओं ने 'अग्नि सुरक्षा-जीवन रक्षा' के नारे लगाए और लोगों को अपने घरों और प्रतिष्ठानों में अग्निशमन यंत्र रखने के लिए प्रेरित किया। विभाग के कर्मियों ने भी अपनी पेशेवर वर्दी में मार्च करते हुए अनुशासन और तत्परता का प्रदर्शन किया।

सुरक्षा के संदेश लोगों तक पहुंचाने की अपील: जिला अग्निशमन पदाधिकारी ने कहा कि अग्निशमन सेवा सप्ताह का मूल उद्देश्य केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि जन-जन तक सुरक्षा का संदेश पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि थोड़ी सी सावधानी और सही जानकारी से बड़ी से बड़ी आगजनी की घटनाओं को रोका जा सकता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने कार्यस्थलों और घरों में बिजली के उपकरणों और रसोई गैस के इस्तेमाल में सावधानी बरतें।

संक्षिप्त समाचार

दिनदहाड़े घर में घुसकर मारपीट व लूट, महिला का सोने का हार छीना

» नजीबाबाद क्षेत्र के कमालपुर खाईखेड़ी में वारदात, पुलिस से कार्रवाई की मांग

लोकतंत्र की शान : खिज़र अहमद , नजीबाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम कमालपुर खाईखेड़ी में दिनदहाड़े घर में घुसकर मारपीट और लूटपाट का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़ित नियाज अहमद ने थाने में दी गई तहरीर में बताया कि 10 अप्रैल 2026 को दोपहर करीब 2 बजे कुछ लोग एक कार (नंबर UP 20 BA 7857) से उसके घर पहुंचे और अचानक घर में घुस आए। तहरीर के अनुसार, आरोपियों में कासिफ, आमिर, अफजल,अरशद, उजैफा समेत एक अज्ञात व्यक्ति शामिल थे। सभी ने मिलकर पीड़ित के बेटे दिलशाद अहमद व उसके परिवार के साथ मारपीट की और तमंचा दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि हमलावरों ने इस दौरान पीड़ित की पत्नी रेशमा के गले से करीब ढाई-तीन तोले का सोने का हार छीन लिया। घटना में परिवार के कई लोगों को चोटें भी आईं। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने पर वह घर पहुंचा, जिसके बाद पूरे मामले की तहरीर पुलिस को दी गई। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने और लूटा गया हार वापस दिलाने की मांग की है। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल है

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत आयोजित हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस, महिलाओं को मिलेगा सशक्तिकरण का नया अधिकार

लोकतंत्र की शान : मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा, रामपुर। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत महिलाओं के अधिकारों और उनके सशक्तिकरण को लेकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता में वक्ताओं ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि यह कानून महिलाओं को राजनीति और निर्णय प्रक्रिया में मजबूत भागीदारी दिलाने का कार्य करेगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि इस अधिनियम के माध्यम से महिलाओं को प्रतिनिधित्व का अधिकार मिलेगा, जिससे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी। वक्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और स्वावलंबन को प्राथमिकता दी जा रही है। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल है, जिससे आने वाले समय में महिलाओं को सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर नई पहचान मिलेगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद पदाधिकारियों ने अभियान को जन-जन तक पहुंचाने और महिलाओं को जागरूक करने की अपील की। कार्यक्रम में कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समाजसेवी उपस्थित रहे। सभी ने एकजुट होकर नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में आवाज बुलंद की और इसे देश की महिलाओं के उज्ज्वल भविष्य का आधार बताया।

प्रमोद अग्रवाल बने राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं RTI परिषद के जोया नगर अध्यक्ष

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, अमरोहा /जोया: बुधवार को राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं आरटीआई परिषद की एक बैठक कस्बा जोया मे आयोजित की गई, बैठक व्यापारी व समाजसेवी प्रमोद कुमार अग्रवाल के प्रतिष्ठान पर संपन्न हुई जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष दीनदयाल यादव ने की तथा संचालन राष्ट्रीय प्रवक्ता टेकचंद राणा द्वारा किया गया, बैठक में संगठन का विस्तार करते हुए अमरोहा जिले के कस्बा जोया की नगर कमेटी घोषित की गई, जिसमें प्रमोद कुमार अग्रवाल को राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं आरटीआई परिषद जोया का नगर अध्यक्ष मनोनीत किया गया तथा श्रीमती मीनू गुप्ता को संगठन का महिला प्रकोष्ठ का नगर अध्यक्ष जोया घोषित किया गया, साथ ही श्रीमती माया गुप्ता को संगठन का जिला महासचिव महिला प्रकोष्ठ घोषित किया गया, इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष दीनदयाल यादव ने सभी से मानवाधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा नारी सुरक्षा, सम्मान, महिला अपराध पर अंकुश लगाने में अधिक से अधिक योगदान देने का आह्वान किया, वहीं उन्होंने सभी आरटीआई कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक आरटीआई लगा कर भ्रष्टाचार का खुलासा करने का आवाहन किया और सभी से जागरूक रहने की अपील की, वहीं नवनियुक्त पदाधिकारीयो ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली साथ ही संगठन को आश्वस्त किया कि वह संगठन द्वारा दी गई जिम्मेदारी को निष्ठा पूर्वक निभाएंगे तथा संगठन हित में कार्य करेंगे, वही इस मौके पर मुख्य रूप से प्रमोद कुमार शर्मा एडवोकेट, अतुल गर्ग, अनुपम त्यागी, अरुण कुमार त्यागी, मनोज गोयल, आकाश एडवोकेट, साकिर हुसैन, कपिल कुमार, देवेंद्र सिंह गिल, टीपी सिंह, नरेंद्र सिंह, देवराज सिंह, सचिन चाहल, हरविंदर सिंह, धर्मेंद्र सिंह, राजवीर सिंह, अमित गुप्ता, डॉक्टर नरेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे ।

ग्राम पंचायत उमरिया में हो रहे मनमानी निर्माण कार्य

» दिशा निर्देशों को ठेंगा दिखाकर ठिकाने लगाई जा रही ग्राम विकास की राशि,

» कहीं 10 मीटर में डबल पुलिया बनाई तो कहीं बिना सड़क के ही हो रहा पुलिया निर्माण

लोकतंत्र की शान , (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। ग्राम विकास की राशि को मनमानी तरीके से एवं दिशा निर्देशों को ठेंगा दिखाकर सरपंच सचिव के द्वारा किस तरह ठिकाने लगाया जा रहा है जिसका ताजा नमूना जनपद पंचायत कुसमी के ग्राम पंचायत उमरिया में देखा जा सकता है। यहां ग्राम पंचायत के अंतरैला टोला में बन रही नवीन सड़क में 10 मीटर के दायरे में दो नवीन पुलिया का निर्माण किया गया है जहां कि 500 रु में कच्ची नाली निर्माण कर एक ही पुलिया से पानी की निकासी की जा सकती है फिर 5 लाख की डबल पुलिया बनाने की क्या जरूरत थी। इसी तरह जिस सड़क में डबल पुलिया निर्माण हुआ है उस सड़क को 2 दिन पूर्व जेसीबी मशीन से बनवाया गया है जिसमें एक भी ग्रामीण मजदूरों को रोजगार नहीं मिला है ऐसे में ग्रामीणों का आरोप है कि फर्जीवाड़ा के तहत मस्टर जारी कर मजदूरी निकाल कर बंदर बांट किया जाता है जिस पर सवाल उठाते हुए जांच की मांग की है।

किसके आदेश पर बन रही बिना सड़क में पुलिया

वार्ड नं 08 एवं रेलवे लाइन के पास पुलिया निर्माण के लिए जेसीबी मशीन से नीव की खुदाई कर रेत व गिट्टी गिराया गया है।जबकि दोनों जगह सड़क नहीं है।मजे की बात तो यह है कि जब रोजगार सहायक एवं सचिव से उक्त निर्माण कार्य के संबंध में पूछा गया तो उनका कहना था कि हमें कोई जानकारी नहीं है।

B.J.P जन कल्याण मंच के जिला अध्यक्ष ने कैंप कार्यालय पर मनाया बाबा साहब का 135वा जन्म दिवस

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी जन कल्याण मंच के जिला अध्यक्ष भीष्म सिंह खड़कबंशी ने अपने रहरा रोड स्थित कैंप कार्यालय पर बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की 135वीं जयंती के उपलक्ष में अपने कैम्प कार्यालय पर बाबा साहब का जन्म दिवस बड़े धूमधाम के साथ मनाया, जिसमें सभी कार्यकर्ताओं एवं मातृशक्तियो ने बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया, तथा अपने-अपने विचार रखें, इस मौके पर जिला अध्यक्ष भीष्म सिंह खड़कवंशी ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन संघर्ष, त्याग और संकल्प की अद्भुत मिसाल है, बाबा साहब ने समाज के हर वर्ग को सम्मान, अधिकार और अबसर दिलाने के लिए मार्ग प्रस्सत किया वह आज भी हमारे लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं, आज हम बाबा साहब के संविधान की बदौलत खुले आसमान के नीचे सांस ले रहे हैं, इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी जन कल्याण मंच की महिला कार्यकारिणी में से बबीता सैनी, दीपमाला वर्मा, सुषमा त्यागी, सीमा यादव, आम्रपाली गुर्जर, ममता शर्मा, तथा जिला उपाध्यक्ष मास्टर बबलू सिंह सेन, एडवोकेट विनोद राणा, राजपाल सिंह, चमन प्रजापति, डॉक्टर जगत सिंह, अनिल विश्वकर्मा, शिवम, गौरव तरारा, रूप किशोर तरारा, धर्मपाल सिंह आदि भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

एससी/एसटी संबंधी चिन्हित स्थलों पर सर्व समाज के साथ जनचेतना शिविर आयोजित

लोकतंत्र किशान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश शासन एवं पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार जिले में ऐसे स्थानों का चिन्हांकन किया गया है, जहाँ पूर्व में एससी/एसटी से संबंधित अपराध अधिक संख्या में घटित हुए हैं। इसी क्रम में कटनी पुलिस द्वारा जिले के समस्त थाना क्षेत्रों में इन चिन्हित स्थलों पर सर्व समाज की सहभागिता से जनचेतना शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य सामाजिक सौहार्द, आपसी भाईचारा एवं क्षेत्र में शांति व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखना है। इसी क्रम में आज दिनांक को चौकी बिलहरी क्षेत्र अंतर्गत जनचेतना शिविर आयोजित किया गया। शिविर के दौरान पुलिस अधिकारियों द्वारा क्षेत्र की पूर्व एवं वर्तमान स्थिति का अवलोकन किया गया तथा स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित कर आवश्यक जानकारियाँ प्राप्त की गईं। कार्यक्रम के दौरान उप पुलिस अधीक्षक (अजाक) सुश्री शिवा पाठक द्वारा उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए अपील की गई कि सभी नागरिक आपसी मतभेदों को भुलाकर सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखें। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि किसी भी जाति या वर्ग विशेष के प्रति अभद्र या आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग न करें तथा सकारात्मक भाषा और व्यवहार अपनाकर समाज में एकता एवं सद्भावना को बढ़ावा दें।

आईटीआई बनवाने का निशाना किस पर चला

लोकतंत्र की शान, राजेंद्र कैम की रिपोर्ट

करनालः हरियाणा की राजनीति देश की राजनीति से अलग और भिन्न रही है यहां के राजनेता मूंछों की लड़ाई और खुद का स्वाभिमान कभी गिरने नहीं देते इसके लिए चाहे उनकों खुद मर मिटना पड़े, हरियाणा के राजनेता हमेशा एक ही बात कहते हैं आसूलों पर आंच आए तो टकराना जरुरी है जिंदा हो तो नजर आना जरूरी है

बात अगर आसूलों की आ जाए तो मर मिटजाना जरूरी है- पुराने समय एक कहावत खूब चलती थी रघुकुल रीत सदा चली आई प्राण जाए पर वचन न जाई,, मगर अब ऐसा नहीं है, भारी चर्चाओं के इस दौर में लंबे समय से घरौंडा क्षेत्र की राजनीति एक बड़ा भूचाल मैं समा गई है जिसमें लोगों की अनेक प्रक्रिया सामने आ रहे हैं घरौंडा में आईटीआई का मुद्दा स्थानीय नेताओं के लिए कुरुक्षेत्र बन चुका है जहां पारिवारिक राजनीति के साथ साथ सभी विचारधाराओं को अलग-अलग अंदाज से देखा जा रहा है गहरी चर्चाओं के इस दौर में कुछ दिन पहले घरौंडा विधायक एवं हरियाणा विधानसभा स्पीकर हरविंदर कल्याण जी द्वारा घरौंडा में आईटीआई बनवाने का बयान चल रहा है जो की बहुत सराहनीय भी है विधानसभा स्पीकर हरविंदर कल्याण जहां लोगों के दिल में अपनी सुर्खियां बटोर रहै है तो वही घरौंडा के अनेक समाजसेवी राजनेता बुजुर्ग कार्यकर्ता इस बयान पर अपनी नाराजगी भी जाहिर कर रहे हैं और इसका जमकर विरोध कर रहे हैं उनका कहना है आईटीआई बनवाने को लेकर विधानसभा स्पीकर हरविंदर कल्याण ने एक बयान में कहा है कि 1962 में घरौंडा हल्के में एक आईटीआई मंजूर हुई थी लेकिन 52 साल बाद यह आईटीआई मैंने बनवाई है और इसको मंजूर भी मैंने करवाया है क्या इसमें मेरा कोई घमंड नजर आ रहा है अब सवाल यह उठता है सन 19 57 से 19 62 तक स्वर्गीय चौधरी मुल्तान सिंह घरौंडा के विधायक रहे थे जिनको यहां की जनता अपना खूब प्यार दिया करती थी इसके बाद 1962 से 1967 तक बाबू सोहनलाल जी के पिता लाला रूलिया राम विधायक रहे थे क्या यह उनपर आरोप है फिर क्या यह उनका अपमान नहीं

थाना अमिलिया में उपद्रव और शासकीय संपत्ति को क्षति पहुंचाने वाले 4 आरोपी गिरफ्तार

» स्थिति नियंत्रण में, भारी पुलिस बल तैनात

लोकतंत्र की शान , (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। जिला सीधी के थाना अमिलिया क्षेत्र के अंतर्गत डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती के अवसर पर निकाली जा रही रैली के दौरान उपजे विवाद और उसके पश्चात थाने पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 4 मुख्य आरोपियों को हिरासत में लेकर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। पुलिस ने उपद्रवियों के विरुद्ध विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत मामला पंजीबद्ध किया है। पुलिस के अनुसार दिनांक 14 अप्रैल 2026 को डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में अमिलिया बाजार से हटवा सभा स्थल के लिए एक रैली निकाली जा रही थी।

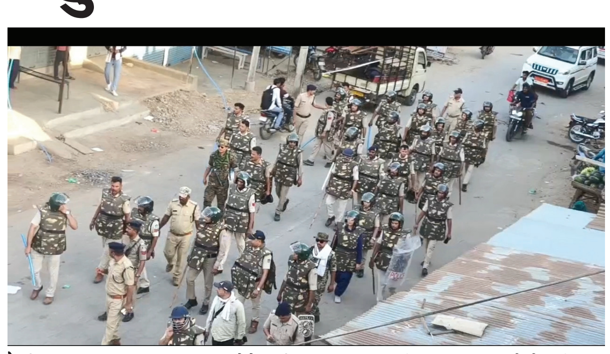

रैली जब अमिलिया हायर सेकेंडरी स्कूल के पास पहुँची, तब सडक़ किनारे खड़ी एक बोलेरो के कारण यातायात बाधित होने जाम लगने की स्थिति निर्मित हुई। इस दौरान बोलेरो चालक मनीष तिवारी और रैली में शामिल पक्ष के बीच कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। मौके पर मौजूद पुलिस बल ने तत्काल हस्तक्षेप कर स्थिति को शांत कराया और रैली को गंतव्य के लिए रवाना किया। घटना के कुछ समय पश्चात करीब 50-60 लोगों की उग्र भीड़ ने अचानक अमिलिया थाने का घेराव कर दिया। भीड़ की मांग थी कि मारपीट करने वाले दूसरे पक्ष के लोगों को तत्काल उनके हवाले किया जाए। पुलिस स्टाफ द्वारा समझाने के बावजूद भीड़ हिंसक हो गई और लाठी-डंडों व पत्थरों से थाने पर हमला कर दिया। उपद्रवियों ने थाने के अंदर घुसकर फर्नीचर, पंखे, लाइट और खिड़कियों के कांच तोड़ दिए। थाने की सुरक्षा के लिए लगे सीसीटीव्ही कैमरों और उनके तारों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। एचसीएम रूम में घुसकर शासकीय कार्य में बाधा डाली गई और तोडफ़ोड़ की गई। इस हिंसक हमले में थाने के तीन कर्मचारी घायल हुए हैं। अतिरिक्त पुलिस बल के पहुंचते ही उपद्रवी मौके से अपनी 11 मोटरसाइकिलें और 1 बोलेरो छोडक़र फरार हो गए, जिन्हें पुलिस ने जब्त कर लिया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला सीधी सहित मऊगंज, रीवा और सतना से अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया है। उक्त आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 173/2026 के तहत धाराएं 191(2), 190, 132, 121(1), 324(3), 331(5) बीएनएस एवं धारा 3,4 सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। अब तक 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। अन्य संदेही व्यक्तियों की पहचान की जा रही है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया नमन

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः मंगलवार को भारत रत्न बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की 135वीं जयंती के अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने हसनपुर मंडल में हसनपुर नगर के गजरौला अड्डा / अंबेडकर चौक स्थित भारत रत्न डॉ बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के शुभ अवसर पर माल्यार्पण किया, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हसनपुर विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी, भाजपा जिला अध्यक्ष आदरणीय उदयगिरि गोस्वामी तथा हसनपुर मंडल अध्यक्ष राजू राणा मुख्य रूप से उपस्थित रहे, इस अवसर पर युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष शिखर अग्रवाल, मंडल उपाध्यक्ष पौरुष अग्रवाल, मंडल उपाध्यक्ष अजय पाल सिंह, मंडल उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह,पूर्व मंडल अध्यक्ष अतुल गर्ग, वरिष्ठ भाजपा नेता संदीप गुप्ता , पूर्व मंडल उपाध्यक्ष महेश अग्रवाल , हर्ष अग्रवाल, बृजपाल सिंह जाटव ,विक्रम महंत जी , नरोत्तम सिंह ,चमन सागर व भारतीय जनता पार्टी के दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

सिर्फ 290 उपभोक्ताओं को ही मिलेगा गैस सिलेंडर, एजेंसियों के बाहर लगेगी नामों की सूची

एसडीएम कार्यालय में गैस एजेंसी स्वामियों की अहम बैठक, भीड़ नियंत्रण के लिए लिया गया बड़ा फैसला

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबाद। गैस उपभोक्ताओं की बढ़ती भीड़ और अव्यवस्था को देखते हुए प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। नजीबाबाद स्थित एसडीएम कार्यालय में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में सभी गैस एजेंसी स्वामियों को बुलाकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि केवल 290 उपभोक्ताओं को ही गैस सिलेंडर वितरित किए जाएंगे, और यह वितरण पूरी तरह सूची के आधार पर किया जाएगा।

एजेंसी के बाहर लगेगी सूची- गैस एजेंसियों को निर्देशित किया गया है कि जिन उपभोक्ताओं की गैस बुकिंग पहले से हो चुकी है, उनकी नामवार सूची एजेंसी के गेट पर चस्पा की जाएगी। जिस उपभोक्ता का नाम सूची में होगा, उसी को गैस सिलेंडर दिया जाएगा। सूची में नाम न होने पर किसी भी उपभोक्ता को सिलेंडर नहीं मिलेगा।

उपभोक्ताओं से अपील-प्रशासन और गैस एजेंसी संचालकों ने आम जनता से अपील की है कि बिना सूची में नाम देखे एजेंसी पर भीड़ न लगाएं। पहले सूची में अपना नाम सुनिश्चित करें, उसके बाद ही सिलेंडर लेने के लिए आएं। भीड़ नियंत्रण और व्यवस्था बनाए रखने की पहल यह फैसला मुख्य रूप से एजेंसियों के बाहर लगने वाली अनावश्यक भीड़ को नियंत्रित करने और वितरण प्रक्रिया को व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से लिया गया है, ताकि सभी पात्र उपभोक्ताओं को समय पर सुविधा मिल सके।

वर्ष की दूसरी लोक अदालत 09 मई को, तहसील न्यायालय रामपुर नैकिन में बैठक आयोजित

लोकतंत्र की शान , (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में वर्ष की द्वितीय नेशनल लोक अदालत 09 मई 2026 का आयोजन जिला न्यायालय सीधी तथा सिविल न्यायालय चुरहट, रामपुर नैकिन एवं मझौली में किया जायेगा। उक्त नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु तथा उसमें रखे जाने वाले प्रकरणों एवं आवश्यक तैयारियों के संबंध में आज दिनांक 15 अप्रैल 2026 को तहसील न्यायालय रामपुर नैकिन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी श्री प्रयाग लाल दिनकर की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में न्यायिक अधिकारियों, विभिन्न विभागों के पीठासीन अधिकारियों, अधिवक्ता संघ के समस्त पदाधिकारियों तथा अन्य अधिवक्ताओं की उपस्थिति रही। बैठक के दौरान अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण हेतु समन्वित प्रयास करने, प्रकरणों की पहचान करने तथा पक्षकारों को लोक अदालत के माध्यम से त्वरित एवं सुलभ न्याय दिलाने पर विस्तृत चर्चा की गई, तथा संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

उक्त बैठक में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी श्री मुकेश कुमार शिवहरे, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्री परमानंद सानोडिया, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्री अरहम खान, एस.डी. एम. श्री विकास आनंद, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मनीष कौशिक, सी.ई.ओ. जनपद पंचायत रामपुर नैकिन, श्री राजीव कुमार तिवारी अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष श्री यू.पी. गर्ग एवं तहसील न्यायालय के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

नोएडा बवाल- राजद की 2 महिला प्रवक्ताओं पर एफआईआर

नोएडा। नोएडा में 2 दिन हुए बवाल के बाद आज यानी बुधवार को फैक्ट्रियां खुल गई हैं। हालात सामान्य हैं। जगह-जगह फोर्स तैनात है। CCTV और ड्रोन से निगरानी की जा रही है। 16 कंपनी RAF और पीएसी लगाई गई है। नोएडा सेक्टर 63, 84, 85, 80, फेस 2 में पुलिस ने फ्लैगमार्च किया। कंपनियों के बाहर सैलरी हाईक के नोटिस चस्पा किए गए हैं। हालांकि, कुछ कंपनियों में आज छुट्टी कर दी गई है। कंपनियों ने बाहर नोटिस चिपकाकर कर्मचारियों को बताया गया कि आज कंपनी बंद रहेगी। कल के लिए सूचना आपको पहले से ही दे दी जाएगी। इस बीच, नोएडा साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में राजद की दो महिला प्रवक्ताओं कंचना यादव और प्रियंका भारती पर FIR दर्ज की गई है। आरोप है कि दोनों ने सोशल मीडिया पर भ्रामक वीडियो शेयर कर माहौल खराब करने की कोशिश की। कानून-व्यवस्था और पुलिस कर छवि खराब करने का प्रयास किया। डीएम मेधा रुपम ने कहा अगर कोई आउटसोर्सिंग एजेंसी या उसका कर्मचारी गड़बड़ी या उपद्रव करता है तो उसकी जिम्मेदारी एजेंसी की भी होगी। ऐसी स्थिति में एजेंसी को ब्लैकलिस्ट किया जा सकता है। उसका लाइसेंस भी रद्द हो सकता है। दरअसल, सैलरी बढ़ाने को लेकर सोमवार-मंगलवार को फैक्ट्री कर्मचारियों ने बवाल किया। 80 से अधिक जगहों पर पथराव किया। 350 कंपनियों में तोड़फोड़ की गई। मंत्री अनिल राजभर ने कहा- इस पूरी घटना में बड़ी साजिश की बू आ रही है। कुछ देश विरोधी ताकतें इसमें शामिल हो सकती हैं। वहीं, कंपनी मालिकों कहना है कि बाहरी लोगों ने माहौल को भड़काया। मजदूर कभी हिंसक प्रदर्शन नहीं कर सकते हैं। फिलहाल, 7 थानों में 1800 लोगों और 4 हैंडलर्स के खिलाफ 12 मुकदमा दर्ज किया गया है। 4 महिलाओं समेत 700 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

गुरुग्राम लैंड स्कैम में रॉबर्ट वाड्रा-भपेंद्र हुड्डा की बढ़ीं मुश्किलें

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम के शिकोहपुर लैंड स्कैम से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं सांसद प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा और हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। राउज एवेन्यू कोर्ट ने केस में ED की चार्जशीट पर संज्ञान लेते हुए सभी 9 आरोपियों के खिलाफ समन जारी किया है। विशेष न्यायाधीश सुशांत चांगोत्रा ने आदेश दिया है कि वाड्रा सहित सभी आरोपी 16 मई को अदालत में पेश हों। ईडी ने 17 जुलाई 2025 को रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ इस मामले में चार्जशीट दाखिल की थी। सुनवाई के दौरान वाड्रा के वकील ने कोर्ट से कहा कि वाड्रा खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का कोई मामला नहीं बनता है। वाड्रा से ईडी इस मामले में 3 बार पूछताछ कर चुकी है। बता दें कि फरवरी 2008 में रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी ने ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज से गुरुग्राम के शिकोहपुर गांव में 3.5 एकड़ जमीन 7.5 करोड़ रुपए में खरीदी थी। जमीन की यह डील उस समय हुई, जब हरियाणा में कांग्रेस की सरकार थी और भूपेंद्र सिंह हुड्डा मुख्यमंत्री थे। दस साल बाद 2018 में हरियाणा पुलिस ने रॉबर्ट वाड्रा, भूपेंद्र हुड्डा, DLF और ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज के खिलाफ FIR दर्ज की थी। इस केस में वाड्रा के साथ हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा भी आरोपी हैं। उन पर आरोप है कि मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने वाड्रा की कंपनी को मुनाफा पहुंचाया। फरवरी 2008 में रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी ने ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज से गुरुग्राम के शिकोहपुर गांव में 3.5 एकड़ जमीन 7.5 करोड़ रुपए में खरीदी थी। उसी साल, तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अगुआई वाली हरियाणा सरकार ने इस जमीन पर 2.7 एकड़ के लिए व्यवसायिक कॉलोनी विकसित करने का लाइसेंस दिया। इसके बाद कॉलोनी बनाने की जगह स्काईलाइट कंपनी ने इस जमीन को DLF को 58 करोड़ रुपए में बेच दिया, जिससे लगभग 50 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ।

काशी में डॉक्टर के लैपटॉप से मिला आतंकी कनेक्शन

वाराणसी। वाराणसी में आतंकियों को फंडिंग करने वाले डॉक्टर के घर पर यूपी-मुंबई ATS और इंटेलिजेंस ब्यूरो ने छापेमारी की। टीम डॉक्टर के घर पहुंची। उसके मोबाइल-लैपटॉप और प्रिंटर को कब्जे में लिया। इसके बाद डॉक्टर के घरवालों और बेटे से पूछताछ की। टीम करीब 7 घंटे तक डॉक्टर के घर में रही। जाते समय टीम मोबाइल, लैपटॉप और प्रिंटर भी साथ ले गई है। वहीं, डॉक्टर के बैंक अकाउंट की डिटेल में लाखों रुपए के टर्नओवर का पता चला है। साथ ही डॉक्टर का पाकिस्तानी लोगों और कश्मीर के संगठनों से कनेक्शन भी मिला है। वह कई संदिग्धों के टच में है। उन लोगों के नंबर डॉक्टर के फोन में सेव मिले हैं। रेड के दौरान डॉक्टर के घर के बाहर पुलिस फोर्स तैनात रही। इस कार्रवाई के पीछे लखनऊ में पकड़े 4 आतंकियों से मिला इनपुट बताया जा रहा है। मामला आदमपुर थाना क्षेत्र का है। वाराणसी के पठानी टोला इलाके के आदमपुर में डॉ. आरिफ अंसारी रहता है। डॉ. आरिफ अंसारी बाल रोग विशेषज्ञ है और हाजरा हॉस्पिटल चलाता है। आरिफ की पत्नी दरख्शा अंजुम गायनोलॉजिस्ट है, जो हाजरा हास्पिटल में ही प्रेक्टिस करती है। आरिफ के 3 भाई साड़ी का कारोबार करते हैं। इसके चलते उन लोगों का अक्सर बाहर आना-जाना लगा रहता है। डॉ. आरिफ अंसारी का 20 साल का बेटा अबु बकर NEET की तैयारी कर रहा है। ATS की टीम ने घर में सबसे ज्यादा देर उसी से पूछताछ की। अबु बकर के मोबाइल और लैपटॉप की भी जांच की।

बिजली के एक झटके में जिंदा जला युवक

खजुराहो। मध्य प्रदेश के खजुराहो रेलवे स्टेशन के पास स्थित 'दि खजुराहो हेरिटेज रिसोर्ट' में एक कर्मचारी की करंट लगने से मौत हो गई। यह घटना मंगलवार शाम 6 बजे छत से बंदर भगाते समय हुई। घटना का वीडियो बुधवार को सामने आया है। मृतक की पहचान खजुराहो निवासी रिंकू रैकवार के रूप में हुई। उसने आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए पांच दिन पहले ही होटल में काम शुरू किया था। वीडियो में होटल कर्मचारी रिंकू रैकवार रिसोर्ट से निकलकर आस-पास देखता है। उसे छत पर बंदर नजर आते हैं। वह दीवार के पास रखा करीब 15 फीट ऊंचा लोहे का पाइप उठाता है। वह दो बार पाइप को जमीन पर पटकता है। इसके बाद वह पाइप सीधा खड़ा कर देता है। कुछ देर बाद वह पीछे की ओर चलने लगता है। इसी दौरान पाइप हाईटेंशन लाइन से टकरा जाता है। तेज धमाके के साथ रिंकू आग की लपटों में घिरकर जमीन पर गिर जाता है। धमाके की आवाज सुनकर एक महिला कर्मचारी बाहर आती है और चीखते हुए अंदर चली जाती है। वीडियो में दिखता है कि पेट से छाती तक का हिस्सा पूरी तरह जला हुआ है। छाती से पेट तक बड़ा छेद नजर आता है। हादसे की सूचना मिलते ही बमीठा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। बुधवार सुबह पीएम के बाद शव परिजन को सौंप दिया गया। पुलिस जांच कर रही है कि छत के करीब से हाईटेंशन लाइन गुजरना नियमों के खिलाफ था या होटल प्रबंधन की लापरवाही थी।

चलती ट्रेन में फायरिंग, 2 कर्मचारियों से 7 लाख लूटे

रामपुर। यूपी के रामपुर में बुधवार सुबह 10 बजे चलती संपर्क क्रांति एक्सप्रेस ट्रेन में दो बदमाशों ने तमंचा और पिस्टल दिखकर दो कर्मचारियों से 7 लाख रुपए लूट लिए। पीड़ित उत्तराखंड के रहने वाले हैं। वे कारोबारी की दुकान के लिए ऑटोमोबाइल का सामान खरीदने दिल्ली जा रहे थे। आरोप है कि बदमाश पहले से ही ट्रेन में सवार थे। ट्रेन जैसे ही बिलासपुर के नजदीक धीमी हुई, बदमाशों ने दोनों कर्मचारियों को घेर लिया। उन्होंने दोनों कर्मचारियों को गन प्वाइंट पर लिया और उनसे लगभग 7 लाख रुपए लूट लिए। आरोप है कि भागते समय बदमाशों ने हवाई फायरिंग भी की, जिससे यात्रियों में दहशत फैल गई। इसके बाद बदमाश चलती ट्रेन से कूदकर फरार हो गए। यह घटना बिलासपुर कोतवाली क्षेत्र में हुई। व्यापार मंडल बोला- आरपीएफ जल्दी कार्रवाई करें घटना की सूचना मिलते ही रुद्रपुर रेलवे स्टेशन पर व्यापारियों की भीड़ जमा हो गई। पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने पीड़ितों से मुलाकात की। व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जुनेजा के नेतृत्व में व्यापारियों ने आरपीएफ से मिलकर आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बदमाशों की तलाश में आसपास के क्षेत्रों में लगातार दबिश दी जा रही है। सुबह दिल्ली के लिए रवाना हुए थे ऊधम सिंह नगर के रुद्रपुर की सिंह कॉलोनी स्थित जपनीत ऑटो के कर्मचारी रितिक मंडल और साहिब सिंह ऑटोमोबाइल का सामान खरीदने दिल्ली जा रहे थे। दोनों बुधवार सुबह रुद्रपुर रेलवे स्टेशन से दिल्ली के लिए रवाना हुए थे। उन्हें दिल्ली से ऑटोमोबाइल का सामान खरीदना था, जिसके लिए वे नकदी लेकर जा रहे थे।

होर्मुज के बाद अब ट्रम्प की मलक्का स्ट्रेट पर नजर

इंडोनेशिया से रक्षा करार किया, अमेरिकी सैन्य विमानों को इंडोनेशियाई इलाके में जाने की इजाजत

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

हॉर्मुज स्ट्रेट में इस समय हालात काफी तनाव भरे हैं। अमेरिका वहां ईरान से जुड़े जहाजों की गतिविधियों पर सख्ती कर रहा है। इसी बीच अमेरिका और इंडोनेशिया के बीच 13 अप्रैल को एक नया रक्षा समझौता हुआ है। इस समझौते के तहत अब अमेरिकी सैन्य विमानों को इंडोनेशिया के हवाई क्षेत्र में ज्यादा आसानी से आने-जाने की इजाजत मिल गई है। इसे आधिकारिक तौर पर दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने का कदम बताया जा रहा है, लेकिन इसकी टाइमिंग को लेकर सवाल उठ रहे हैं। यह डील ऐसे समय हुई है जब US ने ईरान पर दबाव बढ़ाने के लिए होर्मुज में नाकाबंदी शुरू कर दी है। इसके बाद तेल सप्लाई लगभग ठहर गई और कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि अमेरिका ने मलक्का स्ट्रेट पर नजर रखने के लिए यह करार किया है।

होर्मुज के बाद मलक्का पर फोकसः मलक्का स्ट्रेट दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री रास्तों में से एक है। यह वही रास्ता है जो हिंद महासागर को पूर्वी एशिया से जोड़ता है और दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री रास्तों में से एक है। यहां से करीब 40% वैश्विक व्यापार और लगभग 30% तेल सप्लाई गुजरती है। इसकी भौगोलिक स्थिति इसे खास बनाती है। फिलिप चैनल पर इसकी चौड़ाई 3 किलोमीटर है, जो इसे बड़ा बॉटलनेक बनाती है। यह होर्मुज से करीब नौ गुना ज्यादा संकरा है। मलक्का स्ट्रेट पर इंडोनेशिया, मलेशिया और सिंगापुर का कंट्रोल है। इस रास्ते से दुनिया का बहुत बड़ा व्यापार गुजरता है। यही वजह है कि इस इलाके में कोई भी हलचल सीधे तौर पर वैश्विक व्यापार को प्रभावित कर सकती है। US-इंडोनेशिया डील के बाद एक्सपर्ट्स का मानना है कि अमेरिका इंडो-पैसिफिक में बड़े समुद्री रास्तों को सुरक्षित करने की रणनीति पर काम कर रहा है। अमेरिकी एक्सपर्ट्स और पूर्व सैनिकों ने कहा है कि दुनिया के चोकपॉइंट्स पर US अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है।

लेबनान-इजराइल वार्ता का पहला दौर समाप्त, युद्धविराम पर सहमति नहीं

एजेंसी, वॉशिंगटन

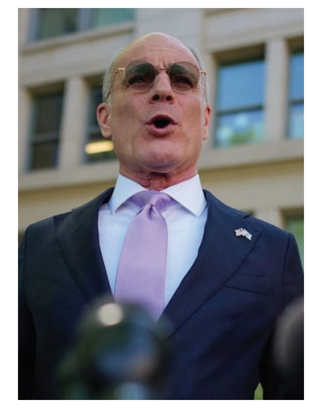

इजराइल और लेबनान के बीच अमेरिका की मध्यस्थता में चल रही सीधी बातचीत का पहला दौर समाप्त हो गया है। करीब तीन दशक बाद हुई इस प्रत्यक्ष वार्ता को क्षेत्र में शांति बहाली की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है, हालांकि फिलहाल युद्धविराम पर कोई ठोस सहमति नहीं बन सकी है।

अमेरिका में इजराइल के राजदूत येचिएल लेइटर ने लेबनानी राजदूत नादा हमादेह के साथ हुई दो घंटे की बैठक को "बेहद सकारात्मक" बताया। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के बीच कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों और सुझावों पर चर्चा हुई है, जिन्हें अब अपनी-अपनी सरकारों के सामने रखा जाएगा।

हालांकि, युद्धविराम के सवाल पर इजराइल ने स्पष्ट रुख अपनाते हुए किसी भी प्रतिबद्धता से इनकार कर दिया। लेइटर ने कहा कि उनकी प्राथमिकता केवल इजराइल के नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है और जब तक सीमा पार से हमले जारी रहेंगे, तब तक सैन्य कार्रवाई रोकी नहीं जाएगी।

उन्होंने हिज्बुल्लाह को कमजोर बताते हुए कहा कि इजराइल अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा। साथ ही उन्होंने यह भी संकेत दिया कि भविष्य में लेबनान और इजराइल के बीच बेहतर और औपचारिक संबंध बनने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

लेबनान की सरकारी एजेंसी के अनुसार, यह वार्ता सीमा पर बढ़ते तनाव को कम करने और स्थायी समाधान की दिशा में एक शुरुआती प्रयास है। दोनों पक्ष आने वाले हफ्तों में फिर से बातचीत के लिए मिल सकते हैं।

इस वार्ता से भले ही तुरंत युद्धविराम का रास्ता नहीं निकला हो, लेकिन संवाद की बहाली अपने आप में एक सकारात्मक संकेत है, जो भविष्य में शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ा सकता है।

अमरावती यौन उत्पीड़न के आरोपी के घर बुलडोजर चलाया

एजेंसी, अमरावती

महाराष्ट्र में अमरावती जिले के परतवाड़ा में लड़कियों के यौन शोषण के मुख्य आरोपी मोहम्मद अयाज उर्फ तनवीर के घर पर प्रशासन ने बुधवार को बुलडोजर चलाया। जांच के लिए प्रशासन ने 46 सदस्यीय विशेष जांच दल (SIT) बनाया है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में तनवीर समेत 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ये आरोपी लड़कियों को फंसाते थे, फिर उन्हें मुंबई और पुणे ले जाकर अश्लील वीडियो बनाते थे। पुलिस ने इन चारों आरोपियों को आज कोर्ट में पेश किया। जहां उन्हें सात दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है। दावा है कि आरोपियों के पास 350 से ज्यादा अश्लील वीडियो मिले हैं, जिनसे वह लड़कियों को ब्लैकमेल कर रहे थे। अब तक किसी ने शिकायत नहीं की पुलिस ने बताया कि अब तक किसी भी पीड़ित ने शिकायत के लिए सीधे संपर्क नहीं किया है। पुलिस ने पीड़ितों और उनके परिवारों से आगे आकर जांच में सहयोग करने की अपील की है। साथ ही उनकी पहचान सुरक्षित रखने का आश्वासन दिया है। तनवीर को 11 अप्रैल को हिरासत में लिया गया, जब उसके साथ कुछ महिलाओं और लड़कियों के अश्लील फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए।

केजरीवाल बोले-जज के बच्चे सॉलिसिटर-जनरल के साथ काम करते हैं, ऐसे में जज उनके खिलाफ आदेश कैसे दे पाएंगी

एजेंसी, नई दिल्ली

नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल ने शराब घोटाला केस की सुनवाई कर रहीं जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा को फिर से हटाने की मांग की है। केजरीवाल ने बुधवार को जस्टिस कांता की अदालत में एक और हलफनामा दायर किया है। इसमें केजरीवाल ने जज के दो बच्चों के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के साथ काम करने का मुद्दा उठाया है। केजरीवाल ने लिखा- जज के दोनों बच्चे तुषार मेहता के साथ काम करते हैं। तुषार मेहता उनके बच्चों को केस सौंपते हैं। तुषार मेहता CBI की तरफ से पेश होने वाले वकील हैं। ऐसे में, जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा तुषार मेहता के खिलाफ आदेश कैसे जारी कर पाएंगी? इससे पहले 13 अप्रैल को सुनवाई के दौरान केजरीवाल ने कहा था कि जस्टिस शर्मा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद के कार्यक्रम में 4 बार शामिल हो चुकी हैं। ऐसे में उन्हें केस से हटाया जाए।

ट्रायल कोर्ट ने 27 फरवरी को आबकारी नीति मामले में केजरीवाल और 22 अन्य आरोपियों को बरी कर दिया था। इस आदेश को CBI ने चुनौती दी, जिसकी सुनवाई वर्तमान में जस्टिस शर्मा कर रही हैं। 9 मार्च को जस्टिस शर्मा ने नोटिस जारी किया और उस आदेश के उस हिस्से पर रोक लगा दी, जिसमें जांच अधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की बात कही गई थी। उन्होंने प्रारंभिक तौर पर यह भी कहा कि ट्रायल कोर्ट की कुछ टिप्पणियां गलत थीं और ट्रायल कोर्ट को PMLA (मनी लॉन्ड्रिंग) की कार्यवाही स्थगित करने का निर्देश दिया। इसके बाद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, दुर्गेश पाठक, विजय नायर, अरुण पिल्लई और चनप्रीत सिंह रायट ने जस्टिस शर्मा को हटाने की अर्जी दाखिल की।

♦ सीबीआई के वकील हैं तुषार मेहता

चीनी टैंकर होर्मुज पर अमेरिकी नाकाबंदी तोड़ने में नाकाम

मेथेनॉल लेकर यूएई से आ रहा था, अमेरिकी वॉरशिप की चेतावनी के बाद मुड़ा

एजेंसी, तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

अमेरिकी प्रतिबंध झेल रहा चीनी टैंकर रिच स्टैरी बुधवार को फिर से होर्मुज में अमेरिकी नाकाबंदी नहीं तोड़ पाया। यह टैंकर संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के हमरियाह पोर्ट से चला था। वहां से इसमें करीब 2.5 लाख बैरल मेथेनॉल लोड किया था। यह टैंकर खाड़ी से निकलने की कोशिश कर रहा था। लेकिन होर्मुज के आगे अमेरिकी नाकाबंदी की वजह से इसे वापस लौटना पड़ा। इससे पहले भी इस टैंकर ने मंगलवार को होर्मुज पार करने की कोशिश की थी। रॉयटर्स के मुताबिक एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को अमेरिकी युद्धपोत ने दो तेल टैंकरों को रोक दिया, जो ओमान की खाड़ी में स्थित ईरान के चाबहार बंदरगाह से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे। रिच स्टैरी और इसकी मालिक कंपनी शंघाई जुआनरन शिपिंग पर अमेरिका ने 2023 से प्रतिबंध लगा रखा है, क्योंकि वे ईरान के साथ व्यापार कर रहे थे।

अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने कहा है कि ईरानी तेल की बिक्री के लिए दी गई अस्थायी छूट अब कुछ दिनों में खत्म हो जाएगी और इसे आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। यूरोपीय देश युद्ध के बाद होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही फिर से सामान्य करने के लिए एक बड़े अंतरराष्ट्रीय गठबंधन की योजना बना रहे हैं। खास बात यह है कि इस प्रस्तावित मिशन में अमेरिका को शामिल नहीं किया गया है। कनाडा ने लेबनान के लिए 40 मिलियन डॉलर (करीब 330 करोड़ रुपए) की मदद का ऐलान किया है। यह मदद अंतरराष्ट्रीय संगठनों के जरिए पहुंचाई जाएगी। हिजबुल्लाह ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों ने पिछले 24 घंटों में 34 सैन्य हमले किए हैं।

सबरीमाला मैनेजमेंट बोला- अयप्पा मंदिर रेस्टोरेंट नहीं, यहां ब्रह्मचारी देवता, महिलाएं क्यों आना चाहती हैं

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- करोड़ों की आस्था को गलत ठहराना मुश्किल

केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री को लेकर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि करोड़ों लोगों की आस्था को गलत ठहराना सबसे मुश्किल कामों में से एक है। साथ ही यह भी कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर धर्म को खोखला नहीं किया जा सकता।

सबरीमाला मंदिर का मैनेजमेंट देखने वाले त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (TDB) के एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने जनहित याचिका (PIL) पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा- क्या कोई बाहरी व्यक्ति किसी धर्म या संप्रदाय की प्रथा को सीधे अनुच्छेद 32 के तहत चुनौती दे सकता है?

इसी तरह, जस्टिस सुंदरेश ने सवाल उठाया कि क्या अदालत करोड़ों लोगों के प्रतिनिधियों को सुने बिना ऐसे मुद्दों पर फैसला कर सकती है? जस्टिस नागरत्ना ने भी कहा कि अगर याचिकाकर्ता उस धर्म का नहीं है तो उसकी PIL को मंजूरी नहीं दी जानी चाहिए। केरल हाईकोर्ट ने 1991 में सबरीमाला में 10 से 50 साल की महिलाओं की एंट्री पर बैन लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में इसे भेदभावपूर्ण बताते हुए बैन हटा दिया। इसके बाद दायर पुनर्विचार याचिकाओं के आधार पर 7 महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रश्न तय किए गए हैं, जिन पर अब बहस हो रही है।

सबरीमाला मामले पर 7 अप्रैल से शुरू हुई सुनवाईः सबरीमाला मंदिर मामले पर 7 अप्रैल से सुनवाई शुरू हुई है। पहले 3 दिन, 9 अप्रैल तक सुनवाई हुई। इस दौरान भी महिलाओं की एंट्री के विरोध में दलीलें रखी गईं। केंद्र सरकार ने कहा था कि देश के कई देवी मंदिरों में पुरुषों की एंट्री भी बैन है, इसलिए धार्मिक परंपराओं का सम्मान किया जाना चाहिए।

पानीपत में 12वीं का छात्र लापता, नहर किनारे मिली स्कूटी, बेग व रिवॉल्वर

एजेंसी, पानीपत

हरियाणा के पानीपत के समालखा में नारायण से नामुंडा नहर के पुल के पास बुधवार सुबह एक स्कूटी, रिवॉल्वर और बैग मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह सामान समालखा के डेयरी संचालक अनिल के 16 वर्षीय बेटे का है, जो मंगलवार शाम से लापता है।

पुलिस के अनुसार, 12वीं के छात्र का मंगलवार शाम को ट्यूशन पर दूसरे लड़कों के साथ झगड़ा हुआ था। झगड़े के दौरान उसने अपने पिता की लाइसेंसी रिवॉल्वर से दो फायर भी किए। हालांकि, किसी को गोली नहीं लगी। शाम को यह मामला पुलिस चौकी में भी पहुंचा। यहां दोनों पक्षों के बीच फिर झगड़ा हुआ। इसके बाद लड़का गायब हो गया। आज सुबह उसकी स्कूटी समालखा में नारायण से नामुंडा नहर के पुल के पास खड़ी मिली। स्कूटी में चाबी भी लगी हुई थी। पास में ही रिवॉल्वर और उसका बैग रखा था। लड़के की नहर में कूदने की आशंका है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस और गोताखोर मौके पर पहुंचे। नहर में लड़के की तलाश की जा रही है।

बुधवार सुबह सैर पर निकले एक राहगीर ने देखा कि नहर किनारे स्कूटी चालू खड़ी है। स्कूटी के पास ही एक बैग और रिवॉल्वर देख उसने तुरंत पुलिस को सूचना दी, सूचना मिलते ही समालखा थाना प्रभारी दीपक कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस जांच में सामने आया कि रिवॉल्वर से दो फायर हुए थे।

2029 से लागू होगा महिला आरक्षण लोकसभा की सीटें 850 होंगी

एजेंसी, नई दिल्ली

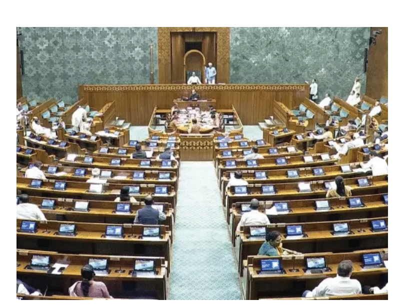

♦ जनगणना-परिसीमन से तय होंगी लोकसभा और विधानसभा की सीटें

सरकार ने 2029 के लोकसभा चुनावों से महिला आरक्षण अधिनियम लागू करने के लिए लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव रखा है। सूत्रों के अनुसार, 815 सीटें राज्यों के लिए और बाकी 35 सीटें केंद्र शासित प्रदेशों के लिए प्रस्तावित हैं। 850 में से 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। वर्तमान में लोकसभा में 543 सीटें हैं। सरकार 16, 17 और 18 अप्रैल को संसद के विशेष सत्र में 2029 से लोकसभा में 33% महिला आरक्षण लागू करने के लिए संविधान संशोधन विधेयक लाने की योजना बना रही है। सरकार ने मंगलवार को संविधान (131वां संशोधन) बिल, परिसीमन विधेयक (संशोधन) बिल और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) बिल, 2026 ड्राफ्ट सभी सांसदों को भेजे हैं। पीएम मोदी 17 अप्रैल को बहस का जवाब दे सकते हैं। इन बदलावों को 2029 के आम चुनाव से लागू करने की योजना है। हालांकि इस पर विरोध भी शुरू हो गया है। तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने पीएम मोदी को चिट्ठी लिखकर कहा कि दक्षिणी राज्यों को सीटें बढ़ाना मंजूर नहीं।

सीटें कितने बढ़ेंगीः लोकसभा सीटें 543 से बढ़ाकर अधिकतम 850 हो जाएंगी। राज्यों में 815 व केंद्र शासित क्षेत्रों के लिए 35 सीटें। इस बदलाव का असर राज्यसभा और देश की सभी विधानसभाओं पर भी होगा। यहां भी सीटें की संख्या बदल जाएंगी। कुल सीटों में से 33% यानी 273 महिलाओं के लिए आरक्षित हो सकती हैं। महिलाओं के लिए यह आरक्षण 15 साल के लिए होगा। यानी 2029, 2034 और 2039 के लोकसभा चुनावों तक। इसके बाद इसे बढ़ाने का फैसला संसद करेगी।

आरक्षित सीटें हर चुनाव में बदलती रहेंगी, ताकि महिलाओं का हर जगह प्रतिनिधित्व मिल सके। इसमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए भी आरक्षण शामिल होगा। ये आरक्षित सीटें अलग-अलग क्षेत्रों में रोटेशन के आधार पर तय की जाएंगी।

होर्मुज़ संकट 2026-अमेरिकी नाकेबंदी, चीनी चुनौती और वैश्विक शक्ति- संतुलन का निर्णायक मोड़- बदलते वैश्विक परिदृश्य में एक विस्फोटक संकट -समग्र विश्लेषण

लोकतंत्र की शान

» होर्मुज़ नाकेबंदी स्थिति केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कानून,ऊर्जा सुरक्षा और महाशक्तियों के बीच वर्चस्व की लड़ाई का प्रतीक बन चुकी है

» अमेरिका और चाइना के बीच होर्मुज़ में बढ़ता तनाव एक नए शीत युद्ध की आहट-मोदी ट्रंप बातचीत, भारत के लिए अवसर,वैश्विक मंच पर अपनी भूमिका को और मजबूत करे -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर पश्चिम एशिया में 15 अप्रैल 2026 को उत्पन्न घटनाक्रम ने वैश्विक राजनीति को एक बार फिर अस्थिरता के मोड़ पर ला खड़ा किया है। स्ट्रैट ऑफ़ होर्मूज़ पर अमेरिकी नाकेबंदी,चीनी टैंकरों की सक्रियता,ईरान-अमेरिका के बीच तनाव औरइस्लामाबाद में असफल कूटनीतिक वार्ताओं ने मिलकर एक ऐसा संकट पैदा कर दिया है,जिसका प्रभाव केवल क्षेत्रीय नहीं बल्कि वैश्विक है।यह स्थिति केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन नहीं,बल्कि अंतरराष्ट्रीय कानून,ऊर्जा सुरक्षा और महाशक्तियों के बीच वर्चस्व की लड़ाई का प्रतीक बन चुकी है। इस पूरे घटनाक्रम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि 21वीं सदी की राजनीति अब केवल संवाद से नहीं, बल्कि शक्ति-संतुलन और रणनीतिक दबाव से संचालित हो रही है। एडवोकेट किस सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क्रि इस बीच भारतीय पीएम और अमेरिकी राष्ट्रपति 14 अप्रैल 2026 को हुई 40 मिनट की बातचीत इस संकट के बीच भारत की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाती है।भारत,जो ऊर्जा आयात पर निर्भर है,इस स्थिति से सीधे प्रभावित हो सकता है। इस वार्ता में ऊर्जा सुरक्षा, क्षेत्रीय स्थिरता और रणनीतिक साझेदारी जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। भारत ने हमेशा संतुलन कारी नीति अपनाई है और इस संकट में भी वह कूटनीतिक समाधान की दिशा में प्रयास कर सकता है। यह भारत के लिए एक अवसर भी है कि वह वैश्विक मंच पर अपनी भूमिका को और मजबूत करे। साथियों बात अगर हम होर्मुज़ का भू-राजनीतिक महत्व ऊर्जा की जीवनरेखा पर नियंत्रण को समझने की करें तो, स्ट्रैट ऑफ़ होर्मूज़ विश्व की ऊर्जा आपूर्ति का सबसे महत्वपूर्ण मार्ग है, जहां से प्रतिदिन लगभग 20 प्रतिशत वैश्विक तेल और गैस का परिवहन होता है। यह जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ता है और इसके दोनों ओर ईरान और ओमान स्थित हैं। इस क्षेत्र पर नियंत्रण का अर्थ है वैश्विक ऊर्जा बाजार पर प्रभाव, और यही कारण है कि अमेरिका, चीन और ईरान जैसे देश यहां अपनी रणनीतिक उपस्थिति बनाए रखते हैं। होर्मुज़ पर किसी भी प्रकार की नाकेबंदी या सैन्य गतिविधि का सीधा असर तेल की कीमतों, वैश्विक व्यापार और आर्थिक स्थिरता पर पड़ता है, जिससे यह क्षेत्र विश्व राजनीति का केंद्र बन जाता है। साथियों बात अगर हमअमेरिकी नाकेबंदीः रणनीतिक दबाव या अंतरराष्ट्रीय विवाद इसको समझने की करें तो अमेरिका ने यूनाइटेड स्टेट्स नेवी के माध्यम से ईरानी पोर्ट्स पर दबाव बनाने के लिए नाकेबंदी लागू की, जिसमें 10,000 से अधिक सैनिक, कई युद्धपोत और दर्जनों एयरक्राफ्ट शामिल किए गए। इस नाकेबंदी का उद्देश्य ईरान को उसके परमाणु कार्यक्रम और क्षेत्रीय गतिविधियों के कारण आर्थिक और सामरिक रूप से कमजोर करना था। हालांकि, इस कदम ने अंतरराष्ट्रीय कानूनों पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं, क्योंकि किसी भी अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग में एकतरफा नाकेबंदी को वैध नहीं माना जाता। यूरोपीय देशों ने भी इस कदम का समर्थन नहीं किया, जिससे अमेरिका की कूटनीतिक स्थिति कमजोर हुई और यह स्पष्ट हुआ कि यह कदम केवल सामरिक नहीं, बल्कि राजनीतिक जोखिम से भी भरा हुआ है। साथियों बात अगर हम ट्रंप की रणनीतिः सफलता और विफलता का मिश्रण इसको समझने की करें तो, ट्रम्प द्वारा लागू की गई नाकेबंदी रणनीति को पूरी तरह सफल या विफल कहना कठिन है। एक ओर जहां कई जहाजों को वापस लौटना पड़ा और ईरान को भारी आर्थिक नुकसान हुआ, वहीं दूसरी ओर कुछ टैंकर नाकेबंदी को पार करने में सफल भी रहे। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह रणनीति आंशिक रूप से प्रभावी है,लेकिन इसमें कई कमजोरियां भी हैं।इसके अलावाअंतरराष्ट्रीय समर्थन की कमी और कानूनी विवादों ने इस योजना की विश्वसनीयता को प्रभावित किया है। इस स्थिति में ट्रंप प्रशासन को अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता हो सकती है, ताकि वह अधिक प्रभावी और वैध तरीके से अपने उद्देश्यों को सटीक रूप से प्राप्त कर सके। साथियों बात अगर हम चीनी टैंकर की चुनौतीः वैश्विक शक्ति संतुलन का संकेत इसको समझने की करें तो 15 अप्रैल 2026 को चीनी टैंकर रिच स्टैरी अमेरिकी नाकेबंदी को पार करने में असफल रहा,जबकि एक दिन पहले वह सफलता पूर्वक गुजर गया था। यह घटना न केवल अमेरिकी रणनीति की सीमाओं को दर्शाती है, बल्कि चाइना की बढ़ती वैश्विक भूमिका का भी संकेत देती है। यह टैंकर यूनाइटेड अरब अमीरात के हमरियाह पोर्ट से चला था और इसमें भारी मात्रा में मेथेनॉल लोड था। चीन का यह कदम स्पष्ट करता है कि वह अमेरिकी प्रतिबंधों और दबावों को चुनौती देने के लिए तैयार है और अपने ऊर्जा हितों की रक्षा के लिए जोखिम उठाने को भी तैयार है। यह घटना एक बड़े भू-राजनीतिक संघर्ष की ओर संकेत करती है, जिसमें आर्थिक हित और रणनीतिक प्रभुत्व दोनों शामिल हैं। साथियों बात अगर हम अमेरिका बनाम चीनःएक नए शीत युद्ध की आहट को समझने की करें तो यूनाइटेड स्टेट्स और चाइना के बीच होर्मुज़ में बढ़ता तनाव एक नए शीत युद्ध की शुरुआत का संकेत दे रहा है। यह संघर्ष केवल सैन्य नहीं, बल्कि आर्थिक और तकनीकी भी है। चीन, ईरान के साथ अपने संबंधों को मजबूत कर रहा है, जबकि अमेरिका अपने प्रतिबंधों और सैन्य शक्ति के माध्यम से उसे रोकने की कोशिश कर रहा है। यह टकराव वैश्विक शक्ति संतुलन को बदल सकता है और आने वाले वर्षों में अंतरराष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय कर सकता है। इस संघर्ष में अन्य देश भी अपनी-अपनी रणनीतियों के साथ शामिल हो सकते हैं, जिससे यह स्थिति और बहुत हीजटिल हो सकती है। साथियों बात अगर हम 1953 का ऐतिहासिक संदर्भः अतीत की छाया को समझने की करें तो 1953 ईरानीयन कपल डीटट का उल्लेख इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह दर्शाता है कि ईरान पर बाहरी दबाव और हस्तक्षेप कोई नई बात नहीं है। उस समय भी तेल और सत्ता के लिए संघर्ष हुआ था, और आज भी वही मुद्दे केंद्र में हैं। अंतर केवल इतना है कि अब इस संघर्ष में चीन जैसे नए खिलाड़ी शामिल हो गए हैं, जिससे स्थिति और जटिल हो गई है। यह ऐतिहासिक संदर्भ यह भी बताता है कि ऐसे संघर्षों का समाधान केवल सैन्य शक्ति से नहीं, बल्कि कूटनीति और सहयोग से ही संभव है। साथियों बात अगर हम इस्लामाबाद वार्ता की विफलताः कूटनीति की सीमाएं इसको समझने की करें तो इस्लामाबाद में हुई अमेरिका-ईरान वार्ता, जिसे जेडी वैन्स ने नेतृत्व किया, 21 घंटे तक चली लेकिन अंततः असफल रही। इस विफलता का मुख्य कारण ईरान का अपने परमाणु कार्यक्रम पर समझौता करने से इनकार और अमेरिका की कठोर शर्तें थीं। इस असफलता ने यह स्पष्ट कर दिया कि वर्तमान परिस्थितियों में कूटनीति की सीमाएं हैं और दोनों पक्षों के बीच विश्वास की कमी है। इस स्थिति में नाकेबंदी जैसे कठोर कदमों का सहारा लिया गया, जिसने तनाव को और बढ़ा दिया। साथियों बात अगर हम वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रभावः ऊर्जा संकट और बाजार अस्थिरता इसको समझने की करें तो होर्मुज़ संकट का सबसे बड़ा प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ा है। तेल की कीमतें अचानक बढ़कर $100 प्रति बैरल से ऊपर चली गईं, जिससे कई देशों की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक ने भी वैश्विक विकास दर में गिरावट की चेतावनी दी है। एयरलाइंस और अन्य उद्योगों को बढ़ती लागत का सामना करना पड़ रहा है, जबकि ओपेक बाजार में अस्थिरता बनी हुई है। यह स्थिति दर्शाती है कि एक क्षेत्रीय संघर्ष कैसे वैश्विक आर्थिक संकट में बदल सकता है और यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता को भी रेखांकित करता है। <साथियों बात अगर हम संभावित भविष्यः युद्ध, कूटनीति या गतिरोध इसको समझने की करें तो वर्तमान स्थिति तीन संभावित दिशाओं में विकसित हो सकती है। पहला, यदि तनाव बढ़ता है, तो यह सैन्य संघर्ष में बदल सकता है, जिसमें अमेरिका और ईरान के बीच सीधा टकराव संभव है। दूसरा, यदि कूटनीतिक प्रयास सफल होते हैं, तो एक समझौता हो सकता है, जिससे स्थिति सामान्य हो सकती है। तीसरा, यह स्थिति लंबे समय तक गतिरोध में भी बदल सकती है, जहां नाकेबंदी जारी रहे लेकिन कोई निर्णायक परिणाम न निकले। इन तीनों संभावनाओं में से कौन-सी वास्तविकता बनेगी, यह आने वाले दिनों में होने वाली घटनाओं पर निर्भर करेगा। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क्रि अधूरी जीत और बढ़ती अनिश्चितता होर्मुज़ में अमेरिकी नाकेबंदी न तो पूरी तरह सफल है और न ही पूरी तरह विफल। यह एक ऐसी स्थिति है, जिसमें सभी पक्ष कुछ हद तक सफल और कुछ हद तक असफल रहे हैं। अमेरिका ने दबाव बनाया, लेकिन पूर्ण नियंत्रण हासिल नहीं कर पाया। चीन ने चुनौती दी, लेकिन पूरी तरह सफल नहीं हुआ। ईरान ने प्रतिरोध किया, लेकिन उसे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। यह स्थिति वैश्विक शक्ति संतुलन, ऊर्जा सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय कानून के भविष्य को प्रभावित कर सकती है। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या यह संकट कूटनीति के माध्यम से सुलझता है या यह एक बड़े संघर्ष का रूप ले लेता है।

-संकलनकर्ता लेखक - क्रर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यम सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र 9284141425

संपन्न दुनिया, असंतुष्ट मानवता -फिर गांधी का समय”

लेखक- भूपेन्द्र गुप्ता

आज जब हम 21वीं सदी के तीसरे दशक में खड़े हैं, तो एक कठोर सच्चाई हमें झकझोरती है—यह दुनिया जितनी समृद्ध कभी नहीं रही, उतनी ही असमान और असंतुष्ट भी कभी नहीं रही। विज्ञान ने चमत्कार किए हैं, तकनीक ने सीमाएँ तोड़ी हैं, और उत्पादन ने रिकॉर्ड बनाए हैं। फिर भी, भूख है, भय है, युद्ध है और भीतर एक गहरा असंतोष है। सवाल उठता है—आख़िर क्यों? संयुक्त राष्ट्र और विभिन्न वैश्विक संस्थाओं की रिपोर्टें बताती हैं कि दुनिया में इतना खाद्यान्न उत्पादन होता है कि हर व्यक्ति को पर्याप्त भोजन मिल सकता है। ऊर्जा के क्षेत्र में भी अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। फिर भी, करोड़ों लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवन जी रहे हैं। यह विरोधाभास हमें एक ही निष्कर्ष तक ले जाता है—समस्या संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि उनके असमान वितरण और हमारी सोच की विकृति है। इसी संदर्भ में महात्मा गांधी का दर्शन आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठता है। गांधी जी ने स्पष्ट कहा था—“पृथ्वी हर व्यक्ति की आवश्यकता को पूरा कर सकती है, लेकिन हर व्यक्ति के लालच को नहीं।” यह केवल एक कथन नहीं, बल्कि आज के वैश्विक संकट का सटीक विश्लेषण है। आज का मानव “आवश्यकता” से नहीं, बल्कि “अतृप्त इच्छाओं” से संचालित हो रहा है। राष्ट्र अपनी सीमाओं की सुरक्षा से आगे बढ़कर संसाधनों पर नियंत्रण की होड़ में लगे हैं। ऊर्जा, जल और खनिज—ये अब जीवन के साधन नहीं, बल्कि शक्ति के प्रतीक बन गए हैं। हाल के वैश्विक संघर्षों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि संसाधनों पर वर्चस्व की यह लड़ाई कितनी विनाशकारी हो सकती है। हमारी आर्थिक व्यवस्था भी इस असंतुलन को गहरा करती है। जब विकास का केंद्र “मुनाफा” बन जाता है और “मानव” पीछे छूट जाता है, तब समृद्धि कुछ हाथों में सिमट जाती है। बड़ी कंपनियाँ और शक्तिशाली वर्ग संसाधनों पर अधिकार जमा लेते हैं, जबकि आम जन संघर्ष करता रह जाता है। यह केवल आर्थिक विफलता नहीं, बल्कि नैतिक पतन है। गांधी जी का “अपरिग्रह” हमें इसी संकट से बाहर निकलने का मार्ग दिखाता है। अपरिग्रह का अर्थ है—संतुलित जीवन, सीमित उपभोग और दूसरों के अधिकारों के प्रति संवेदनशीलता। यदि व्यक्ति, समाज और राष्ट्र इस सिद्धांत को अपनाएँ, तो संसाधनों पर अनावश्यक दबाव कम हो सकता है और संतुलन स्थापित हो सकता है। इसके साथ ही, गांधी जी का “ट्रस्टीशिप” का सिद्धांत आज के कॉर्पोरेट और आर्थिक ढांचे के लिए एक क्रांतिकारी विचार प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा था कि जिनके पास अधिक संपत्ति है, वे उसके मालिक नहीं, बल्कि संरक्षक हैं। यदि यह भावना विकसित हो जाए, तो संपत्ति का उपयोग केवल व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं, बल्कि समाज के कल्याण के लिए किया जा सकता है। आज दुनिया को केवल नीतिगत सुधारों की नहीं, बल्कि नैतिक पुनर्जागरण की आवश्यकता है। हमें “मैं और मेरा” की सीमाओं को तोड़कर “हम और हमारा” की ओर बढ़ना होगा। जब तक हम स्वयं को एक वैश्विक परिवार का हिस्सा नहीं मानेंगे, तब तक शांति और संतुलन की कल्पना अधूरी रहेगी। सरकारों को ऐसी नीतियाँ बनानी होंगी जो शिक्षा, स्वास्थ्य और न्यूनतम जीवन स्तर को हर व्यक्ति का अधिकार बनाएँ। लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण है—व्यक्तिगत स्तर पर परिवर्तन। हमें अपने उपभोग, अपनी आवश्यकताओं और अपनी जीवनशैली पर पुनर्विचार करना होगा। क्या हमें वास्तव में उतना ही चाहिए जितना हम इकट्ठा कर रहे हैं? या हम अनजाने में किसी और के हिस्से को छीन रहे हैं? आज का समय हमें एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा करता है। एक ओर वह मार्ग है जो हमें और अधिक प्रतिस्पर्धा, असमानता और संघर्ष की ओर ले जाता है। दूसरी ओर वह मार्ग है जो संतुलन, सहयोग और शांति की ओर जाता है। यह चयन हमें करना है। यदि हम गांधी के विचारों को केवल पुस्तकों तक सीमित न रखकर उन्हें अपने जीवन और नीतियों में उतारें, तो एक नई दुनिया की शुरुआत हो सकती है—एक ऐसी दुनिया जहाँ संपन्नता का अर्थ केवल संग्रह नहीं, बल्कि साझा करना हो; जहाँ विकास का उद्देश्य केवल आगे बढ़ना नहीं, बल्कि सबको साथ लेकर चलना हो।

हाथियों की विरासतः जैव विविधता और पर्यावरण का अनमोल हिस्सा

लेखक- सुनील कुमार महला

पृथ्वी के सबसे बुद्धिमान, विशालकाय और सामाजिक जीवों में से एक हाथी को ‘पारिस्थितिकी तंत्र का इंजीनियर’ कहा जाता है। इनके संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने और इनके घटते अस्तित्व को बचाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 16 अप्रैल को ‘हाथी बचाओ दिवस’ मनाया जाता है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि वर्तमान समय में हाथी अनेक गंभीर खतरों का सामना कर रहे हैं, जिनमें अवैध शिकार (विशेषकर हाथीदांत के लिए), वनों की कटाई, प्राकृतिक आवास का विनाश, मानव-हाथी संघर्ष तथा जलवायु परिवर्तन प्रमुख हैं। हाथी जंगलों, घासभूमियों और जल स्रोतों के संतुलन में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए उनका संरक्षण पारिस्थितिकी तंत्र के लिए अनिवार्य है। पाठकों को जानकारी देता चलूं कि हाथी पारिस्थितिकी तंत्र(इको-सिस्टम) को कई तरीकों से समृद्ध करते हैं।मसलन, वे फलों और पौधों को खाकर लंबी दूरी तय करते हैं और अपने मल(लीद) के माध्यम से बीजों का प्रसार करते हैं, जिससे नए पौधों का विकास होता है और वनों का विस्तार बना रहता है। घने जंगलों में चलते समय वे टहनियाँ और झाड़ियाँ तोड़ते हैं, जिससे वन का घनत्व कम होता है और सूर्य का प्रकाश जमीन तक पहुँचता है, जिससे छोटे पौधों और घास को बढ़ने का अवसर मिलता है और जैव विविधता बनी रहती है। सूखे के समय हाथी अपनी सूंड और पैरों से जमीन खोदकर पानी निकालते हैं, जिससे बने गड्ढे अन्य जानवरों के लिए भी जल स्रोत बन जाते हैं। इसके अलावा हाथियों के चलने से प्राकृतिक मार्ग (कॉरिडोर) बनते हैं, जो अन्य जीवों की आवाजाही को सरल बनाते हैं। उनका मल मिट्टी को पोषक तत्व प्रदान कर उसे उर्वर बनाता है और पौधों की वृद्धि में सहायक होता है। बहरहाल, यदि हम यहां पर हाथियों से संबंधित आंकड़ों की बात करें तो भारत में हाथियों की उपस्थिति मुख्य रूप से कर्नाटक, असम, केरल, तमिलनाडु और ओडिशा में पाई जाती है। प्रोजेक्ट एलिफेंट (2017) के अनुसार भारत में लगभग 29,000–30,000 जंगली हाथियों का अनुमान था, जबकि 2025 की नवीनतम डीएनए आधारित गणना के अनुसार इनकी संख्या लगभग 22,446 आंकी गई है। डीएनए आधारित गणना का अर्थ है जानवरों की संख्या का अनुमान उनके आनुवंशिक पदार्थ (जेनेटिक मैटेरियल) के आधार पर लगाना, न कि केवल प्रत्यक्ष रूप से देखकर गिनना। विश्व में हाथियों की दो प्रमुख प्रजातियाँ पाई जाती हैं-अफ्रीकी हाथी जिनकी संख्या लगभग 4–5 लाख है तथा एशियाई हाथी जिनकी संख्या लगभग 50,000–60,000 के बीच है। भारत विश्व के कुल एशियाई हाथियों का 60% से अधिक हिस्सा रखता है। हाल फिलहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि आज के समय में मानव-हाथी संघर्ष वर्तमान समय की एक गंभीर पर्यावरणीय और सामाजिक समस्या बन चुका है। इसका मुख्य कारण वनों का सिकुड़ना, कृषि विस्तार, मानव बस्तियों का बढ़ना और हाथियों के प्राकृतिक मार्गों (कॉरिडोर) का टूटना है। इसके परिणामस्वरूप हर वर्ष औसतन 500 से अधिक लोगों की मृत्यु हाथियों के हमलों में होती है। वर्ष 2023-24 में यह संख्या बढ़कर 628 तक पहुँच गई, जो पिछले पाँच वर्षों में सबसे अधिक है। पिछले पाँच वर्षों में 2,800 से अधिक मानव मौतें दर्ज की गईं, जबकि वर्ष 2009-2024 के बीच लगभग 8,000 मानव मौतें हुई हैं। सबसे अधिक प्रभावित राज्य ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, असम और छत्तीसगढ़ हैं। दूसरी ओर, हाथियों की मृत्यु भी मानव गतिविधियों के कारण बड़ी संख्या में हो रही है। पिछले 16 वर्षों में 1,653 हाथियों की मौत मानवजनित कारणों से हुई है, जिनमें लगभग 69% मौतें बिजली के करंट से और लगभग 16% रेल दुर्घटनाओं से हुई हैं। पिछले पाँच वर्षों में 528 हाथियों की मौत दर्ज की गई है, जबकि प्रतिवर्ष औसतन 100 से अधिक हाथी मानव-हाथी संघर्ष में मारे जाते हैं। इसके अतिरिक्त अवैध शिकार, जहर देकर मारना तथा पटाखों या जहर मिले फलों से भी हाथियों की मृत्यु के मामले सामने आते रहे हैं। हाल ही में केरल में पटाखों से भरे फल खाने से हाथी की मृत्यु हुई तथा कर्नाटक में किसान की हाथी हमले में मृत्यु की घटना भी दर्ज की गई। एक गंभीर घटना 20 दिसंबर 2025 को असम के होजाई जिले में हुई, जहाँ सैरंग-नई दिल्ली एक्सप्रेस गाड़ी तेज गति से गुजर रही थी और लगभग 100 हाथियों का झुंड रेलवे ट्रैक पार कर रहा था। लोको पायलट द्वारा आपातकालीन ब्रेक लगाने के बावजूद ट्रेन नहीं रुक सकी और टक्कर हो गई, जिसमें 7 हाथियों की मौके पर तथा एक घायल हाथी की बाद में मृत्यु हो गई, इस प्रकार कुल 8 हाथियों की जान गई। यह घटना उस क्षेत्र में हुई जहाँ हाथियों का प्राकृतिक आवागमन रेलवे ट्रैक के पास से होता है, लेकिन सुरक्षा उपायों और चेतावनी प्रणालियों की कमी के चलते यह हुआ। इस प्रकार भारत में जहाँ एक ओर मानव जीवन हाथियों के कारण प्रभावित हो रहा है, वहीं दूसरी ओर हाथी भी मानव गतिविधियों से गंभीर खतरे में हैं। यह स्थिति स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि जंगलों का संरक्षण, हाथी कॉरिडोर की सुरक्षा, सुरक्षित रेलवे और बिजली व्यवस्था, तकनीकी निगरानी (जैसे जीपीएस ट्रैकिंग और अलर्ट सिस्टम) तथा स्थानीय समुदायों की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है, ताकि मानव और वन्यजीव दोनों के बीच संतुलन स्थापित किया जा सके और हमारा पारिस्थितिकी तंत्र व पर्यावरण सुरक्षित रह सके।

बिहार में भाजपा का युगः एक नया राजनीतिक अध्याय

लेखक-सौरभ वार्ष्णेय

राजनीति भी ऐसा मौसम है पता नहीं कब क्या कुछ हो जाये ? ऐसे ही बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का कुछ नहीं कहा जा सकता कब उनका फैसला बदल जाये। वैसे भी बिहार की राजनीति लंबे समय तक जातीय समीकरणों, क्षेत्रीय दलों और गठबंधन की जटिलताओं के इर्द-गिर्द घूमती रही है। लेकिन हाल के वर्षों में भारतीय जनता पार्टी का उभार राज्य की राजनीति में एक नए अध्याय का संकेत दे रहा है। यह बदलाव केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि राजनीतिक सोच, विकास के एजेंडे और नेतृत्व शैली में भी परिवर्तन का द्योतक है। ऐसे में बिहार में भारतीय जनता पार्टी ने सम्राट चौधरी को विधायक दल का नेता चुना जाना और बिहार के वह मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

बिहार में भारतीय जनता पार्टी का विस्तार कोई अचानक हुई घटना नहीं है। यह एक लंबी रणनीतिक यात्रा का परिणाम है, जिसमें संगठन की मजबूती, जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं का नेटवर्क और केंद्र की नीतियों का प्रभाव शामिल है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की योजनाओं—जैसे उज्ज्वला, आयुष्मान भारत और पीएम आवास योजना—ने राज्य के ग्रामीण और गरीब वर्गों में भाजपा की स्वीकार्यता बढ़ाई है। इससे पार्टी को एक मजबूत जनाधार बनाने में मदद मिली है।

हालांकि, बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार जैसे अनुभवी नेता और राष्ट्रीय जनता दल जैसे प्रभावशाली दल अभी भी मजबूत स्थिति में हैं। ऐसे में भाजपा का यह उभार एक प्रतिस्पर्धात्मक राजनीतिक वातावरण तैयार करता है, जहां सत्ता की लड़ाई और अधिक दिलचस्प और जटिल हो गई है। भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह अपने विकास के वादों को जमीन पर उतारे। बिहार आज भी बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी समस्याओं से जूझ रहा है। भाजपा को इन क्षेत्रों में ठोस सुधार करना होगा। यह उसके लिए एक स्थायी राजनीतिक आधार बनाने का अवसर हो सकता है। इसके अलावा, सामाजिक समरसता और जातीय संतुलन बनाए रखना भी भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण कसौटी होगी। बिहार की सामाजिक संरचना बेहद संवेदनशील है, जहां छोटी-सी राजनीतिक चूक भी बड़े सामाजिक तनाव का कारण बन सकती है। बिहार में भाजपा का उभरता हुआ युग एक परिवर्तनशील दौर का प्रतीक है। यह देखना दिलचस्प होगा कि यह बदलाव राज्य को विकास और स्थिरता की ओर ले जाता है या फिर यह केवल सत्ता के नए समीकरणों तक ही सीमित रह जाता है। आने वाले समय में बिहार की राजनीति किस दिशा में जाएगी, यह न केवल राज्य बल्कि पूरे देश की राजनीतिक धारा को भी प्रभावित करेगा।

बिहार में सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री बनना-ऐसे में भाजपा ने सम्राट चौधरी को विधायक दल का नेता चुना है तो यह तय है कि सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री बनते ही केवल नेतृत्व परिवर्तन नहीं बल्कि एक व्यापक राजनीतिक संदेश और रणनीतिक बदलाव का संकेत होगा। सबसे पहले, यह कदम भारतीय जनता पार्टी के उस प्रयास के रूप में देखा जाएगा, जिसमें वह बिहार में अपनी स्वतंत्र पहचान को और मजबूत करना चाहती है। लंबे समय तक नीतीश कुमार के नेतृत्व में गठबंधन की राजनीति करने के बाद, भाजपा अब अपने चेहरे के साथ चुनावी मैदान में उतार दिया है। सम्राट चौधरी का सामाजिक आधार भी इस चर्चा को महत्वपूर्ण बनाता है। वे पिछड़े वर्ग से आते हैं, जो बिहार की राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाता है। ऐसे में उनका मुख्यमंत्री बनना सामाजिक प्रतिनिधित्व के नए समीकरण साध सकता है और भाजपा को उन वर्गों में और गहराई तक पहुंचाने में मदद कर सकता है, जहां अब तक अन्य दलों का प्रभाव रहा है। हालांकि, यह रास्ता आसान नहीं होगा। बिहार जैसे राज्य में प्रशासनिक अनुभव, गठबंधन संतुलन और जमीनी पकड़ बेहद महत्वपूर्ण होती है। लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव जैसे विपक्षी नेताओं की मजबूत राजनीतिक पकड़ के बीच सम्राट चौधरी को अपनी स्वीकार्यता साबित करनी होगी। इसके अलावा, यह भी देखना दिलचस्प होगा कि क्या भाजपा इस बदलाव के जरिए युवाओं और नए मतदाताओं को आकर्षित कर पाती है या नहीं। क्योंकि आज की राजनीति में केवल जातीय समीकरण ही नहीं, बल्कि विकास, रोजगार और सुशासन भी उतने ही अहम मुद्दे बन चुके हैं। सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री बनना बिहार की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत हो सकता है, लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वे उम्मीदों पर कितना खरे उतरते हैं। यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि विश्वास और प्रदर्शन की एक बड़ी परीक्षा होगी। अगर हम सम्राट चौधरी के राजनीतिक करियर की बात करे तो बिहार की समकालीन राजनीति में तेजी से उभरते नेतृत्व का उदाहरण माना जाता है। उनका सफर छात्र राजनीति से लेकर राज्य की सत्ता के शीर्ष तक पहुंचने का रहा है। सम्राट चौधरी का जन्म बिहार के एक राजनीतिक परिवार में हुआ। उनके पिता शकुनी चौधरी भी राज्य की राजनीति में सक्रिय रहे। सम्राट चौधरी ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत छात्र राजनीति से की और धीरे-धीरे मुख्यधारा की राजनीति में मजबूत पहचान बनाई। सम्राट चौधरी ने अपने करियर में कई राजनीतिक दलों के साथ काम किया। सम्राट चौधरी बिहार सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं और संगठन में उनकी पकड़ मजबूत मानी जाती है। बीजेपी में उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद संभाले, जिससे उनकी राजनीतिक स्थिति और मजबूत हुई। राजनीतिक परिस्थितियों और पार्टी के रणनीतिक निर्णयों के चलते सम्राट चौधरी को बिहार की राजनीति में प्रमुख चेहरा बनाया गया। मुख्यमंत्री बने तो यह उनके लंबे राजनीतिक अनुभव, संगठनात्मक कौशल और सामाजिक समीकरणों को साधने की क्षमता का परिणाम माना जाएगा। उनकी राजनीतिक विशेषताएं। ओबीसी (पिछड़ा वर्ग) नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करते हैं। आक्रामक और स्पष्ट वक्ता सहित संगठन और जनाधार दोनों पर पकड़ रखते हैं। सम्राट चौधरी का करियर यह दिखाता है कि बिहार की राजनीति में लगातार सक्रियता, रणनीति और समय के अनुसार निर्णय लेना कितना महत्वपूर्ण है। वे आज राज्य की राजनीति में एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली नेता के रूप में स्थापित हो चुके हैं। 2026 के अनुसार भाजपा के १६ वें राज्य के मुख्यमंत्री होंगे सम्राट चौधरी ।

टीम इंडिया में बदलते समीकरण, इंग्लैंड दौरा होगा 'करो या मरो'

फॉर्म से जूझ रहे सूर्या पर बढ़ा दबाव

नई दिल्ली। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव के सामने अब असली चुनौती शुरू होती दिख रही है। हालिया समय में उनकी बल्लेबाजी में आई गिरावट ने चयनकर्ताओं और टीम मैनेजमेंट दोनों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। टीम इंडिया ने भले ही बड़े टूर्नामेंट में सफलता हासिल की हो, लेकिन व्यक्तिगत प्रदर्शन में निरंतरता की कमी अब सूर्यकुमार यादव के भविष्य पर सवाल खड़े कर रही है। सूर्यकुमार यादव के लिए जून-जुलाई में इंग्लैंड और आयरैंड दौरा सिर्फ एक सीरीज नहीं, बल्कि करियर का अहम मोड़ साबित हो सकता है। इस दौरे में उनकी कप्तानी से ज्यादा बल्लेबाजी पर नजर रहेगी, क्योंकि 2028 ओलंपिक और अगले टी20 वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए टीम इंडिया में जगह अब पूरी तरह प्रदर्शन के आधार पर तय होगी।

सूर्या के लिए खराब रहा 2025

सूर्यकुमार के लिए 2025 का साल बेहद खराब रहा, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 120 से भी कम हो गया और वह एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाए थे। उन्होंने 2026 में हालांकि अच्छा प्रदर्शन किया और 160 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाए जिसमें चार अर्धशतक भी शामिल है। टी20 विश्व कप में हालांकि अमेरिका के खिलाफ पहले मैच को छोड़कर सूर्यकुमार का प्रदर्शन उल्लेखनीय नहीं रहा। उन्हें टीम में अपना स्थान बरकरार रखने के लिए अपने प्रदर्शन में हर हाल में निरंतरता लानी होगी। इस बीच, वैभव सूर्यवंशी का नाम टी20 टीम के लिए उन विशेषज्ञ खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया गया, जिन्हें राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने जून-जुलाई में आयरलैंड दौरे के टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए संभावित खिलाड़ियों के रूप में चुना है। सूत्र ने लिखा, ''चयन समिति को पूरा विश्वास है कि वैभव तैयार है, लेकिन फिर आप संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा और इशान किशन की बात कर रहे हैं। ये तीनों ही टी20 विश्व कप में अर्धशतक लगा चुके हैं। अगर आप चौथा ओपनर रखते हैं, तो यशस्वी जायसवाल भी मौजूद हैं।''

खराब फॉर्म के कारण उठे सवाल

सूर्यकुमार यादव की बल्लेबाजी फॉर्म को देखते हुए सवाल उठने लगे हैं कि क्या उन्हें 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए टीम में शामिल किया जाएगा या नहीं। इंग्लैंड दौरे से यह तय हो सकता है कि क्या उन्हें 2028 में होने वाली बड़ी प्रतियोगिताओं तक टीम में बनाए रखा जाएगा या नहीं। वर्ष 2028 में अमेरिका में ओलंपिक और ऑस्ट्रेलिया में होने वाला टी20 विश्व कप शामिल हैं।

कोच गंभीर की पहली पसंद हैं

सूर्यकुमार यादव अब भी मुख्य कोच गौतम गंभीर की पहली पसंद बने हुए हैं, जिनका कार्यकाल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले 2028 टी20 विश्व कप तक बढ़ाए जाने की संभावना है। हालांकि, यह देखना दिलचस्प होगा कि अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति गौतम गंभीर से

सहमत होती है या नहीं, क्योंकि ओलंपिक के समय सूर्यकुमार की उम्र लगभग 38 साल हो जाएगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्र के हवाले से समाचार एजेंसी पीटीआई ने लिखा, ''सूर्या अभी टीम की कप्तानी कर रहे हैं, लेकिन उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि एक बल्लेबाज के रूप में वह अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखें।

'कोविड वैक्सीन से गई जान'

- शेन वॉर्न की मौत पर बेटे का बड़ा बयान, सरकार पर लगाया आरोप

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न का निधन 2022 में थाईलैंड में हुआ था। अब इस हादसे के चार साल बाद उनके बेटे ने उनकी मौत के कारण पर बड़ा बयान दिया है। शेन के बेटे जैक्सन ने दावा किया है कि उनके पिता की जान कोविड वैक्सीन के कारण गई है। जैक्सन ने '2 वर्ल्ड्स कोलाइड पॉडकास्ट' पर बात करते हुए अपने पिता की स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं को भी स्वीकार किया। उन्होंने यह भी दावा किया कि, दिग्गज स्पिनर की मौत संभवत: कोविड के उन 'तीन या चार' टीकों के कारण हुई थी जो उन्हें 'काम करने के लिए मजबूरन लेने पड़े थे।' शेन वॉर्न का निधन 52 वर्ष की उम्र में हुआ था। जैक्सन ने कहा 'मुझे पक्का लगता है कि इसमें कोविड वैक्सीन का हाथ था। मुझे नहीं लगता कि अब यह कहने से किसी तरह का विवाद पैदा होगा। भले ही डैड को पहले से ही कुछ स्वास्थ्य समस्याएं थीं, लेकिन मुझे लगता है कि टीका लगाने के कारण उनकी बीमारी खुलकर सामने आ गई। यह एक ऐसी बात है जिससे मैं हमेशा सोचता रहता हूं। जैसे ही मैंने (वॉर्न की मौत की खबर मिलने के बाद) फोन रखा तो मेरी पहली प्रतिक्रिया में मैंने तुरंत सरकार को और कोविड वैक्सीन को दोषी ठहराया।' जैक्सन ने कहा कि उन्होंने शोक सभा में अपने विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने से खुद को बड़ी मुश्किल से रोका था। उन्होंने कहा, 'शायद यह समझदारी भरा कदम था कि मैंने ऐसा नहीं किया, अगर मैंने ऐसा किया होता तो मेरी स्थिति बिल्कुल अलग होती। लेकिन मुझे यही महसूस हुआ। पहले भी दिल का दौरा पड़ने से बहुत से लोग मर रहे थे। लेकिन डैड ठीक थे। मुझे लगता है उन्होंने तीन या चार (टीके) लगवाए होंगे।

व्यापार

शेयर बाजार में तूफानी तेजी, सेंसेक्स 78000 के पार पहुंचा

निवेशकों को 9 लाख करोड़ रुपये का फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार आज बुधवार को तूफानी तेजी के साथ खुला है। सेंसेक्स और निफ्टी में 1-1 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। निफ्टी आज 24163.80 अंक पर खुला है। वहीं, सेंसेक्स 77,981.10 अंक पर ओपन हुआ है। बता दें, ओपनिंग के बाद सेंसेक्स 1.72 अंक या फिर 1318.93 की तेजी के साथ 78,166.50 अंक पर ट्रेड कर रहा है। निफ्टी 1.62 प्रतिशत या फिर 387.15 अंक की तेजी के साथ 24229.80 अंक पर ट्रेड कर रहा है। बता दें, शुरुआती कारोबार में निफ्टी में 50 में से 48 कंपनियों के शेयरों में तेजी के साथ ट्रेड कर रहे हैं। बीएसई की लिस्टेड कंपनी के मार्केट कैप में आज 9 लाख करोड़ रुपये का इजाफा सुबह में देखने को मिला है। सेंसेक्स की सभी 30 में से 30 कंपनियों के शेयर आज सुबह बढ़त के साथ कारोबार कर रहे हैं। इंडिगो के शेयरों में 3 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। वहीं, एचसीएल, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, टीसीएस के शेयर प्रतिशत से अधिक की उछाल के साथ ट्रेड कर रहे हैं।

सोमवार को शेयर बाजारों में दिखी थी गिरावट– सोमवार को बीएसई सेंसेक्स 703 अंक लुढ़क गया जबकि एनएसई निफ्टी 208 अंक के नुकसान में रहा। अमेरिका और ईरान के बीच समझौते के लिए बातचीत विफल होने के साथ संघर्ष लंबे समय तक जारी रहने की चिंता में कच्चे तेल के दाम में तेजी के बीच बाजार में गिरावट देखने को मिली थी।। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 702.68 अंक यानी 0.91 प्रतिशत टूटकर 76,847.57 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,681.93 अंक लुढ़क कर 75,868.32 अंक पर आ गया था। एनएसई निफ्टी भी 207.95 अंक यानी 0.86 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,842.65 अंक पर बंद हुआ।

तांबे में जोरदार उछाल! 6 हफ्ते के हाई पर कॉपर

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्ट एशिया में जारी तनाव के बीच एक दिलचस्प मोड़ देखने को मिला है, जहां अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति वार्ता की उम्मीदों ने मेटल मार्केट में नई जान डाल दी है। इसी सकारात्मक संकेत का असर तांबे की कीमतों पर साफ दिखा, जिससे कीमतें 6 हफ्तों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में की कीमत 13,200 डॉलर प्रति टन के करीब पहुंच गई, जो पिछले एक महीने का उच्चतम स्तर है। यह तेजी ऐसे समय आई है, जब निवेशक इस उम्मीद में हैं कि अगर अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत फिर से शुरू होती है, तो वैश्विक सप्लाई चेन पर दबाव कम हो सकता है और ऊर्जा कीमतों में भी स्थिरता आ सकती है। आइए जरा विस्तार से इसकी डिटेल्स जानते हैं। दरअसल, जब फरवरी 2026 के अंत में युद्ध जैसे हालात बने थे, तब औद्योगिक धातुओं पर काफी दबाव पड़ा था। बढ़ती तेल कीमतों और आर्थिक मंदी की आशंका ने निवेशकों को सतर्क कर दिया था, जिससे तांबा और अन्य मेटल्स की कीमतों में गिरावट आई थी। लेकिन, अब जैसे-जैसे शांति की उम्मीद बढ़ रही है, बाजार में भरोसा लौटता दिख रहा है। यही वजह है कि तांबा ही नहीं, बल्कि अन्य मेटल्स में भी तेजी देखने को मिली है।

फिर हो गया उलटफेर, रूसी तेल की बंपर खरीद

भारत उछलकर दूसरे नंबर पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने मार्च 2026 में रूसी कच्चे तेल की बंपर खरीद की है। इस खरीद में तीन गुना से अधिक का उछाल आया है। यह बढ़कर 5.3 अरब यूरो (लगभग 58,229 करोड़ रुपये) रही है। इस बढ़ोतरी के पीछे इंपोर्ट वॉल्यूम यानी आयात मात्रा का दोगुना होना और ग्लोबल तेल कीमतों में उछाल है। इसने भारत के ऊर्जा आयात के समीकरण दोबारा बदल दिए हैं।

यूरोपीय शोध संस्था सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) की रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी में खरीद में गिरावट के बाद मार्च में भारत ने रूस से तेल की खरीद फिर तेज कर दी। फरवरी में भारत रूस से ऊर्जा आयात करने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश था। कुल आयात 1.8 अरब यूरो रहा था। उस समय कच्चे तेल की हिस्सेदारी 81 फीसदी (1.4 अरब यूरो) थी। कोयले की हिस्सेदारी 22.3 करोड़ यूरो और पेट्रोलियम उत्पादों की 12.1 करोड़ यूरो थी।

रूसी तेल आयात बढ़ने के पीछे फैक्टर

अमेरिका की ओर से रूसी तेल पर एक महीने की प्रतिबंध छूट दिए जाने के बाद यह बढ़ोतरी हुई। यह छूट पहले से समुद्र में मौजूद खेपों और पहले प्रतिबंधित जहाजों से हो रही सप्लाई पर लागू थी। इसका मकसद ईरान के साथ तनाव के बाद बढ़ी कीमतों को कंट्रोल करना था। इस छूट के बाद सरकारी रिफाइनरियों ने फिर से आयात शुरू कर दिया। उन्होंने पहले रूस से तेल खरीद रोक दी थी।

सबसे बड़ा बदलाव क्या हुआ

रिपोर्ट में कहा गया कि मार्च में सबसे बड़ा बदलाव सरकारी रिफाइनरियों के आयात में देखा गया। इसमें मासिक आधार पर 148 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। यह आयात मार्च, 2025 की तुलना में 72 फीसदी अधिक रहा। इसका कारण वायदा बाजार में रूसी तेल की अधिक उपलब्धता बताया गया है। मैंगलुरु और विशाखापत्तनम स्थित सरकारी रिफाइनरियों ने नवंबर, 2025 के अंत में रूस से आयात रोक दिया था। लेकिन, मार्च, 2026 में फिर से खरीद शुरू कर दी। फरवरी में भारत चीन और तुर्किये के बाद तीसरा सबसे बड़ा आयातक था। रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी में रूस से भारत के कच्चे तेल आयात में 19 फीसदी की कमी आई थी। जबकि कुल आयात में नौ फीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी। इसके बावजूद रूस फरवरी में भी भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल सप्लायर बना रहा।

यूरोप भी गए रूसी क्रूड से बने प्रोडक्ट

यूरोपीय संघ (ईयू) की ओर से 21 जनवरी, 2026 से रूसी कच्चे तेल से बने उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध के बावजूद मार्च में ऐसे 14 जहाजों ने यूरोपीय बंदरगाहों पर तेल उत्पाद उतारे, जो रूसी कच्चे तेल का इस्तेमाल करने वाली रिफाइनरियों से जुड़े थे। इनमें से नौ खेप तुर्किये की रिफाइनरियों से, चार भारत से और एक जॉर्जिया से भेजी गई थीं। कुछ जहाजों ने कई यूरोपीय बंदरगाहों पर तेल उत्पाद उतारे। फ्रांस मार्च में इन खेप का सबसे बड़ा रिसीवर रहा, जहां चार खेप उतारी गईं। इसके बाद साइप्रस (तीन खेप) का स्थान रहा।

सोने का रेट बढ़ा, चांदी की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने और चांदी की कीमतों में लगातार दूसरे दिन तेजी देखने को मिली है। अमेरिका और ईरान के बीच फिर से बातचीत की संभावनाओं की वजह से आज इंटरनेशनल मार्केट गोल्ड और सिल्वर का रेट फिर से बढ़ा हुआ है।

मौजूदा परिस्थितियों की वजह से दुनिया भर में एनर्जी संकट गहरा गया है। बता दें, पाकिस्तान में ईरान और अमेरिका के बीच एक दौर की बातचीत हो गई है। लेकिन यह पूरी वार्ता विफल रही थी। दोनों पक्षों के बीच कोई समझौता तब नहीं हो पाया था। कीमतों में आज शुरुआती कारोबार के दौरान बढ़ोतरी देखने को मिली। जिसके बाद यह 4855 डॉलर प्रति आउंस के स्तर पर पहुंच गया। इससे पहले के सत्र में सोने का भाव 2 प्रतिशत से अधिक बढ़ा था। रेट भी आज बुधवार को बढ़ोतरी देखने को मिली है। चांदी की कीमतों में उछाल के बाद यह 79 डॉलर प्रति आउंस के स्तर पर पहुंच गई थी।

क्यों बढ़ रहा सोने और चांदी का रेट

ब्लूमबर्ग के अनुसार अमेरिका और ईरान के बीच दूसरे दौर की बातचीत आने वाले दिनों में हो सकती है। न्यूयार्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अगले दो दिनों में बातचीत शुरू होने के संकेत दिए हैं। इन खबरों की वजह से मंगलवार को अमेरिकी शेयर बाजार में तेजी दर्ज की गई। वहीं, डॉलर इंडेक्स 0.3 प्रतिशत लुढ़क चुका है। बता दें, जब से युद्ध शुरू हुआ है तब से मेटल की कीमतों में 8 प्रतिशत की गिरावट देखने

कहां तक जाएगा सोने और चांदी का रेट

रेनिशा कहती हैं कि सोने और चांदी इस समय भी बुल रन पर सवार हैं। हालांकि, आगे का रास्ता काफी अनिश्चितताओं से भरा हुआ है। रेनिशा का कहना है टेक्निकल स्तर पर, 'गोल्ड 4800 से 4850 डॉलर (154000 रुपये से 155000 रुपये तक) के आस-पास रेसिस्टेंस दिखा रहा है।

8वां वेतन आयोग: 69000 रुपये न्यूनतम सैलरी और 6 प्रतिशत इंक्रीमेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। 69,000 रुपये न्यूनतम वेतन, 3.83 का फिटमेंट फैक्टर, 6 पर्सेंट का सालाना इंक्रीमेंट, पुरानी पेंशन योजना को फिर से लागू करना और न्यूनतम हाउस रेंट अलाउंस स्लैब को बढ़ाकर 30 पर्सेंट करना, ये नेशनल काउंसिल (ज्वाइंट कंसल्टेटिव मशीनरी) या ड्राफ्ट कमेटी की 8वें वेतन आयोग से जुड़ी कुछ प्रमुख मांगे हैं। यह मांगें उनके फाइनल मेमोरेंडम की हैं, जिसे सोमवार 13 अप्रैल 2026 को 8वें सीपीसी (सेंट्रल पे कमीशन) को सबमिट कर दिया गया। यह बात इकनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट में कही गई है।

पोर्टल पर अपलोड किया फाइनल मेमोरेंडम– फाइनल मेमोरेंडम, सेंट्रल गवर्नमेंट एंप्लॉयी और पेंशनर बॉडीज के प्रमुख एसोसिएशंस और यूनियंस की 8वें केंद्रीय वेतन कमीशन से जुड़ी मांगों की कॉमन लिस्ट है। नेशनल काउंसिल (ज्वाइंट कंसल्टेटिव मशीनरी), इन यूनियंस का केंद्रीय एसोसिएशन है। नेशनल काउंसिल (ज्वाइंट कंसल्टेटिव मशीनरी) के सेक्रेटरी शिव गोपाल मिश्रा ने 14 अप्रैल 2026 को ड्रॉफ्टिंग कमेटी मेंबर्स और कन्स्टिट्यूएंट्स को लिखे लेटर में कहा है, '8वें सीपीसी पर ड्रॉफ्टिंग कमेटी की फाइनल मीटिंग 13 अप्रैल 2026 को जे पी चौबे मेमोरियल लाइब्रेरी, 4 स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली में हुई। ड्रॉफ्टिंग कमेटी ने 8वें सीपीसी को सबमिट किए जाने वाले मेमोरेंडम को अंतिम रूप दिया और इसे 8वें सीपीसी के पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया।'

फाइनल मेमोरेंडम में शामिल दूसरी मांगें
अपनी दूसरी मांगों में ड्रॉफ्ट कमेटी ने 8वें पे कमीशन से सातवें वेतन आयोग के 18 एंप्लॉयीज लेवल को 7 में विलय (मर्ज) करने

का आग्रह किया है। साथ ही, फैमिली यूनिट्स को 5 से बढ़ाकर 7 करने, 30 साल की सेवा में प्रत्येक कर्मचारी को कम से कम 5 प्रमोशन, हर पांच साल में पेंशन रिवीजन की मांग की गई है।

ड्रॉफ्ट कमेटी चाहती है कि उसकी सभी मांगे 1 जनवरी 2026 से लागू की जाएं।

पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग
फाइनल मेमोरेंडम में 1 जनवरी 2004 को या उसके बाद नियुक्त किए गए कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की मांग की गई है। पेंशन, आखिरी वेतन निकासी का 67 पर्सेंट होना चाहिए। वहीं, फैमिली पेंशन 50 पर्सेंट होना चाहिए। ग्रुप सी के लिए 1 करोड़ रुपये का ग्रुप इंश्योरेंस और ग्रुप बी के लिए 1.5 करोड़ रुपये का ग्रुप इंश्योरेंस होना चाहिए। पूरे सेवाकाल में 60 दिन की पैरेंट केयर लीव दी जानी चाहिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)